RNI Reference No. 1328500

द रीव टाइम्स

The RIEV Times

हिमाचल,
वर्ष 1/ अंक 3/ पृष्ठ: 16

16-31 अगस्त, 2018

www.therievtimes.com

आत्मनिर्भरता, ऊर्जा और राष्ट्र प्रेम के संकल्प के साथ स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं.....डॉ॰ एल सी शर्मा

आईआईआरडी को मिला उत्कृष्ट एनजीओ ऑफ सीएसआर टाइम्स का राष्ट्रीय पुरस्कार

झारखण्ड में रुपांतरण परियोजना की सफलता पर आईआईआरडी टीम ने दिल्ली में प्राप्त किया पुरस्कार

टीम आईआईआरडी के सदस्यों के साथ प्रबन्ध निदेशक डॉ॰ एल सी शर्मा पुरस्कार प्राप्त करते हुए

शिमला : (हेम चौहान)

आईआईआरडी ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि उस समय हासिल की जब आजीविका के क्षेत्र में उत्कृष्ट संस्था के रुप में राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित एंव पुरस्कृत होने का गौरव प्राप्त हुआ । यह सम्मान सीएसआर टाइम्स के राष्ट्रीय सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह 2018 के उपलक्ष्य पर नई दिल्ली में आईआईआरडी टीम के साथ संस्था के प्रबन्ध निदेशक डॉ॰ एल सी शर्मा को केन्द्रिय पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अलफोंस के. जे. द्वारा प्रदान किया गया । बेहतरीन सेवाओं और महिला आत्मनिर्भरता एवं सशक्तिकरण के क्षेत्र में रुपांतरण परियोजना को देश के झारखण्ड राज्य में सफलतापूर्वक करने पर सीएसआर टाइम्स ने यह पुरस्कार प्रदान किया । झारखण्ड में आईआईआरडी ने रुपांतरण परियोजना के माध्यम से ग़रीब और ज़रुरतमंद महिलाओं को पत्तल निर्माण की संपूर्ण तकनीक और संसाधनों की उपलब्धता को सुनिश्चित बनाया ।

आईआईआरडी का कार्यक्षेत्र

आईआईआरडी शिमला विशेषतौर पर देश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थाई विकास एवं जागरुकता के लिए सेवारत हैं । इसी के तहत झारखण्ड के दूरदराज क्षेत्र में आवश्यकता आकलन करने के बाद संस्था ने 2017 में वहां की जनजातीय महिलाओं जो कि स्वयं सहायता समूहों से संबन्धित थीं, के लिए इस परियोजना को अमलीजामा पहनाने का प्रस्ताव रखा। 12 से 15 महिलाओं के 450 स्वयं सहायता समूहों की पहचान की गई। ये महिलाऐं गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों और अनुसूचित जाति से संबन्धित थी । उन्हें घर–परिवार चलाने और आय के स्रोत बढ़ाने के लिए इस परियोजना की बहुत ज़रुरत थी । इसके लिए चयनित क्षेत्र की संबन्धित महिलाओं से चर्चा करने के बाद पत्तल बनाने की परियोजना पर कार्य आरम्भ हुआ । इसके लिए संस्था ने 12 विशेष पत्तल बनाने की मशीनों को लगाकर कार्य और भी आसान कर दिया । इससे न केवल उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ी बल्कि समय की बचत भी हुई । महिलाओं को पत्तल बनाने के साथ–साथ उनकी भण्डारण, मार्केटिंग आदि का प्रशिक्षण भी दिया गया ।

रुपांतरण...जीवन को बदलने की पहल

आईआईआरडी का प्रयास ग्रामीण भारत में आवश्यकता एवं परिणाम आधारित बदलाव लाने की ओर अग्रसर है । झारखण्ड में पत्तल बनाने का परियोजना इसी का ही हिस्सा है । लोगों की

आर्थिकी और सम्पन्नता को किस प्रकार अपने गांव को त्यागे बिना ही वहां के संसाधनों का उपयोग कर बढ़ाया जाऐ....संस्था ने इसे चुनौती की तरह लिया है । पत्तल बनाने की परियोजना इसी का एक सफल उदाहरण है

पत्तल क्या है

पत्तल भारत के ग्रामीण क्षेत्र में भोजन एवं अन्य गतिविधियों में उपयोग होने वाली सबसे प्रचलित उत्पाद है । यह स्वभाविक रुप से नष्ट होने वाली पत्तल प्रकृति के साथ सामजस्य बैठाती है । पत्तों की प्लेट ईको फ्रैंडली होती है और इसके विशेष आकार के कारण इसे रखने के लिए भी अधिक स्थान की

आवश्यकता नहीं होती । पत्तल बेहद कम लागत में तैयार हो जाती है और उपयोग व नष्ट प्रकिया का ही हिस्सा है ।

पत्तल बनाने की मशीन

मशीन की विशेषता :

- पूर्णत: ध्वनि प्रदूषण रहित
- मजबूत और कठोर आकार

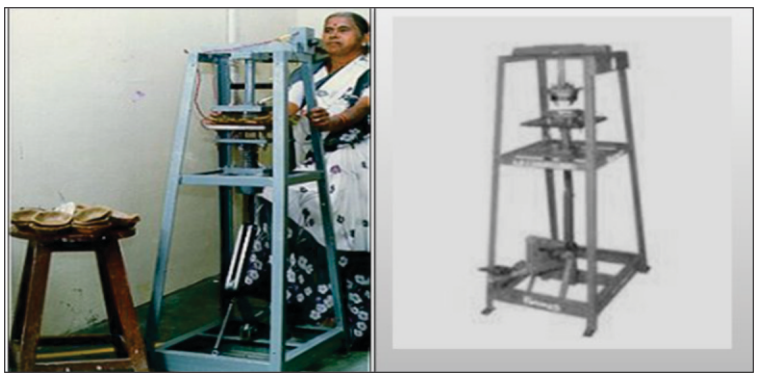

- मशीन का उत्कृष्ठ प्रदर्शन
- उच्च उत्पादन क्षमता

विशेष लक्षण :

- मशीन की चौड़ाई : 8700 X 2400 mm
- विद्युत संचालन शक्ति / वोल्टेज : 220 V / 380 V

पत्तल बनाने की मशीन पत्तल बनाने की प्रकिया को सरल और बेहतर बनाती है । यह कम स्थान पर भी लगाई जा सकती है और इसके उपयोग की विधि भी आसान है । आईआईआरडी ने इस प्रकार की 12 मशीनें झारखण्ड के अलग–अलग स्थानों पर लगाई और इसके संचालन का प्रशिक्षण भी अनुसूचित जनजाति की महिलाओं को प्रदान किया । पत्तल निर्माण के क्षेत्र में महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता एवं स्थाई विकास की आधारभूत उपलब्धि रही है यह मशीन । यह कई प्रकार की होती है जिससे डोना, पत्तल, छोटी प्लेटस आदि बनती है ।

इस परियोजना से लाभान्वित वर्ग

क्रम सं.	स्वयं सहायता समूह	सदस्यों की संख्या
1	गुलाब बाहा महिला समिति	10–12
2	कियाझरना महिला समिति	12–15
3	कारीसांघा महिला समूह	13–15
4	मां शीतला आजीविका सखी मंडल	14–15
5	मां दुर्गा आजीविका सखी मंडल	12–15
6	भोलेनाथ आजीविका सखी मंडल	13–15
7	लक्ष्मी नारायण महिला समूह	13–15
8	सरजोम बाहा महिला समिति	12–15
9	साधना महिला समिति	10–12
10	बीर बिरसा महिला समूह	10–12
11	मां शीतला महिला समूह	12–15
12	माली महिला समूह	13–15

लाभान्वित ज़िले का विवरण

Population of East Singhbhum				
Type	Male	Female	Total	Households
Rural	514498	504830	1019328	218160
Urban	662404	612187	1274591	258771
Total	1176902	1117017	2293919	476931
TEHSILS IN EAST SINGHBHUM				

पुरस्कार के मायने

रुपांतरण वास्तव में ही वर्तमान परिस्थितियों को बदलने का संकल्प है । झारखण्ड इसका उदाहरण बना है और आईआईआरडी इसे पूरे देश में ज़रुरतमंदों तक ले जाने के लिए निरंतर प्रयासरत है....यही सबसे बड़ा पुरस्कार संस्था के लिए रहेगा ।

जैविक खाद से किसान होंगे खुशहाल

पूरे हिमाचल के किसानों तक आईआईआरडी करेगा डि-कंपोजिंग रीव जैविक खाद की आपूर्ति

शिमला द रीव टाइम्स :(हेम चौहान)

देश में हिमाचल प्रदेश ऐसा राज्य है जिसमे 89. 96 प्रतिशत आबादी (Census 2011) ग्रामीण क्षेत्र में रहती है । इससे स्पष्ट होता है कि हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था और रोजगार के मुख्य साधन कृषि आधारित है । भौगोलिक विविधताओं के कारण कृषि हेतु मिट्टी के उपजाऊ तत्वों की विविधता भी प्रचुर मात्रा में पाई जाती है क्योंकि पेस्टिसाईड / कीटनाशक दवाईयों ने मिट्टी की पौष्टिकता और गुणवत्ता को लील लिया है । ऐसे में किसानों को मृदा परीक्षण करके खेती में सुधार एवं गुणवत्ता को अपनाने की आवश्यकता रहती है । एक बड़ा प्रश्न यह सामने हैं कि क्या हिमाचल के किसान नियमित रूप से मृदा परीक्षण करवाते हैं और उसी प्रकार से खेतों में पौष्टिक तत्वों का समावेश होता हैं ?

मिशन रीव के अंतर्गत आईआईआरडी की पहल

हिमाचल प्रदेश में मिशन रीव के माध्यम से सर्व एवं मूलभूत जानकारियों के आधार पर किसानों की इस समस्या के प्रति कुछ बेहतरीन प्रयास किए जा रहे हैं । जिनमें किसानों के खेतों में जाकर मृदा परीक्षण करने के लिए गांव में ही सुविधा उपलब्ध करवाना तथा मृदा जांच के

शेष पेज 2 पर

रीव जैविक खाद में जिलावार हो रही गतिविधियां

Distt.	Block	Gram Panchayat	Expected Quantity of compost in KG	Expected Date of completion of compost
Kullu	Nirmand	Durha	4000	23-07-18
Kullu	Nirmand	Dehra	2500	20-08-18
Kullu	Nirmand	Kot	3500	05-08-18
Shimla	Nankhari	Sholi	5000	15-08-18
Shimla	Nankhari	Khamadi	20000	25-08-18
Shimla	Mashobra	Cheiri	31000	01-09-18
Una	Bangana	Sohari	200	21-06-18
Una	Bangana	Deehar	200	21-06-18
Una	Bangana	Thanakalan	200	22-06-18
Una	Bangana	Tanoh	200	08-08-18
Una	Bangana	Lathiani	1000	10-08-18
Una	Una	Basoli	1500	12-08-18
Una	Una	Madanpur	200	20-08-18
Una	Una	Sunehra	300	22-08-18
Una	Una	Lamlehri	500	23-08-18
Una	Una	Behdala	150	30-08-18
Una	Gagret	Guglehar	7000	30-08-18
Una	Gagret	Badhera rajputan	1000	30-08-18
Una	Gagret	Kailash nagar	5000	30-08-18
Chamba	Mehla	Baat	100	01-09-18
Chamba	Chamba	Bhanota	150	01-09-18
Chamba	Chamba	Dradha	50	26-09-18
Chamba	Chamba	Khajiyaar	50	26-09-18
Chamba	Mehla	Gwar	50	26-09-18
Chamba	Salooni	Brangal	150	26-09-18
Chamba	Mehla	Sarahan	100	27-09-18
Sirmour	Shillai	Ashari	500	27-09-18
Sirmour	Shillai	Millah	200	28-09-18
Sirmour	Rajgrah	Shya sanaura	1000	28-09-18
Sirmour	Rajgrah	Habban	500	28-09-18
Sirmour	Rajgrah	Jaunaji	2500	28-09-18
Solan	Solan	Neri klan	5000	15-09-18
Solan	Solan	Shadyana	2500	15-09-18
Solan	Solan	Mashiwar	2500	15-09-18
Solan	Solan	Kothon	7500	15-09-18
Solan	Solan	Shamati	2500	15-09-18
Solan	Solan	Saproon	2500	15-09-18
Solan	Solan	Serbanera	5000	15-09-18
Solan	Solan	Bhojnagar	500	15-09-18
Solan	Solan	Bohali	25000	15-09-18
Solan	Solan	Dangheel	2500	15-09-18
Solan	Kandaghat	Jhajha	2500	15-09-18
Solan	Kandaghat	Hinner	5000	15-09-18
Solan	Dharmpur	Krishangarh	5000	15-09-18

पेज 1 का शेष...

उपरांत उसी अनुपात एवं आवश्यकता अनुसार जैविक खाद को तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवाने का लक्ष्य रखा गया है ।

जैविक खाद में क्या

मुख्य रुप से तीन प्रकार की जैविक खाद किसान उपयोग में लाता हैं ।

उपयोग की विधि

रीव खाद के उपयोग की विधि फसलों के अनुसार अपनाई जाती है । 40 किलो प्रति बैग के हिसाब से एक एकड़ भूमि जिस पर प्रचलित फसलें यानि गेंहुं, मक्का आदि लगाए जाते हैं में लगभग 6 बैग की खपत वर्ष में दो बार होती है ।

फलों में सेब के 10 साल के पौधों के लिए 3 किलो खाद साल में 2 बार उपयोग किया जाता है । इससे बड़े पौधों में प्रति

1. साधारण जैविक खाद में पशुओं का गोबर आदि होता है जो कि एक स्थान पर एकत्रित कर रखा जाता है । इस प्रकार रखने से उसके पौष्टिक तत्वों का निरंतर ह्रास होता जाता है ।

2. दूसरे प्रकार की जैविक खाद में वर्मीकंपोस्ट यानि केंचुआ खाद आती है जिसका प्रचलन गांव–गांव में है । इसमें गोबर के अलावा अन्य अपशिष्ट और कूड़ा–पत्तियों आदि को एक विनिर्दिश्ट तापमान में एक गडढे में रख कर उसमें केंचुआ डाल दिया जाता है । कुछ समय पश्चात खाद तैयार होकर किसान उपयोग में लाता है ।

3. तीसरी प्रकार की खाद सबसे कम समय में तैयार होकर गुणवत्ता में भी इन दोनों से बेहतर है जिसे आईआईआरडी तैयार करवाता है । इसे डि–कंपोजिंग रीव जैविक खाद के नाम से जाना जाता है और एक बैक्टिरिया के द्वारा इसे तैयार किया जाता है ।

क्या और कैसे बनती है बैक्टिरिया जैविक खाद

आईआईआरडी ने एक ऐसे बैक्टिरिया का उपयोग किया जिसको गोबर अथवा अन्य अपशिष्ट पदार्थों मे मिलाकर जैविक खाद तैयार की जाती है ।

यह तकनीक National Centre for Organic Farming (NCOF) जो कि भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के अंतर्गत है, द्वारा सामने लाई गई है जिसे किसानों तक गांव में मिशन रीव पहुंचाने का कार्य कर रहा है । सबसे बड़ी इसकी विशेषता यह है कि यह प्रचलित अन्य किसी भी प्रकार की खादों में सबसे कम समय में तैयार होती है । साथ ही गुणवत्ता के मापदंडों पर भी यह औरों से आगे हैं । इसे लगभग 30 से 40 दिनों के बीच तैयार कर लिया जाता है । इसका एक मुख्य गुण यह है कि यह ज़मीन के अंदर जाकर मिट्टी के पौष्टिक तत्वों की गुणवत्ता को बढ़ा देता हैं और ज़मीन को उपजाऊ बनाता है । ज़मीन में खादों के उपयोग एवं बारम्बार फसलों को चक्कीकरण के बाद मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है । लेकिन इस जैविक उत्पाद में बैक्टिरिया द्वारा मृदा पोषक तत्वों को ज़मीन के अंदर भी न केवल उसकी गुणवत्ता को बनाए रखता है बल्कि उसे अधिक पौष्टिक बनाकर रखता है ।

पौधा 5 किलोग्राम साल में 2 बार की आवश्यकता रहती है । यहां इस बात को तुलनात्मक रुप से समझने की आवश्यकता है । एक एकड़ भूमि में यदि साधारण गोबर की खाद की खपत एक क्विंटल है तो उसी एक एकड़ भूमि में रीव मैनयोर की मात्र 33 प्रतिशत ही उपयोग होती है । इससे 67 प्रतिशत खाद

की बचत हो रही है । रीव खाद को बनाने का प्रशिक्षण गांव में किसानों को दिया जाता है ।

खाद बनाने के लिए आईआईआरडी मिशन रीव के तहत बैक्टिरिया किसानों को देते हैं जिससे वो स्वयं खाद तैयार करते हैं ।

यदि खाद की मात्रा स्वयं के उपयोग से अधिक तैयार होती है तो आईआईआरडी इसे किसानों से खरीद कर इसको गांव मे किसानों के लिए उपलब्ध करवाने का कार्य कर रहा है । अभी

तक रीव जैविक खाद की उत्पादन क्षमता 650 टन के लगभग है, जिसे भविष्य में किसानों की ज़रुरतों के हिसाब से लगातार बढ़ाया जा रहा है । आईआईआरडी रीव जैविक खाद को किसानों तक पहुंचाने या किसानों को इसके बनाने के प्रशिक्षण तक ही सीमित नहीं है, बल्कि किसानों के खेतों से मिट्टी के नमूने लेकर उनके गांव में उसकी जांच कर जैविक खाद को खेत के रासायनिक एवं अन्य पोषक तत्वों के अनुसार ही तैयार कर किसानों की फसलों की पैदावार को बढ़ाया जा रहा है । अगले अंक में आप मिशन रीव के मृदा परीक्षण और प्रक्रिया पर हिमाचल प्रदेश में सफल कहानी को पढ़ेंगें ।

रीव की स्वास्थ्य सेवाओं से पुराना रोग भी हुआ साध्य

टीम रीव, शिमला

मिशन रीव गांवों में लोगों के स्वास्थ्य का पैरोकार बन रहा है। ऐसे कई लोग हैं जो इलाज के लिए शहरों के चक्कर काटते काटते थक चुके हैं । ऐसे लोगों के लिए आईआईआरडी का मिशन रीव न केवल स्वस्थ्य जीवन की उम्मीद बनकर आया बल्कि घर पर ही स्वास्थ्य सुविधा मिलने से उनका जीवन आसान भी हो गया। मिशन रीव घर पर टेस्ट सुविधा देने से लेकर स्वास्थ्य जांच तक की सुविधा भी ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध करवा रहा है। विशेष रूप से दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में रीव की सुविधा वरदान बनकर सामने आई है।

केस स्टडी, शिमला

नाम –हिरा शर्मा
उम्र 63 साल
समस्या – डायबटीज और बीपी

शिमला जिला के नारकंडा के तहत आने वाले बटाड़ा गांव की हिरा शर्मा का है। हिरा शर्मा ने द रीव टाइम्स से अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उनकी आयु 63 वर्ष है। हीरा ने मिशन रीव के तहत मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं के साथ अपने अनुभव को कुछ इस तरह साझा किया ...

मुझे डायबटीज है। इंसुलिन के साथ भी मेरा शुगर नियंत्रण में नहीं रहता था। मैंने कई बार अस्पताल जाकर दवाईयां खाई बावजूद इसके समस्या जस की तस थी। सिर दर्द, हाई बीपी, अनियंत्रित शुगर तो जैसे मेरी दिनचर्या का हिस्सा हो गए थे। फिर मैंने आईआईआरडी की रीव मोबाइल लैब में जाकर स्वास्थ्य की जांच करवाई। जांच के बाद मेरी रिपोर्ट तैयार हुई और उसी रिपोर्ट के आधार पर रीव लैब शिमला से चिकित्सीय परामर्श दिया गया। जैनरिक औषधि केंद्र शिमला से ही मुझे दवाईयां भी उपलब्ध कराई गई। अब मेरी हालत में पहले से काफी सुधार है और मेरा बीपी, शुगर भी काफी नियंत्रण में है। पहले मुझे महीनें में कई बार अस्पताल के चक्कर काटने पड़ते थे लेकिन अब मुझे चिकित्सीय परामर्श घर पर ही मिल जाता है।

मिशन रीव के तहत उपलब्ध करवाई जा रही स्वास्थ्य सेवाएं मेरे जैसे दूसरे मरीजों के लिए भी काफी लाभदायक साबित हो रही है। अगर गांव में ही लोगों को उपचार की सुविधा मिल जाए तो उन्हें साधारण से टेस्ट कराने के लिए बड़े अस्पतालों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। ये सुविधा मिशन रीव के तहत लोगों को मिल रही है जिससे गांवों में लोगों का जीवन आसान हो गया है।

दुर्गा शक्ति स्वयं सहायता समूह ने आरम्भ किया स्वच्छता अभियान

टीम रीव, शिमला

शिमला ज़िला के खण्ड बसंतपुर के सनाहू ग्राम में दुर्गा शक्ति स्वयं सहायता समूह द्वारा आईआईआरडी के सहयोग से स्वच्छता अभियान चलाया गया । महिलाओं ने ग्राम सनाहू में रास्तों की सफाई की तथा गांव में स्वच्छता पर जानकारी भी बांटी । गांव की बावड़ियों को खाली कर उनकी सफाई की गई । इस अभियान में गांव की 35 महिलाओं ने भाग लिया तथा उनके साथ गांव के युवाओं ने भी सफाई अभियान में भाग लिया । आईआईआरडी की ओर से नरेन्द्र ठाकुर ने इस अभियान की जानकारी दी तथा बताया कि संस्था का यही प्रयास है कि गांव–गांव में युवाओं एवं महिलाओं की ऊर्जा और समय का सार्थक उपयोग गांव के लिए किया जाना चाहिए तथा इसी प्रकार हम खटनोल आदि गांवों में भी सफाई अभियान करेंगें । दुर्गा शक्ति स्वयं सहयता समूह की प्रधान निशा ठाकुर ने समस्त महिलाओं के साथ इस अभियान की अगुवाई की । उन्होंने आईआईआरडी के सहयोग के लिए धन्यवाद भी किया ।

क्रोशिया बुनाई प्रशिक्षण से आत्मनिर्भर बनेंगी ग्रामीण महिलाऐं

महिला उत्थान में आईआईआरडी द्वारा अनेक प्रयास किए जा रहें हैं । विशेषतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने एवं स्वरोजगार के साधन जुटाने के लिए संस्था ने कुछ बड़े प्रयास आरम्भ किए हैं । इसी के तहत शिमला के शनान, गवाही और शिमला ग्रामीण के मांदरी गांव में महिलाओं को क्रोशिया बुनाई प्रशिक्षण एवं निशुल्क किट आबंटित की गई । प्रशिक्षण में गवाही में 115 महिलाओं ने, शनान में 40 तथा मांदरी में 100 महिलाओं एवं युवाओं ने भाग लिया । इसमें किस प्रकार क्रोशिया से सुन्दर बुनाई कम समय में करके इससे आमदनी बढ़ाई जा सकती है, इस पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया । प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं ने कुछ बेहतरीन उत्पाद बनाकर प्रदर्शित भी किए । समस्त महिलाओं एवं युवाओं को इस अवसर पर प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया ।

आईआईआरडी की ओर से महरीन इक़बाल एवं हेम राज चौहान ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया । महरीन इक़बाल ने बताया कि संस्था गांव में ही महिलाओं को प्रशिक्षण देने के बाद उनके लिए उत्पाद बनाने का समान उपलब्ध करवाऐगी तथा उनके उत्पाद को बाज़ार में भी बेचेगी । इस प्रकार घर बैठे ही महिलाऐं अपने काम की कीमत आमदनी के रुप में प्राप्त करेंगी ।

चनावग क्षेत्र में आईआईआरडी ने दिया क्रोशिया प्रशिक्षण

आईआईआरडी द्वारा ग्रामीण विकास एवं महिला उत्थान में निरंतर विभिन्न माध्यमों से प्रयासरत है । इसी के तहत ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से शिमला ग्रामीण के चनावग क्षेत्र में महिलाओं को क्रोशिया से ऊन के उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया । इस प्रशिक्षण में 70 महिलाओं ने भाग लिया । क्रोशिया बुनाई की सबसे सरल और तीव्र गति से उत्पाद बनाने की तकनीक है और इस प्रशिक्षण में किस प्रकार कला का संवर्धन कर महिलाऐं घर बैठे ही रोजी–रोटी के लिए सार्थक पहल कर सकती है । प्रशिक्षण में महिलाओं के साथ–साथ पुरुषों ने भी क्रोशिया बुनाई का प्रशिक्षण लिया । महिलाओं को इस अवसर पर आईआईआरडी की ओर से निशुल्क क्रोशिया किट बांटी गई । इस क्रोशिया किट में दो क्रोशिया, ऊन आदि शामिल हैं ।

किन्नौर में शुरू हुए स्वास्थ्य जांच शिविर

टीम रीव, किन्नौर

प्रदेश के अन्य जिलों की तर्ज पर अब मिशन रीव के तहत रीव मोबाइल लैब से स्वास्थ्य जांच शिविर शुरू हो गए हैं। इसके माध्यम से किन्नौर के लोगों को उनके अपने गांव में ही स्वास्थ्य जांच कराने की सुविधा प्रदान की जा रही है। शिविर में स्वास्थ्य जांच के साथ ही रिपोर्ट के आधार पर चिकित्सीय परामर्श लिया जाता है।

इस प्रयास की प्रसंशा भी ग्रामीण क्षेत्रों मे खूब की जा रही है। एचओडी आईआईआरडी मिशन रीव पैथ लैब डाक्टर केआर शांडिल ने बताया कि इस शिविर में मोबाइल बाइक लैब से लोगों के रक्त की जांच की जाती है। इनमें मिशन रीव के सदस्यों को निशुल्क सेवाएं दी गई। इसके लिए आईआईआरडी शिमला कार्यालय में लैब तकनीकि सहायक को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। आईआईआडी लैब से ब्लॉक स्तर पर 70 से अधिक टेस्ट कराने की सुविधा उपलब्ध है।

मिशन रीव ने ग्राम सभा में किया जागरुक

सफल किसान राम रतन ने 5 टन रीव जैविक खाद बनाकर किसानों को पेश किया उदाहरण

रीव टाइम्स : ज़िला शिमला की मशोबरा खण्ड की पंचायत चैड़ी में ग्राम सभा का आयोजन किया गया । इस ग्राम सभा में 80 लोगों ने भाग लिया । ग्राम सभा में मिशन रीव ने भी भागीदारी दी । मिशन रीव की ओर से वरिष्ठ ऑपरेशनल प्रमुख मिशन रीव गौरव द्विवेदी, कृषि प्रमुख हरीश गोदरा, पंचायत सहायक रीव पंकज जिल्टा और अतिरिक्त ब्लॉक कोओर्डिनेटर अंकुश नगराईक ने भाग लिया । इस अवसर पर ग्राम पंचायत में किसानों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई । रीव जैविक खाद निर्माण, मोबाईल लैब, स्वास्थ्य स्लेट आदि पर विस्तार से चर्चा की गई । इस अवसर पर रीव जैविक खाद में किसान राम रतन ने 5 टन की खाद बनाकर अन्य किसानों के लिए उदाहरण पेश किया । किसान राम रतन ने बताया कि रीव जैविक खाद को बनाने में सबसे कम समय और लागत आई है तथा इसके परिणाम बेहद अच्छे रहे हैं । खाद के नमूने व इनकी सफलता देखकर कई किसानों को रीव जैविक खाद को बनाने के लिए प्रेरित किया। रीव ऑपरेशनल प्रमुख गौरव द्विवेदी ने मिशन रीव की विभिन्न योजनाओं पर जानकारी दी जिनमें रीव जैविक खाद निर्माण, कैटल फीड सप्लिमेंट, मृदा परीक्षण, स्वास्थ्य स्लेट एवं मोबाइल लैब आदि शामिल हैं । इस ग्राम सभा में ग्राम पंचायत प्रधान मंजु वर्मा, उप–प्रधान भूवनेश्वर शर्मा भी उपस्थित थे और उन्होंने मिशन रीव के उत्पादों की सराहना की । इस अवसर पर रीव कैटल फीड सप्लिमेंट लोगों को वितरित किए गए ।

स्पीति के दूर दराज के क्षेत्रों में वरदान बनी रीव स्वास्थ्य सेवाएं

टीम रीव, स्पीति

मिशन रीव के तहत स्वास्थ्य स्लेट से लोगों को उनके घर पर ही टेस्ट सुविधा प्रदान की जा रही है। मिशन रीव के तहत स्वास्थ्य स्लेट दूर दराज के गांवों में लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है।

इन स्वास्थ्य स्लेट के जरिए मिशन रीव के प्रतिनिधि उन गांवों में जाकर प्रारंभिक टेस्ट की सुविधा दी जा रही है जहां से अस्पताल पहुंचने में भी लोगों को आठ से दस दिन लग जाते हैं।

हाल ही में काजा ब्लॉक की किब्बर पंचायत में लोगों के घरों में जाकर स्वास्थ्य स्लेट के माध्यम से उनके स्वास्थ्य की जांच की गई। मिशन रीव के तहत की जा रही इस स्वास्थ्य जांच की स्थानीय लोगों ने खासकर बुजुर्गों ने काफी सराहना की।

पंचायत फेसिलिटेटर नीना डोलमा ने बताया कि काजा में कई स्थानों पर लोगों को काफी लंबी दूरी तय कर टेस्ट करने जाना पड़ता हैं। बरसात में रास्ते खराब होने से मुश्किलें और भी बढ़ जाती है।

ऐसे में स्वास्थ्य स्लेट से लोगों को काफी लाभ मिल रहा है क्योंकि साधारण टेस्ट उनके घर पर ही हो जाते हैं और इन टेस्ट के आधार पर चिकित्सकों के परामर्श लेकर स्वस्थ रहने के टिप्स भी लोगों को दिए जा रहे हैं और जरूर पड़ने पर दवाएं भी उपलब्ध करवाई जा रही है।

इसके चलते गांव में लोगों को काफी राहत है क्योंकि लोगों को बेसिक टेस्ट कराने के लिए शहरों में अस्पतालों के चक्कर नहीं काटने पड़ते।

स्वास्थ्य स्लेट से टेस्ट करवाने के बाद लोग अपने स्वास्थ्य को लेकर काफी जागरूक हो गए है।

स्वास्थ्य स्लेट के लाभ

स्वास्थ्य स्लेट से वह सभी टेस्ट किए जाते हैं जिनसे किसी भी व्यक्ति को होने वाले रोगों के बारे में जानकारी मिल सकती है। स्वास्थ्य स्लेट से एचबी, बीपी और शुगर समेत अन्य टेस्ट किए जाने की सुविधा है।

जैविक खाद बनाने का दिया प्रशिक्षण आसान हुई जैविक खेती की राह

निशुल्क प्रशिक्षण से सैंकड़ों किसानों को लाभ

टीम रीव, सोलन

मिशन रीव के तहत सोलन की विभिन्न पंचायतों में जैविक खाद बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इतना ही नहीं अगर किसान जैविक खाद बनाकर उसकी बिक्री करना चाहते हैं तो आईआईआरडी की ओर से चलाए जा रहे मिशन रीव के द्वारा उनसे वह खाद खरीद कर मुनाफा कमाने का अवसर भी दिया जा रहा है। अभी तक सोलन जिला की ही विभिन्न पंचायतों में सौ से अधिक किसानों को जैविक खाद बनाने का निशुल्क प्रशिक्षण मिशन रीव के तहत लोगों को दिया जा रहा है। हाल ही में तीन पंचायतों के 10 गांवों में लोगों को जैविक खाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इसमें बीडीएम एग्रीकल्चर हरीश गोदारा ने लोगों को जैविक खाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। सोलन ब्लॉक के खोतोन गांव में रामस्वरूप, अजय और रामेश्वर ने मिशन रीव से ही प्रशिक्षण प्राप्त कर जैविक खाद के करीब तीन हजार बैग तैयार कर दिए हैं।

लोग मिशन रीव के इस प्रयास से काफी खुश है। स्थानीय लोगों नरेश कुमार, दुर्गा सिंह, चैन सिंह व अन्य का कहना है कि उन्होंने अभी तक जैविक खाद के बारे में कई बार सुना था लेकिन यह कैसे बनती है, इसकी जानकारी उन्हें नहीं थी। ऐसे में मिशन रीव के प्रतिनिधियों ने गांव के लोगों को खाद बनाने का निशुल्क प्रशिक्षण देकर बेहतरीन कार्य किया है। इसका सबसे बड़ा लाभ तो यह है कि लोगों को प्रशिक्षण लेने के लिए शहर नहीं जाना पड़ेगा और न ही सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ेंगे। अगर किसी व्यक्ति को इस विषय में कुछ पूछना है तो आईआईआरडी के पंचायत फेसिलिटेटर अपनी ही पंचायत में उपलब्ध हैं जो मिशन रीव के तहत सेवा प्रदान करने को तैयार रहते हैं।

लोगों के घर पहुंची स्वास्थ्य सुविधाएं

टीम रीव, ऊना

पंचायत फेसिलिटेटर और स्वास्थ्य स्लेट सेवक सुखदेव की ओर से विभन्न गांवों में जाकर मिशन रीव के बारे में लोगों को जागरूक किया गया। सुखदेव ने बताया कि लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने के लिए घर से दूर न जाना पड़े इसके लिए मिशन रीव दिन रात कार्य कर रहा है।

इस कड़ी में गाँव करवालियाँ सन्हाल में मिशन रीव कि तरफ से स्वास्थ्य स्लेट कैंप का आयोजन किया गया। इसमें लोगों का बी पी ,शुगर, आदि टेस्ट किये गए जिसमें अधिकतर लोगों को बीपी हाई और शुगर की मात्रा ज्यादा पाई गई उनको चिकित्सक से जांच कराने की सलाह दी गई ।

लोगों में पूर्व बी डी सी सदस्य ओम प्रकाश,दया राम, पानो देवी, दौलत राम, चौन्चला देवी, रीना देवी, पूर्व पंच रिंकू, हेम राज आदि ने कहा है कि मिशन रीव लोगों को भलाई के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने मिशन रीव की काफी सराहना की।

ऊना में द रीव टाइम्स बना जनता की आवाज

टीम रीव, ऊना

ऊना ज़िला में पाक्षिक समाचार पत्र द रीव टाइम्स को खूब सराहना मिल रही है । बलॉक ऊना में समाचार पत्र को घर–घर तक पहुंचाने का जिम्मा मिशन रीव के स्वयंसेवियों ने उठाया है । द रीव टाइम्स ज़िले के किसानों, युवाओं, महिलाओं और हर छोटी–बड़ी समस्याओं को प्रमुखता के साथ उठा रहा है तथा जन–जन की आवाज़ बन रहा है । इस समाचार पत्र में सभी वर्गों की समस्याओं और उनके निदान पर प्रशासन एवं सरकार के साथ समाधान की ओर प्रयास किया जा रहा है और इसी के तहत ज़िला ऊना को समाचार पत्र में अलग स्थान दिया गया है ।

किसानों को दी जैविक खेती के लाभ की जानकारी

टीम रीव, ऊना

विकास खण्ड बंगाणा मिशन रीव के तहत बल्ह पंचायत के गांव में परनॉलियाँ सनहाल में जैविक खाद बनाने की जानकारी दी गई। इस दौरान मिशन प्रतिनिधियों ने किसानों को जानकारी दी कि कैसे जैविक खाद लोग खुद तैयार कर सकते हैं और कैसे रासायनिक खाद के दुष्प्रभावों से खेतों को बचाया जा सकता है।

स्थानीय लोगों कर्म चन्द, गरीब दास, सुमित कुमार, पुरषोत्तम चन्द, राजेश कुमार, दविंदर कुमार ,शकुंतला देवी, राकेश कुमार, रोशनी देवी, शुभ लता, भावना देवी, आदि ने मिशन रीव के इस कार्य की सराहना की।

आसानी से हो रहे सभी काम

मिशन रीव से गांवों में आसान हुआ जीवन

टीम रीव, सिरमौर

पहले बिल जमा कराने के लिए लंबी लाइनों में लगना पड़ता था, बाकि के काम रह जाते थे। सिलेंडर बुक कराने और लाने की भी परेशानी रहती थी। लेकिन जब से मिशन रीव के सदस्य बने तब से मिशन रीव के प्रतिनिधि ही हमारे सारे काम कर देते हैं। राजगढ़ के दौलत राम का कहना है कि पहले छोटे–छोटे घरेलु काम जैसे बिजली का बिल जमा करना, बीज खरीदना, गैस सिलेंडर बुक कराना, ये काम खुद ही करने पड़ते थे लेकिन अब मिशन रीव ही यह सारे काम कर देता है। रीव प्रतिनिधि जरूरतों के अनुसार सभी काम समय पर पूरा करके देते हैं। इससे परेशानी कम हो गई है और समय की बचत भी हो गई है।

दौलत राम की तरह ही जिला सिरमौर में काफी लोग मिशन रीव के तहत सेवाओं का लाभ ले रहे हैं। मिशन रीव के तहत स्वास्थ्य, कृषि, बागवानी और पशुपालन से संबंधित विभिन्न तरह के उत्पाद भी लोगों के घरों तक पहुंचाए जा रहे है। इनके लिए पहले लोगों को शहरों की दौड़ लगानी पड़ती थी।

अपने गांव में ही रोजगार का मौका

गांवों में विकास का पर्याय बना मिशन रीव

टीम रीव, सिरमौर

सिरमौर ज़िले में मिशन रीव के तहतकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों पर सेवाऐं प्रदान की जा रही है। सेवाओं के साथ ही मिशन रीव ग्रामीण क्षेत्र में युवाओं को रोजगार देने के सबसे बड़े मिशन की ओर अग्रसर है।

ज़िले के अभी तक करीब अनेक बेरोजगारों को रोजगार से जोड़ा जा चुका है तथा वे सभी ग्रामीण स्तर, खण्ड स्तर एवं ज़िला स्तर पर अपनी सेवाऐं प्रदान कर रहे हैं। अभी भी यह प्रक्रिया जारी है।

जैविक खेती को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से ज़िला में विभिन्न पंचायतों में जैविक खाद निर्माण का प्रशिक्षण दिया गया । इससे किसानों में रासायनिक खाद को छोड़कर जैविक खाद बनाने व उपयोग करने की प्रक्रिया को अपनाने के लिए आत्मनिर्भरता बढ़ी है। पंचायतों में फेसिलिटेटर पंचायत से संपर्क कर गांव–गांव जाकर लोगों से सीधा संपर्क साध रहे हैं और उनकी समस्याओं को जानकर उनका निवारण भी कर रहे हैं। लोगों की मांग पर कम कीमत में फूलों का बीज, मटर तथा मक्की का बीज लागों को उनके घर पर ही प्रदान किया गया।

ऑनलाइन सेवाओं के बारे में आम ग्रामीणों को निरंतर जागरुक किया जा रहा है तथा किस प्रकार ऑनलाइन बिजली के बिल, टेलिफोन एवं अन्य बिलों का भुगतान अपने मोबाइल से ही घर बैठे कर सकते हैं, इसकी जानकारी विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से दी जा रही है । मिशन रीव से गांव में लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ा जा रहा है ।

मिशन रीव से घर-घर पहुंच रहा जरूरत का सामान

टीम रीव, ऊना

मिशन रीव के माध्यम से लोगों को उनके घरों पर ही जरूरत का सामान उपलब्ध करवाया जा रहा है। इससे लोगों के समय और पैसे, दोनों की ही बचत हो रही है।

लोगों की समस्याओं को जानने और उनका निवारण करने के लिए मिशन रीव के तहत पंचायत में तैनात प्रतिनिधियों द्वारा विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। हाल ही में ऊना की कुछ पंचायतों में इसी तरह के शिविर का आयोजन किया और लोगों को मिशन रीव के तहत उपलब्ध कराए जा रहे एनीमल फूड सप्लीमेंट की जानकारी दी गई। इसके साथ ही लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए विभिन्न तरह का सामान उनके घरों तक मिशन रीव के प्रतिनिधियों द्वारा पहुंचाया गया।

इस दौरान लोगों ने पशुधन के माध्यम से आर्थिकी मजबूत करने पर चर्चा की और मिशन रीव के तहत एनीमल फूड सप्लीमेंट उपलब्ध कराने की मांग की। इसके बाद उन्हें फीड सप्लीमेंट भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं जिसके काफी बेहतर परिणाम सामने आ रहे।

इसके अलावा इन क्षेत्रों में रोजमर्रा की जरूरत का सामान जैसे साबुन, कॉकरी, शैंपू आदि भी लोगों को घरों तक पहुचांया जा रहा है।

फीड सप्लीमेंट से पशुधन में सुधार

टीम रीव, सोलन

मिशन रीव के तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों में पशुधन को बढ़ावा देकर पशुपालकों को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। हाल ही में मिशन रीव के तहत पंचायतों में पशुपालकों को कैटल फीड सप्लीमेंट उपलब्ध कराई जा रही है। इस उत्पाद के बेहतरीन और सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। फीड खिलाने वाले कुछ पशुपालकों से मिशन रीव की ओर से बात की गई तो पशुपालकों ने बताया कि फीड से दुधारू पशुओं में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिले हैं। कंडाघाट निवासी रती राम ने बताया कि उन्होंने इसी फीड को नियमनुसार अपनी दूध देने बाली भैंस को दिया चार–पांच दिन खिलाया। इसके बाद उन्होने मिशन रीव को बताया कि कुछ ही दिनों के भीतर दूध में फैट और मात्रा में बढ़ोत्तरी हुई हुई है।

रतीराम ने मिशन रीव की सहराना की और कहा कि मिशन रीव एक बेहतरीन प्रयास है क्योंकि इसमें गाँव के लोगों को घर पर ही सुविधायें मिल रही है।

कृषि, पशुपालन और रोजमर्रा की जरूरतें हुई पूरी

टीम रीव, कांगड़ा

कांगड़ा में मिशन रीव धीरे–धीरे लोगों के जीवन का अहम हिस्सा बनता जा रहा है। बात स्वास्थ्य जांच की हो, रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने की हो या खेतीबाड़ी की, रीव हर क्षेत्र मे एक सहयोगी की तरह लोगों की जरूरतो को पूरा कर रहा है।

मिशन रीव के तहत कांगड़ा में पिछले 15 दिनों के भीतर करीब 25 पंचायतों में सस्ता राशन लोगों के घरों तक पहुंचाया गया। मिशन रीव की इस पहल से इन पंचायतों के 250 परिवार लाभान्वित हुए हैं।

लंबागांव ब्लॉक की जयसिंहपुर पंचायत की निवासी निर्मला देवी का कहना है कि मिशन रीव की इस पहल से उनके मासिक खर्च में तीस फीसदी तक कमी आई और समय की बचत हुई सो अलग। इसी तरह अन्य लोगों को कहना है कि अब तो दुकान और बाजार जाने का झंझट ही समाप्त हो गया है।

कैटल फीड सप्लीमेंट के भी बेहतर परिणाम

रोजमर्रा की जरूरतों के साथ ही पशुधन के लिए भी मिशन रीव बेहतरीन साबित हो रहा है। मिशन रीव के तहत उपलब्ध कराए जा रहे कैटल फीड सप्लीमेंट से पशुपालक काफी खुश हैं। बंदाहू पंचायत के कुलदीप चन्द पेशे से दुग्ध व्यवसायी है और उन्होंने इस फीड को बेहतर बताया और जैविक खाद बनाने के अभियान की भी जमकर सराहना की।

कुलदीप की तरह ही जिला कांगड़ा में अनेक पशु व्यवसायी मिशन रीव के तहत उपलब्ध करवाए जा रहे कैटल फीड सप्लीमेंट अपने पशुओं को दे रहे हैं।

कृषि, किसानों के लिए चलेगा संपर्क अभियान

कृषि व्यवसाय की संभावनाओं के बारे में जानकारी देने के लिए लंबागांव और पंचरूखी के खंड समन्यक अपने अपने ब्लॉक की तरफ से कृषि विभाग के विषय वस्तु विशेषज्ञ से मिले। इसके बाद लोगों को कृषि योजनाओं की जानकारी दी गई।

- 25 पंचायतों के 250 परिवार हुए लाभान्वित
- जल्द शुरू होगा संपर्क अभियान

लोगों से बात करने के दौरान पाया गया कि गांव के अधिकतर लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी नहीं है। इसके चलते उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

लोगों की इसी समस्या को सुलझाने के लिए जल्द ही मिशन रीव की ओर से संपर्क अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के दौरान किसानों को मिशन रीव अपने स्तर पर सरकारी योजनाओं की जानकारी देगा और किसानों की जरूरत के मुताबिक इन योजनाओं का लाभ लेने में मदद करेगा।

इसके अलावा भी मिशन रीव विभिन्न क्षेत्रों में लोगों की सहायता कर रहा है, जैसे शॉप लाइसेंस बनाना, हैल्थ कार्ड बनाना, प्रमाण पत्र लेना आदि। रीव के इस प्रयास की ग्रामीण खूब सराहना कर रहे हैं।

घर पर ही मिल रहा जरूरत का सामान

टीम रीव, बिलासपुर

मिशन रीव के तहत लोगों को गांवों में ही उनके घर पर जरूरत का वह सामान पहुंचाया जा रहा है जिसके लिए पहले उन्हें कई किलोमीटर का सफर तय करके बाजार

- घर पर ही सामान मिलने से आसान हुआ गांवो में जीवन

जाना पड़ता था।

ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की जरूरतों को जानने के लिए मिशन रीव के प्रतिनिधी विशेष बैठकों का आयोजन कर उनको मिशन रीव के तहत गांवों में दी जा रही विभिन्न सेवाओं के बारे में भी जानकारी दी जा रही है।

इसके बाद लोगों को उनकी जरूरत के हिसाब से सामान उपलब्ध करवाया गया। इसमें कॉकरी, डिटर्जेंट, शैंपू समेत अन्य सामान आदि शामिल हैं।

रोजमर्रा के अलावा पशुधन और कृषि से संबंधित विभिन्न उपकरण भी मिशन रीव के तहत उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

हमीरपुर में स्वास्थ्य स्लेट से स्वास्थ्य देखभाल

घर पर ही टेस्ट सुविधा मिलने से ग्रामीणों को राहत

टीम रीव, हमीरपुर

मिशन रीव के तहत स्वास्थ्य स्लेट से लोगों को उनके घर पर ही टेस्ट सुविधा प्रदान की जा रही है। इसके चलते गांव में लोगों को काफी राहत है क्योंकि लोगों को बेसिक टेस्ट कराने के लिए शहरों में अस्पतालों के चक्कर नहीं काटने पड़ते।

स्वास्थ्य स्लेट से टेस्ट करवाने के बाद लोग अपने स्वास्थ्य को लेकर काफी जागरूक हो गए है। हमीरपुर के 70 वर्षीय बालक राम का कहना है कि अब उन्हें हर माह अस्पताल नहीं जाना पड़ता और उनका शुगर और बीपी का टेस्ट घर पर ही हो जाता है। इसे उन्होंने काफी राहत महसूस की है।

लोगों को जागरूक कर रहे मिशन प्रतिनिधि

योजनाओं की जानकारी से लाभ उठा रहे लोग

टीम रीव, हमीरपुर

जानकारी न होने और दस्तावेजी पेजिदगियों के चलते अक्सर सरकारी योजनाओं का लाभ उन लोगों को नहीं मिल पाता जिन लोगों के लिए ये योजनाएं बनाई जाती है। ऐसे में न तो सरकार अपने लक्ष्य को पूरी तरह प्राप्त कर पाती है और न ही लोगों को योजनाओं का लाभ मिल पाता है। समाज कल्याण की राह में रोड़ा बन रही इन समस्याओं का निवारण करने में आईआईआरडी का मिशन रीव अहम भूमिका निभा रहा है। दरअसल रीव सरकार और आम जनता के बीच खाई को पाटने में एक मजबूत कड़ी बनता जा रहा है। जिला हमीरपुर में मिशन रीव के तहत ऐसे कई उदाहरण है। लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष तौर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में मिशन रीव के तहत दी जा रही विभिन्न सेवाओं के बारे में लोगों को जानकारी देने के साथ ही उन्हें अन्य सरकारी योजनाओं की भी जानकारी दी जा रही है जिनका फायदा व कृषि और अन्य व्यवसाय में हो सकता है।

- सरकारी योजनाओं की जानकारी भी लोगों तक पहुंचा रहा मिशन रीव

इसी तरह के शिविर का आयोजन हाल ही में भद्रू पंचायत व नादौन ब्लॉक की अन्य पंचायतों में भी किया गया और लोगों की समस्याओं को जानने के साथ ही उन समस्याओं को सुलझाने के उपाय भी लोगों को बताए गए।

इसके अलावा मिशन रीव के प्रतिनिधियों की ओर से लोगों की जरूरत के मुताबिक घर बनाने के लिए श्रमिक, निशुल्क स्वास्थ्य जांच, जीएसटी नंबर, जैविक खाद बनाने का प्रशिक्षण, राशन कार्ड में नाम जोड़ने, कार लेने, बीएसएनएल का कनेक्शन दिलाने, बाइक, कार और घर का इंशोरेंस करने जैसी सुविधाएं भी दी जा रही है।

लोगों के घरों तक पहुंचाया जा रहा सामान

टीम रीव, हमीरपुर

हमीरपुर के बिझड़ी में लोगों ने कृषि विकास के लिए योजनाएं तो बनाई लेकिन इन योजनाओं को पूरा करने का जरिया उनके पास नहीं था।

कृषि में प्रयोग होने वाले विभिन्न उपकरणों को कहां और कैसे प्राप्त किया जाए, इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। लोगों की इसी समस्या को दूर करने के लिए मिशन रीव के तहत लोगों की जरूरतों को पहचाना गया बल्कि उनकी जरूरतों को पूरा भी किया जा रहा है। इसी कड़ी में इसके लिए मिशन रीव के तहत पंचायत में तैनात आईआईआरडी के प्रतिनिधि विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

हाल ही में बिझड़ी ब्लॉक में पानी के ड्रमों का वितरण किया गया। यह ड्रम बाजार से बेहद कम दाम पर लोगों के घरों तक पहुंचाए गए। मिशन रीव के इस प्रयास की ग्रामिणों की ओर से भी खूब प्रशंसा की जा रही।

ग्रामिणों का कहना है कि इससे पहले ऐसा कोई नहीं था तो घर तक आकर जरूरत का सामान पहुंचाकर दे। लेकिन अब मिशन रीव

- रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ लोगों को जागरूक भी कर रहा है मिशन रीव

के तहत यह काम किया जा रहा है जिससे गांव का जीवन भी आसान हो गया है। अपने स्तर पर सुविधाएं देने के अलावा मिशन रीव के तहत सरकारी योजनाओं की जानकारी और उन योजनाओं का लाभ कैसे उठाया जा सकता है इस बारे में भी मिशन रीव के तहत लोगों को अवगत करवाया जा रहा है।

कांगड़ा में जल्द खुलेगा तीसरा जैनेरिक स्टोर

टीम रीव, कांगड़ा

कांगड़ा के दो स्थानों पर हाल ही में दो जनऔषधि केंद्रों का लोकापर्ण किया गया है। बनूरी और नूरपूर में प्रधानमंत्री जनऔषधि केंद्र खोले जा चुके हैं। जल्द ही पंचरूखी में भी केंद्र खोला जाएगा ताकि लोगों को सस्ती दवाइयां मिल सके।

बनूरी और नूरपुर में खोले गए इन जनऔषधि केंद्रो पर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को सस्ते दामों पर बेहतर क्वालिटी की दवाईयां उपलब्ध कराई जा रही है जिससे ग्रामीण क्षेत्रों तक भी सस्ती दवाईयां आसानी से पहुंच रही है। इससे पहले लोगों को सस्ती दवाओं के लिए शहरों में भटकना पड़ता था।

आईआईआरडी स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर कार्य कर रहा है। इसी कड़ी में ब्यूरो ऑफ फार्मा पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स ऑफ इंडिया (बीपीपीआई) की ओर से आईआईआरडी को हिमाचल में तीन सौ जनऔषधि चलाने की अनुमति प्रदान की गई है।

इसी के तहत कांगड़ा में भी केंद्र खोले गए

- बाजार से सस्ती दवाईयां अब गांवों में ही मिलने से आसान हुई स्वास्थ्य देखभाल

हैं और यहां पर लोगों को असानी से सस्ती दवाईयां उपलब्ध हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है इन केंद्रों के खुलने से इलाज पर होने वाला खर्च लगभग आधा हो गया है तथा इस तरह के केंद्र सभी स्थानों पर खुलने चाहिए जिससे लोगों को सस्ती और गुणवत्ता वाली दवाईयां आसानी से मिल सके।

पंचायत फेसिलिटेटर को विशेष प्रशिक्षण

टीम रीव, हमीरपुर

ग्रामीणों को सेवाएं देने के लिए आईआईआरडी की ओर से पंचायत फेसिलीटेटर की नियुक्ति की गई है। ये पीएफ मिशन रीव के तहत गांव के लोगों की जरूरतों को पहचान कर उन जरूरतों के मुताबिक सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। इसके लिए संस्थान की ओर से समय समय पर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाता है। हमीरपुर में हाल ही में इन प्रतिनिधियों के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें शिमला कार्यालय से विशेषज्ञों को विशेष तौर पर आमंत्रित किया गया था। इस दौरान पीएफ को विभिन्न कृषि योजनाओं और ऑनलाइन सर्विसेज प्रदान करने की तकनीकि जानकारी प्रदान की गई ताकि लोगों को ऑनलाइन सुविधाएं प्रदान की जा सके और साथ ही कृषि योजनाओं की जानकारी भी वह ग्रामिणों तक पहुंचा सके।

इस बीच ग्रामीणों को पैन कार्ड बनाने और अन्य कागजी दस्तावेजों को तैयार करने में भी ये पीएफ महत्पूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

मिशन हैड ने किया पांच जिलों का दौरा

जनऔषधि केंद्रों का किया निरीक्षण

टीम रीव

मिशन रीव के तहत मिशन हैड एनके शर्मा द्वारा प्रदेश के 5 जिलों का दौरा किया गया। इस दौरान उन्होंने मिशन रीव के तहत लोगों को मुहैया करवाई जा रही सेवाओं का जायजा लिया और मिशन रीव द्वारा संचालित जनऔषधि केन्द्रो का निरीक्षण भी किया। मिशन हैड ने औषधियों की सप्लाई के बारे में जायजा लिया और आपूर्ति को लेकर पेश आ रही समस्याओं को सुलझाने के लिए केंद्र संचालकों के साथ विचार विमर्श भी किया।

इस दौरान उन्होंने फील्ड टीम के साथ जन औषधि स्टोर की जानकारी हर पंचायत तक पहुंचाने के लिए कार्ययोजना को लेकर भी संचालकों से बात की। इस फील्ड विजिट मे स्टेट कोआर्डिनेटर सुरेंद्र कुमार ने भी हिस्सा लिया । उन्होंने फील्ड टीम को मिशन रीव के विभिन्न डिवीजन के माध्यम से दी जा रही सेवाओं और भविष्य मे आ रही योजनाओं एवं सेवाओं के बारे में जानकारी दी, इसके साथ ही सुरेंद्र ने वर्तमान सेवाओं को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचने का आह्वान किया। इन बैठकों मे भविष्य की विस्तार तथा

मिशन रीव सेवाओं का लिया जायजा

भर्ती योजनाओं के बारे भी जानकारी दी गई जहां मिशन रीव को लगभग 6 हजार युवाओं की आवश्यकता होगी। इसके लिए रोजगार एवं भर्ती प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जा रही है।

मिशन रीव से आसान हुआ दूरदराज के गांवों में जीवन

कुल्लू में घर-घर मिल रही सेवा

टीम रीव, कुल्लू

हिमाचल में आज भी कई ऐसे गांव हैं जहां लोगों को बाजार तक पहुंचने के कई किलोमीटर का लंबा सफर तय करना पड़ता है। अधिकतर लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी भी नहीं मिल पाती।

इसी समस्या को दूर करने के लिए मिशन रीव के तहत लोगों की जरूरतों को पहचाना गया बल्कि उनकी जरूरतों को पूरा भी किया जा रहा है। इसी कड़ी में मिशन रीव के तहत पंचायत में तैनात आईआईआरडी के प्रतिनिधि विशेष शिविरों का आयोजन कर रहे हैं। हाल ही में जगातसुख के भनारा गांव में इसी तरह के शिविर का आयोजन किया और लोगों को मिशन रीव के तहत उपलब्ध कराए जा एनीमल फूड सप्लीमेंट की जानकारी दी गई। इसके साथ ही लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए विभिन्न तरह का सामान उनके घरों तक मिशन रीव के प्रतिनिधियों द्वारा पहुंचाया गया। इस मौके पर लोगों ने पशुधन के माध्यम से आर्थिकी मजबूत करने पर चर्चा की और मिशन रीव के तहत एनीमल फूड सप्लीमेंट उपलब्ध कराने की मांग की। इसके बाद उन्हें सप्लीमेंट भी उपलब्ध कराए जा रहे

कृषि और पशुधन में हुआ सुधार

हैं जिसके काफी बेहतर परिणाम सामने आ रहे हैं। पशुपालकों का कहना है कि मिशन रीव के तहत एनीमल फूड सप्लीमेंट से पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है और दूध की गुणवत्ता में भी सुधार हो रहा है। इसके अलावा इन क्षेत्रों में रोजमर्रा की जरूरत का सामान जैसे साबुन, क्रॉकरी, शैंपू आदि भी लोगों को घरों तक पहुचांया जा रहा है।

लोगों को दी स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी

टीम रीव, मण्डी

रिवालसर में मिशन रीव के स्वास्थ्य सेवक हिमा देवी और खंड समन्वयक रजनीश शर्मा की ओर से स्थानीय लोगों की समस्याओं को जानने और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए जनरल हाउस का आयोजन किया गया।

इस दौरान लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं तथा अन्य सेवाओं की जानकारी से अवगत करवाया गया। इस दौरान मिशन रीव के तहत टेस्टिंग मशीन स्वास्थ्य स्लेट के बारे में जानकारी दी। मिशन रीव स्वास्थ्य जांच के साथ साथ घर द्वार पर सस्ती दवाएं भी उपलब्ध करवा रहा है, इस बारे में भी लोगों को बताया गया। मंडी में दो जनऔषधि केंद्रों का लोकार्पण भी किया जा चुका है जिस में से एक छतरी मे और दूसरा बल्ह में मेडिकल कॉलेज के सामने ही स्थित है।

हैल्थ कैंप में तीन सौ से अधिक का स्वास्थ्य जांचा

गांव में ही टेस्ट सुविधा मिलने से ग्रामीण खुश

टीम रीव, चम्बा

चंबा के दूरदराज के गांवों में अक्सर लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ लेने के लिए दो–दो दिन का सफर तय कर अस्पताल तक पहुचंना पड़ता है। चंबा की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच लोगों को उनके घर पर ही स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने का जिम्मा मिशन रीव ने उठाया है। आईआईआरडी की ओर से चलाए जा रहे मिशन रीव के तहत चंबा के दूर–दराज के गांवों में स्वास्थ्य स्लेट के माध्यम से लोगों के घर पर ही टेस्ट कराने की सुविधा प्रदान की जा रही है। इस सुविधा के मिलने से लोगों को परेशानियों का सामना कर बड़े अस्पतालों की दौड़ नहीं लगानी पड़ रही है।

स्वास्थ्य स्लेट जांच शिविरों का भी आयोजन किया जा रहा है। हाल ही में तीसा ब्लॉक में इस तरह के शिविर लगाए गए। इसके आधार पर लोगों को रिपोर्ट भी उनके घर पर ही उपलब्ध करवाई जा रही है। इसके बाद अगर कोई व्यक्ति अस्पताल जाकर चिकित्सीय परामर्श चाहता है तो उसमें भी उस व्यक्ति की सहायता की जा

- **टेस्ट के साथ ही दवाईयां भी मिल रही घर पर**
- **बुजुर्गों की स्वास्थ्य देखभाल भी हुई आसान**

रही है। साथ ही दवाईयां भी घर तक पहुंचाने की सुविधा मिशन रीव लोगों को दे रहा है। इससे ग्रामीणों खासकर बुजुर्गों को स्वास्थ्य की देखभाल करने में काफी आसानी हो रही है।

किसानों की जरूरतों को पूरा करता मिशन रीव

टीम रीव, चम्बा

जिला चंबा के ब्लॉक सलूनी में मिशन रीव ने पहचान बनाई है । इसमें अनुभवी लोगों को पंचायत फेसिलिटेटर के रूप में चयनित किया गया और सभी को प्रशिक्षण दिया गया । इसमें ब्लॉक सलूणी की पंचायत से बलदेव ने पंचायत के हर घर जाकर लोगो की आवश्कताओं का आकलन किया और पाया की सभी लोगो को उच्च गुणवत्ता के बीज की जरूरत है । इसके लिए उन्होंने ब्लाक कोआर्डिनेटर, सहायक कोआर्डिनेटर के माध्यम से अपनी आवाज मिशन रीव सचिवालय तक भेजी और मिशन रीव द्वारा तुरंत इसका समाधान किया गया व 500 किलो मटर का बीज बाजार से कम दाम पर उपलब्ध करवाया । इसके इलावा अन्य पंचायत फेसिलिटेटर द्वारा लोगों की रोजमर्रा वस्तुओं को भी घर–घर जाकर लोगों को वितरित की जिसके कारण मिशन रीव की सेवाएं लोगों को भा रही है ।

स्वतंत्रता दिवस के बारे में रोचक तथ्य

प्रत्येक वर्ष 15 अगस्त के दिन देश के प्रधानमंत्री लाल किले पर देश का झंडा फहराते हैं ।

लेकिन देश के पहले स्वतंत्रता दिवस पर भारत के पहले प्रधानमंत्री पं जवाहर लाल नेहरू ने लाल किले पर तिरंगा 16 अगस्त 1947 को फहराया था ।

15 अगस्त 1947 को भारत के लगभग 32 करोड लोगों ने आजादी का सूरज देखा था ।

लेकिन जश्न के साथ–साथ इस दिन दुख की एक बात थी और वो थी भारत का विभाजन होना ।

भारत के दो हिस्से हो गये थे एक था भारत और दूसरा था पाकिस्तान

अंतिम वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन ने 15 अगस्त के दिन को भारत की आजादी का दिन कहा था

भारत को अंतिम वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन को भारत और पाकिस्तान दोनों देशों के स्वतंत्रता कार्यक्रम में शामिल होना था ।

इसलिए वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन ने पाकिस्तान का स्वतंत्रता दिवस 14 अगस्त तथा भारत का स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के रूप में घोषित किया था

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं जवाहर लाल नेहरू ने अपना प्रसिद्ध भाषण 'ट्रिस्ट विद डेस्टिनी' (Trieste With Destiny) 14 अगस्त की मध्यरात्रि को दिया था जबकि वे देश के पहले प्रधानमंत्री 15 अगस्त की सुबह बने थे ।

पंडित जवाहर लाल नेहरु के मध्य रात्रि के भाषण को पूरी दुनिया ने सुना पर महात्मा गांधी ने नहीं ....क्योंकि उस रात्रि वो 9 बजे सोने चले गए थे ।

भारत और पाकिस्तान के मध्य सीमा रेखा 15 अगस्त तक नहीं थी, यह 17 अगस्त को रेडक्लिफ लाईन के रुप में खींची गई ।

अमेरिका को आज़ाद हुए 241 वर्ष हो गए जबकि भारत को अभी मात्र 70 वर्ष ।

प्रत्येक वर्ष 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से ध्वजारोहण होता है, बस एक बार 1947 को ऐसा हुआ जब पं0 जवाहर लाल ने 16 अगस्त को ध्वजारोहण किया ।

15 अगस्त 1947 को 1 रूपया एक डॉलर के बराबर था और सोने का भाव 88 रूपये 10 पैसे प्रति 10 ग्राम था ।

भारत देश का तिरंगा सबसे पहले 22 अगस्त, 1907 को भीकाजी कामा ने जर्मन में फहराया था लेकिन इस तिरंगे में और भारत के राष्ट्रीय ध्वज में थोड़ा अंतर था ।

भिकाजी कामा के झंडे में सबसे ऊपर हरा रंग, बीच में सुनहरा केसरी और सबसे नीचे लाल रंग था इस झंडे पर 'वंदे मातरम' लिखा था ।

देश की आजादी स्थिर रहे इसके लिए डां राजेन्द्र प्रसाद ने उज्जैन के ज्योतिष सूर्यनारायण व्यास से पंचांग देखकर आजादी का मुहूर्त निकलवाया था ।

और क्या हुआ था 15 अगस्त के दिन

15 अगस्त के दिन ही भारत में युद्ध के समय वीरता का पदक वीर चक्र देने की घोषणा की गई थी ।

भारत में डाक पिन की शुरूआत 15 अगस्त 1972 को की गई थी ।

टीवी पर रंगीन प्रसारण की शुरूआत 15 अगस्त 1982 को इंदिरा गांधी के भाषण के साथ हुई थी

भारत के साथ तीन और देश भी अपना स्वतंत्रता दिवस इसी दिन को मनाते हैं :

दक्षिण कोरिया	15 अगस्त, 1945
जापान	15 अगस्त, 1945
ब्रिटेन	15 अगस्त, 1971
बहरीन	15 अगस्त, 1971
फ्रांस	15 अगस्त, 1960
कांगो	15 अगस्त, 1960

भारत का राष्ट्रगान भारतीयों द्वारा कुछ खास अवसरों पर गाया जाता है । इसकी शुरुआत "जन–गण–मन" से होती है और अन्त जय–हे, जय–हे, जय–हे जय जय जय जय–हे पर। इसे अत्यधिक संस्कृत भाषा बंगाली में लिखा गया था । वास्तविक राष्ट्रगान रबिन्द्रनाथ टैगोर द्वारा लिखा गया था जिसे बाद में आबिद अली ने हिन्दी और उर्दू में अनुवाद किया था । अली द्वारा वास्तविक राष्ट्रगान से हिन्दी संस्करण में किया गया रुपांतरण थोड़ा अलग था।

राष्ट्रगान का पूरा संस्करण गाने में 52 सेकेंण्ड का समय लगता है जबकि छोटे संस्करण के लिये (पहली और अंतिम पंक्ति) के लिये 20 सेकेंड । नेहरु जी के विशेष अनुरोध पर इसे ऑर्केस्ट्रा की धुनों पर अंग्रेजी संगीतकार हर्बट मुरिल्ल द्वारा भी गाया गया । टैगोर के द्वारा दुबारा इसका अंग्रेजी में अनुवाद किया गया । टैगोर ने बांग्लादेश का राष्ट्रगान (अमार सोनार बांगला) भी लिखा है ।

भारत के राष्ट्रगान का इतिहास

असल में राष्ट्रगान (जन–गन–मन) को रविन्द्रनाथ टैगोर द्वारा पहले बंगाली में लिखा गया था, लेकिन इसका हिन्दी संस्करण संविधान सभा द्वारा 24 जनवरी 1950 को स्वीकार किया गया । 1911 में टैगोर ने राष्ट्रगान के गीत और संगीत को रचा था और इसको पहली बार कलकत्ता में 27 दिसंबर 1911 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की मीटिंग में गाया गया था ।

राष्ट्रगान का संपूर्ण संस्करण बंगाली से अंग्रेजी में अनुवादित किया गया और इसका संगीत मदनापल्लै में सजाया गया जो कि आंध्रप्रदेश के चित्तुर जिले में है।

भारत के राष्ट्रगान का गीत

राष्ट्रगान का मूलग्रंथ बंगाली में है जो कि एक अत्यधिक संस्कृत से पूर्ण भाषा है (जिसे साधु भाषा भी कहा जाता है) । इसे पूरी तरह से संज्ञा का इस्तेमाल कर लिखा गया है जो क्रिया की तरह भी कार्य करता है । सभी के द्वारा इसका अनुवादित संस्करण आसानी से समझा जा सकता है जबकि भारत के विभिन्न क्षेत्रों में इसके उच्चारण में फर्क दिखाई पड़ता है । राष्ट्रगान के शब्द और संगीत को लयबद्ध किया है स्वर्गीय कवि रविन्द्रनाथ टैगोर ने । इसके पूरे संस्करण को गाने में 52 सेकेंण्ड का समय लगता है साथ ही इसमें 5 दोहे है ।

भारत के राष्ट्रगान जन गण मन का अर्थ

राष्ट्रगान का मौलिक संस्करण अंग्रेजी भाषा से अनुवादित किया था और 1950 में इसमें कुछ संशोधन किया गया था । सिन्ध की जगह सिन्धु किया गया क्योंकि देश के बँटवारे के बाद सिन्ध पाकिस्तान का हिस्सा हो चुका था। राष्ट्रगान का अंग्रेजी अर्थ इस प्रकार है:–

"सभी लोगों के मस्तिष्क के शासक, कला तुम हो, भारत की किस्मत बनाने वाले ।

तुम्हारा नाम पंजाब, सिन्ध, गुजरात और मराठों के दिलों के साथ ही बंगाल, ओड़िसा, और द्रविड़ों को भी उत्तेजित करता है,

इसकी गूँज विन्ध्य और हिमालय के पहाड़ों में सुनाई देती है, गंगा और जमुना के संगीत में मिलती है और भारतीय समुद्र की लहरों द्वारा गुणगान किया जाता है।

वो तुम्हारे आर्शीवाद के लिये प्रार्थना करते है और तुम्हारी प्रशंसा के गीत गाते है।

तुम्हारे हाथों में ही सभी लोगों की सुरक्षा का इंतजाम है, तुम भारत की किस्मत को बनाने वाले। जय हो जय हो जय हो तुम्हारी।"

राष्ट्रगान की आचार संहिता क्या है ?

नियमों और नियंत्रणों के समुच्चय को आचार संहिता कहते है जिसे राष्ट्रगान को गाते समय ध्यान में रखना चाहिये। इसके संबंध में भारतीय सरकार द्वारा समय–समय पर निर्देश जारी किया जाता है । राष्ट्रगान को पूरा करने का समय 52 सेकेंड है । कुछ नियम और विनियमन राष्ट्रगान को सम्मान और प्रतिष्ठा देने के लिये बनाया गया है । भारत की सरकार ने एक कानून(धारा 71, राष्ट्रीय सम्मान को ठेस पहुँचने से रोकने के लिये) लागू किया है जिसके तहत, जो कोई भी राष्ट्रगान का अपमान करेगा तो उसे जुर्माने

के साथ अवश्य सजा मिलेगी (सजा तीन साल तक हो सकती है) । यहां कुछ नियमन दिये गये है जो राष्ट्रगान को गाते समय अवश्य ध्यान में रखना चाहिये ।

इसे किसी भी उत्सव और औपचारिक राज्य के कार्यक्रम में गाया जा सकता है जब राष्ट्रपति, राज्यपाल, और उपराज्यपाल के समक्ष (सरकार और आमजन द्वारा आयोजित) परेड, राष्ट्रीय सलामी आदि संपन्न हो चुका हो। ये राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्र के नाम संबोधन के उपरान्त या पहले और राज्यपाल और उपराज्यपाल के आगमन पर गाया जा सकता है। जब नेवी में रंगों को फैलाया जाता हो और रेजीमेंट के रंगों की प्रस्तुति हो।

जब किसी खास अवसर पर कोई खास निर्देश भारतीय सरकार द्वारा दिया गया हो। आमतौर पर ये प्रधानमंत्री के लिये नहीं गाया जाता जबकि कई बार ऐसा हो भी सकता है ।

- जब ये किसी बैण्ड द्वारा गाया जाता है, राष्ट्रगान को ड्रम के द्वारा आगे रखना चाहिये या ड्रम के द्वारा 7 की धीमी गति से राष्ट्रीय सलामी संपन्न होने के बाद इसे गाया जाता है । पहला ड्रम धीमी गति से शुरु होना चाहिये और फिर इसके संभव उँचाई तक पहुँचने के बाद अपने सामान्य आवाज में जाना चाहिय ।
- किसी भी सांस्कृतिक कार्यक्रम में झंडारोहण के बाद।
- स्कूलों में सुबह के समय दिन की शुरुआत से पहले।
- राष्ट्रगान के दौरान सभी लोगों को इसके सम्मान में खड़े हो जाना चाहिये।
- 1975 में सिनेमाघरों में राष्ट्रगान को रोक दिया गया?

1975 से पहले, फिल्म के बाद राष्ट्रगान को गाने की परंपरा थी। लेकिन वहाँ पर लोगों द्वारा इसको उचित सम्मान न देने पर इस पर रोक लगा दी गयी । कुछ वर्षों बाद, फिल्मों के प्रदर्शन से पहले केरल के सरकारी सिनेमाघरों में फिर से राष्ट्रगान को बढ़ावा दिया गया । इसे विगत कुछ समय से सिनेमाघरों में फिल्मों से पहले सुनाने की अनिवार्यता की गई थी जिसे बाद में इससे हटा दिया गया ।

सरकारी नौकरियों की भरमार, केंद्र और राज्य सरकार के पास खाली पड़े हैं लाखों पद

द रीव टाइम्स ब्यूरो

सरकार ने संसद में जानकारी है कि केंद्र और राज्य सरकारों के पास नौकरियों के करीब 24 लाख पद खाली पड़े हैं। विपक्ष सरकार पर लगातार नौकरियों के कमी के आरोप लगाता रहा है। राज्यसभा में 8 फरवरी को एक सवाल के जवाब से पता चला कि 10 लाख अध्यापकों के पद, जिसमें 9 लाख प्राथमिक और 1.1 लाख माध्यमिक विद्यालयों में पद खाली पड़े हैं।

केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित सर्वशिक्षा अभियान जो राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को शिक्षा के अधिकार के तहत पर्याप्त मात्रा में अध्यापक मुहैया करवाता है, उसमें ढेर सारे पद खाली पड़े हैं। इसके अलावा पुलिस बल में 5.4 लाख से ज्यादा नौकरियां हैं जिन्हें कि भरा जाना बाकी है। 27 मार्च को लोकसभा में पूछे गए सवाल के जवाब के आधार पर पूरे देश में 4.4 लाख पुलिस के सिविल और जिला स्तर पर पद खाली पड़े हैं।

तीसरे नंबर पर भारतीय रेलवे है जिसमें 2.5 लाख पदों पर भर्तियां होना बाकी है। भारत एक ऐसा देश हैं जहां न्यायालयों पर अतिरिक्त भार है। इसी वजह से करोड़ों मामले कोर्ट में लंबित हैं। इसका कारण न्यायिक व्यवस्था में 5,800 पदों का खाली होना भी है। रक्षा सेवाओं और अर्द्धसैनिक बलों में 1.2 लाख खाली पदों पर भर्तियां होना है। फरवरी तक सरकार ने केवल 89,000 पदों पर भर्तियों के लिए अधिसूचना जारी की है। (एजेंसियां)

सरकारी नौकरी : 54000 से अधिक जवानों की भर्ती

ऐसे करें आवेदन

केंद्र सरकार जल्द ही सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, एससबी, सीआईपीएसएफ जैसे सुरक्षाबलों में इस वर्ष 54,953 पदों पर भर्ती करने वाली है। कुल 54,953 भर्तियों के लिए कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) विज्ञापन निकाला है। इन भर्तियों में 47,307 रिक्तियां

पुरुषों और 7646 महिलाओं के लिए होंगी। इनमें से सबसे अधिक 21566 पद देश के सबसे बड़े अर्द्धसैनिक बल सीआरपीएफ में कॉन्स्टेबल (जनरल ड्यूटी) के लिए होंगे ।

शैणक्षिक योग्यता : 10 कक्षा पास इन पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं।

उम्र सीमा और अन्य योग्यता : आवेदन की उम्र 18–23 साल होनी चाहिए। विज्ञापन के अनुसार इसमें वेतन 21,700–69100 के मैट्रिक्स के भीतर होगा। इन पदों के लिए कम्प्यूटर आधारित परीक्षा, शारीरिक योग्यता परीक्षा और मेडिकल जांच की जाएगी। अधिक जानकारी के लिए आप अधिकृत वेबसाइट देख सकते हैं।

कृषि का आधुनिकीकरण : समय की मांग

भारत एक कृषि प्रधान देश है । यहां 55 प्रतिशत कृषि किसान द्वारा किया जाता है और 40 प्रतिशत कृषि में तकनीक का उपयोग हो रहा है । जिस कारण उत्पादन क्षमता कम होने से किसान ग़रीबी की ओर अग्रसर हो रहा है । वहीं दूसरी तरफ अमेरिका में 2.5 प्रतिशत तथा यूरोप में मात्र 3.9 प्रतिशत कृषि कार्य किसान द्वारा किया जाता है एवं 95 प्रतिशत कार्य मशीनों द्वारा किया जाता है । कृषि को आधुनिकीकरण की आवश्यकता है जिससे उत्पादन को बढ़ाया जा सके ताकि आम आदमी को भी भोजन उपलब्ध करवाया जा सके । खाद्य एवं कृषि संगठन यानि एफएओ के अनुसार विश्व की 12. 5 प्रतिशत जनसंख्या को खाने के लिए उचित भोजन भी नहीं मिल पा रहा है जिसमें से 10 प्रतिशत की जनसंख्या विकासशील देशों की है । एफएओ के अनुसार सन् 2050 तक कृषि उत्पादन 70 प्रतिशत की दर से बढ़ाना होगा ताकि विश्व की समस्त आबादी को पोषित किया जा सके । वो तभी संभव होगा जब कृषि में तकनीकि का प्रयोग काफी तेज़ गति से किया जा सके । हमारे देश में कृषि क्षेत्र में प्रगति की है परंतु फसल उत्पादन अन्य देशों की तुलना में काफी कम है । हमारी कृषि में आज भी आधुनिकीकरण की कमी झलकती है ।

अनाज, फल एवं सब्जियों का उत्पादन भी वैश्विक उत्पादन औसत दर से काफी कम है । चावल उत्पादन की बात की जाए तो हमारे पड़ोसी देश चीन से हमारी उत्पादन क्षमता मात्र एक तिहाई है । ये उत्पादन बढ़ाया जा सकता है यदि हम तकनीकि आधारित कृषि का प्रयोग करने लगे । हमें बीज उपचार, मृदा जांच, कीट नियंत्रण, खेती की पद्धति एवं हार्वेस्टिंग से पहले की जाने वाली पद्धतियों को अपनाना पड़ेगा । बढ़ती हुई आबादी को ध्यान में रखते हुए कृषि उत्पादन क्षमता को बढ़ाना होगा और इसका एकमात्र विकल्प खेती में हो रहे आधुनिकीकरण को अपनाना ही हो सकता है ।

गौरव द्विवेदी gaurav@iirdshimla.org

स्वतंत्र होने का अर्थ

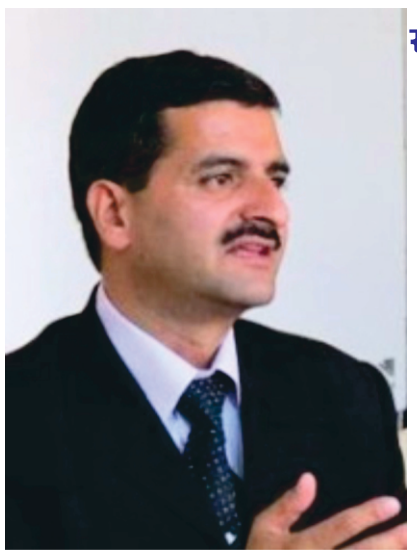

स्वतंत्र का शाब्दिक अर्थ है अपना तंत्र अर्थात् अपनी व्यवस्था के अनुरुप होना । यह बड़ा तार्किक तथा मार्मिक भी है कि अपनी व्यवस्था है क्या और उसकी अनुरुपता से तात्पर्य क्या है ? जब हम 'स्व' को परिभाषित करने का प्रयास करते हैं तो यह अंतःकरण की ओर इंगित करता है एवं अत्यधिक सूक्ष्म होने से यह आत्मोत्प्रेरित हो जाता है । इसका अर्थ यह है कि स्वतंत्र होना मनुष्य की नैसर्गिक प्रवृति है जिसके अंतर्गत आत्मा पर पड़े मन की मलिनता के अनगिनत परदों को हटाना ही स्वतंत्रता को परिभाषित करता है । अब अगला प्रश्न कि क्या हम सही में स्वतंत्र होने के लिए आतुर हैं या यों कहें कि हम स्वतंत्रता की सही मायने में समझ पैदा कर पा रहे हैं या नहीं ? इस पर चिंतन करना अनिवार्य हैं । यदि हां, तो हम सभी आत्मोन्मुख होकर जन्म–जन्मों से पड़े मानसिक आवरणों को हटाने में जुटे रहते लेकिन ऐसा है नहीं । सिद्ध है कि हमने न ही तो स्वतंत्रता को ठीक प्रकार से जाना और न ही इस दिशा में प्रयास किए है । हमें पराधीनता में ही आनंद की अनुभूति होती है । यही कारण है कि हम काम, क्रोध, मोह, लोभ, अहंकार से ग्रसित रहने में ही आनंद खोजते रहते हैं । यहीं से हमारी व्यक्तिवादी स्वतंत्र होने की प्रक्रिया का ह्रास होना आरम्भ होता है जो आगे चलकर समाज, राष्ट्र तथा अंतर्राष्ट्रीय परिवेश में भी प्रस्फुटित हो उठता है । सामाजिक रुप से स्वतंत्र होने का अर्थ यह हो सकता है कि समस्त सामाजिक निर्णयों में हमारी भूमिका न्यायोचित हो तथा व्यक्तिवादी, समूहवादी तथा कुटुम्बवादी विचारधारा से प्रभावित न हो । लेकिन यहां पर भी हम प्रभावशाली तथा स्वार्थपरक व्यक्तियों या व्यक्तियों के समूहों के ही वर्चस्व को देखते हैं । ऐसा कम ही होता है कि किसी सामूहिक निर्णय में निर्णायक मण्डल अपने हित के बजाए किसी अन्य के हित की बात करते हो । जिस क्षण हम जाति, धर्म व परिवारवाद से उपर उठकर श्रेष्ठतर विकल्प के चयन करने की क्षमता रखें, उसी क्षण हम सामाजिक रुप से स्वतंत्र होने की दिशा में अग्रसर होने लगते हैं ।

तीसरे स्थान पर हम राष्ट्र की स्वतंत्रता का विवेचन करते हैं । एक प्रभुसत्ता संपन्न राष्ट्र की नींव वहां के नागरिकों के सामान अधिकारों की रक्षा और प्रगति के आवश्यकतानुसार अवसर प्रदान करने से होती है । इस प्रकार की अवधारणाऐं संविधान तक ही सीमित रहती है । राजनैतिक दलों का उद्गम अपनों को अधिक लाभ पहुंचाने की प्रवृति से हुआ । विपक्ष का उद्देश्य सत्ता पक्ष को विपक्ष द्वारा कही गई हर अच्छी बात भी राजनैतिक लाभ से प्रेरित दिखती है । इसके अतिरिक्त राजनैतिक लाभ के लिए सत्ता दल कोई भी निर्णय न्यायोचित ठहराने का प्रयास करती रहती है । इसका ताज़ा उदाहरण हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनुसूचित जाति व जनजाति संबन्धि अधिनियम के एक प्रावधान की वैधता संबन्धि निर्णय के बाद इन्हीं प्रावधानों से पूर्ण नये अधिनियम की पहल करना है । जहां मात्र एक वर्ग विशेष से राजनैतिक लाभ लेने तथा उसी वर्ग के दबाव में आकर की गई कार्यवाही के अतिरिक्त इसका कोई औचित्य नहीं । जिस प्रकार कश्मीर की समस्या का जन्म एक राजनैतिक निर्णय से हुआ उसी प्रकार एक अन्य साम्प्रदायिक समस्या का जन्म आज सरकार के इस निर्णय से होने जा रहा है । यह कुछ ऐसी समस्याऐं हैं जो मानवता को तब तक जलाती रहेंगी जब तक हम जीवित हैं । ऐसे में राष्ट को किस परिभाषा से हम स्वतंत्र कहें ? इसी जटिल मानसिकता का परिणाम यह है कि कुछ लोग भूख के मारे देह त्याग कर रहे हैं और कुछ लोग प्रतिदिन करोड़ों रूपये खर्च करके राजा इंद्रवत जीवन यापन कर रहे हैं ।

ऐसा ही परिदृश्य अतर्राष्ट्रीय जगत का है जहां 'सक्षम ही उत्तम है' का सिद्धान्त लागू होता है । ऐसे में स्वतंत्र होने के मायने मानवता को पुनः खोजने होंगे ।

डॉ0 एल सी शर्मा, प्रधान संपादक
md@iirdshimla.org

जीवन क्या है?

विलियम शेक्सपियर ने कहा था कि जिंदगी एक रंगमंच है और हम लोग इस रंगमंच के कलाकार । सभी लोग जीवन को अपने– अपने नजरिये से देखते है । कोई कहता है जीवन एक खेल है , कोई कहता है जीवन ईश्वर का दिया हुआ उपहार है , कोई कहता है जीवन एक यात्रा है , कोई कहता है जीवन एक दौड़ है और बहुत कुछ । मनुष्य का जीवन एक प्रकार का खेल है और मनुष्य इस खेल का मुख्य खिलाड़ी । यह खेल मनुष्य को हर पल खेलना पड़ता है ।

इस खेल का नाम है (विचारों का खेल) इस खेल में मनुष्य को दुश्मनों से बचकर रहना पड़ता है । मनुष्य अपने दुश्मनों से तब तक नहीं बच सकता जब तक मनुष्य के मित्र उसके साथ नहीं है ।

मनुष्य का सबसे बड़ा मित्र भी विचार है और उसका सबसे बड़ा दुश्मन भी विचार ही है । मनुष्य के मित्रों को सकारात्मक विचार कहते है और मनुष्य के दुश्मनों को नकारात्मक विचार कहा जाता है ।

मनुष्य दिन में 60, 000 से 90, 000 विचारों के साथ रहता है यानि हर पल मनुष्य एक नए दोस्त या दुश्मन का सामना करता है।

इस खेल में मनुष्य को यह पहचानना होता है कि कौन सा विचार उसका दुश्मन है और कौन सा उसका दोस्त, और फिर मनुष्य को अपने दोस्त को चुनना होता है । इस खेल का मूल मंत्र यही है कि मनुष्य जब निरंतर दुश्मनों यानि नकारात्मक सोच को चुनता है तो उसे इसकी आदत पड़ जाती है और अगर वह निरंतर दोस्तों (सकारात्मक सोच) को चुनता है, तो उसे इसकी आदत पड़ जाती है । जब भी मनुष्य कोई गलती करता है और कुछ दुश्मनों को चुन लेता है तो वह दुश्मन, मनुष्य को भ्रमित कर देते है और फिर मनुष्य का स्वंय पर काबू नहीं रहता और फिर मनुष्य निरंतर अपने दुश्मनों को चुनता रहता है।

मनुष्य के पास जब ज्यादा मित्र रहते है और उसके दुश्मनों की संख्या कम रहती है तो मनुष्य निरंतर, इस खेल को जीतता जाता है । मनुष्य जब जीतता है तो वह अच्छे कार्य करने लगता है और सफलता उसके कदम चूमती है, सभी उसकी तारीफ करते है और वह खुश रहता है ।

लेकिन जब मनुष्य के दुश्मन, मनुष्य के मित्रो से मजबूत हो जाते है, तो मनुष्य हर पल इस खेल को हारता जाता है और निराश एंव क्रोधित रहने लगता है ।

जो लोग इस खेल को खेलना सीख जाते है वे सफल हो जाते है और जो लोग इस खेल को समझ नहीं पाते वे बर्बाद हो जाते है ।

इस खेल में ज्यादातर लोगों कि समस्या यह नहीं है कि वे अपने दोंस्तों और दुश्मनों को पहचानते नहीं बल्कि समस्या यह है कि वे दुश्मनों को पहचानते हुए भी उन्हें चुन लेते है । इसलिए हमें खेल के सकारात्मक पहलू पर सदैव अपना पक्ष रखकर चाल चलनी चाहिए ।

..... यही है जीवन

समार

पलायन एक गंभीर समस्या

हम सब लोग ग्रामीण–शहरी पलायन को किसी भी समाज की एक प्राकृतिक घटना मानते हैं । विकासशील देशों में यह घटना विशेष ध्यान आकर्षित करती है जहां औद्योगिकीकरण प्रगति पर होता है और आर्थिक गतिविधियां तेजी से बढ़ रही होती हैं । पलायन को एक प्राकृतिक घटना मान लेना शायद इस के मूल स्वरूप को समझने की भूल होगी । ग्रामीण–शहरी पलायन की प्रक्रिया को निम्नानुसार बेहतर समझा जा सकता है ।

प्राकृतिक पलायनः

हमारे देश में आधी आबादी का विवाह के कारण पलायन होता है लेकिन इस तरह के पलायन को न तो सरकारी मान्यता प्राप्त है और न तो बुद्धिजीवी वर्ग इस को स्वीकार करता है । अधिकतर ग्रामीण समाज रूढ़िवादी विचारधारा से ग्रस्त है । अतः बड़ी संख्या में माता–पिता अपनी बेटियों की शादी शहरों या कस्बों में रहने वाले परिवारों में करने को प्राथमिकता देते हैं । चूँकि ग्रामीण क्षेत्र अभी तक आधारभूत सुविधाओं से वंचित है और माता पिता का मानना है कि उन की बिटिया अगर शहर में रहेगी तो उसे सारी सुविधाएँ प्राप्त हो पाएँगी ।

आर्थिक पलायन :

ग्रामीण अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि पर आधारित है और कृषि भूमि के बिना लोगों को गावों में बनाए रखना मुश्किल लगता है क्योंकि शायद ही कोई अन्य आर्थिक गतिविधियां गावों में मौजूद हैं। ग्रामीण इलाके से वस्तु विनिमय प्रणाली की अनुपस्थिति, जिसमें कुछ भी खरीदने के लिए केवल नकदी स्वीकार की जाती है, ग्रामीणों के प्रवासन का एक प्रमुख कारण है । अधिकतर ग्रामीण वासियों के पास नकद मुद्रा का अभाव रहता है, अतः वे रोजमर्रा की चीजें खरीदने के लिए पैसे कमाने हेतु शहरों की ओर पलायन करते हैं । हालाँकि अधिकतर मामलों में इस तरह का पलायन अस्थायी ही होता है परंतु सामाजिक ढाँचें को विकराल रूप से प्रभावित करता है ।

सामाजिक पलायन

आजकल अधिकांश पलायन सामाजिक नेटवर्क के माध्यम से है । लोग, अगर उनके रिश्तेदार मित्र परिचित शहरों में हैं, तो वे भी शहरों में जाने और अपनी किस्मत आजमाने के लिए आसानी से तैयार हो जाते हैं। कुछ ग्रामीण वासियों की ये धारणा ही बन गई है की गाँव में कुछ है ही नहीं । अतः शहर जाने के इलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं है । चूँकि मेरे पूर्वजों ने भी शहर जाकर पैसा कमाया है, मैं भी शहर ही जाऊँगा । इलेकट्रोनिक मीडिया छोटे–छोटे कस्बों की एक ऐसी तस्वीर समाज के सामने पेश कर देता है कि अधिकतर ग्रामीण ख़ासकर युवा वर्ग शहरों की ओर जाने के लिए लालायित हो जाता है ।

शैक्षणिक पलायन :

अधिकांश युवा बेहतर शिक्षा की तलाश में शहरों की ओर पलायन करते हैं । चूँकि ग्रामीण इलाके अभी तक श्रेष्ठ शिक्षा सुविधाओं से वंचित हैं, ग्रामीण परिवेश में रहने वाले माता–पिता अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा हेतु पलायन के लिए विवश कर देते हैं ।

रोजगार पलायन

प्राचीन काल से भारतवर्ष में वस्तु विनिमय प्रणाली का प्रचलन था । इस कारण ग्रामीण निवासी अपने क्षेत्र में होने वाली फसलें उगाया करते थे क्योंकि केवल इन्हीं के बदले में उन्हें वे सब चीजें मिलती थीं जिनकी उन्हें आवश्यकता होती थी । धीरे–धीरे ये प्रणाली बंद होती गयी और हरेक वस्तु पैसे से खरीदने की प्रक्रिया शुरू होने से ग्रामीणों को पैसा कमाने के शहरों की ओर पलायन करना पड़ा ।

प्रगतिशीलता से पलायन

भारतवर्ष एक प्रगतिशील राष्ट्र है । इस के चलते लगभग देश के हर कोने में कोई न कोई विकासात्मक गतिविधि होती रहती है । कहीं पर सड़क तो कहीं पर बड़े–बड़े बाँध आदि का निर्माण हो रहा है । इन विकासशील गतिविधियों के फलस्वरूप भी कई लोगों को पलायन करना पड़ता है ।

समाधान

आधुनिक भारत में पलायन एक अति महत्वपूर्ण समस्याओं में से एक है । हालांकि इस का स्थाई समाधान कर पाना शायद संभव नहीं है, पर इस की ओर गंभीरता से चिंतन की आवश्यकता है । आईआईआरडी शिमला ने इस समस्या के दूरगामी प्रभावों को महसूस किया है । अपने दूरदर्शी मिशन रीव के तहत आईआईआरडी शिमला ने इन सब लोगों की स्थानीय समस्याओं के समाधान हेतु प्रशिक्षण प्रदान कर कुछ बेहतरीन सेवाओं को हर घर तक पहुचानें का प्रयास किया है :

प्रदेश भर में 9780 पंचायत, खंड , जिला और प्रदेश स्तर पर चयनित एवम् प्रशिक्षित कर विभिन्न सेवाओं को जनमानस तक पहुँचाने के लिए तैनात किया है । परिणामस्वरूप, युवाओं को अपनी पंचायत, खंड एवम् जिले में ही रोजगार की सुविधा प्रदान की है । स्वास्थ्य स्लेट के तहत 13 अलग–अलग मापदंडों पर परीक्षण कर के लोगों को उनके स्वास्थ के बारे में जागरूक किया जाता है । परिणामस्वरूप, कस्बों या शहरों में मिलने वाली सुविधाओं को गावों में उपलब्ध करवाया है ।

कृषि क्षेत्र में आईआईआरडी शिमला ने पहल करते हुए बेहतरीन तकनीक और कम खर्चे से जैविक खाद तैयार करने की विधि प्रदेश भर के किसानों तक पहुँचाने का बीड़ा उठाया है । इस के तहत किसान न केवल अपनी जरूरत के हिसाब से जैविक खाद बना कर रसायनिक खाद के दुष्प्रभाव से अपनी जमीन बचा पाएँगे बल्कि उन के द्वारा बनाई गयी अतिरिक्त खाद आईआईआरडी शिमला द्वारा खरीदने का भी प्रावधान है । इस के अतिरिक्त प्रदेश भर में 12 मृदा जाँच प्रयोगशालाएँ स्थापित कर आई आई आर डी शिमला ने प्रदेश के किसानों की सुविधा के लिए न केवल मिट्टी की जाँच बल्कि उसकी तुरन्त रिपोर्ट की उपलब्धता का प्रावधान सुनिश्चित किया है ।

दुग्ध उत्पादन में लगे किसानों के लिए आईआईआरडी शिमला ने मिशन रीव के तहत दूध बढ़ाने के लिए पानी पर जमने वाली काई से तैयार एक कैटल फीड सप्लिमेंट को प्रदेश भर में विपणन के लिए ट्रांसटेक ग्रीन एनर्जी प्रा. लि. जयपुर के साथ समझोता किया है । यह फीड सप्लिमेंट किसानों को दूध के अच्छे दाम उपलब्ध करवाने में सहायक होता है ।

आई आई आर डी शिमला ग्रामीण क्षेत्रों में वस्तु विनिमय प्रणाली का पक्षधर है । हमारा पूर्ण विश्वास है कि यह प्रणाली पलायन को कम करने में कारगर सिद्ध होगी । इस के अतिरिक्त आईआईआरडी शिमला की ऑनलाइन माध्यम से हर पंचायत में एक ट्यूशन सेंटर खोलने की महत्वकांशी योजना है ।

हमने इरादा बना लिया है उंची उड़ान का,
अब बेकार है देखना कद आसमान का ।।

एस.के. शर्मा

संकल्प की महान शक्ति

जीवन–निर्माण के प्रत्येक क्षेत्र में संकल्प शक्ति को विशेष स्थान मिला है । यों तो प्रत्येक इच्छा एक तरह की संकल्प ही होती है, किन्तु कुछ इच्छायें संकल्प की सीमा का स्पर्श नहीं कर पातीं, उनमें पूर्ति का बल नहीं होता । अतः वे निर्जीव मानी जाती हैं । वहीं इच्छायें जब बुद्धि, विचार और दृढ़ भावना द्वारा परिष्कृत हो जाती हैं तो संकल्प बन जाती हैं । ध्येय सिद्धि के लिये इच्छा की अपेक्षा संकल्प में अधिक शक्ति होती है । संकल्प उस दुर्ग के समान है जो भयंकर प्रलोभन, दुर्बल एवं डाँवाडोल परिस्थितियों से भी रक्षा करता हैं और सफलता के द्वार तक पहुँचाने में मदद करता है । शास्त्रकार ने "सकल्प मूलः कामौं" अर्थात् कामना पूर्ति का मूल–संकल्प बताया है । इसमें संदेह नहीं है, प्रतिज्ञा, नियमाचरण तथा धार्मिक अनुष्ठानों से भी वृहत्तर शक्ति संकल्प में होती है। महान विचारक एमर्सन ने लिखा है, "इतिहास इस बात का साक्षी है कि मनुष्य की संकल्प शक्ति के सम्मुख देव, दनुज सभी पराजित होते रहे हैं।"

यहाँ संकल्प–शक्ति के स्वरूप को समझने की आवश्यकता है । हवा के आघात से जिस प्रकार जल में तरंगें उठा करती हैं और एक कोने से दूसरे कोने तक दौड़ा करती हैं, जो लहरें अधिक शक्तिशाली होती हैं वे अधिक वेग और कम्पन के साथ किनारों से थपेड़े भरती हैं, उसी तरह मन में भी शुभ–अशुभ विचारों के कम्पन या तरंग उठा करती हैं जो सूक्ष्म आकाश में सुदूर तक प्रसारित होती रहती हैं । प्रत्येक विचार का एक निश्चित स्वरूप होता है, जो दूसरे सजातीय प्रवाहों के साथ मिलकर और भी शक्तिशाली बनता रहता है । इस तरह के अनेक संकल्प–विकल्प इस सूक्ष्म जगत में विद्यमान हैं, पर उनका लाभ मनुष्य को तब मिल पाता हैं, जब वह विशेष मनोयोगपूर्वक किसी एक इच्छा की पूर्ति की ओर प्रवृत्त होता है । इस तरह का मस्तिष्क उन सजातीय विचार–तरंगों को सूक्ष्म–आकाश से उसी तरह खींचता है, जैसे भूखा अजगर साँस की तेजी के साथ छोटे–छोटे अनेक जीव–जन्तु, कीट–पतंगों को खींच लेता हैं । सजातीय तत्वों की एक अदृश्य शक्ति काम करने लगती है और सफलता के अनेक मार्ग अपने आप सूझने लगते हैं।

संकल्प की शक्ति निःसंदेह बहुत अधिक है, किन्तु यह बात न भूलें कि अशुभ संकल्पों की प्रतिक्रिया व्यक्ति और समाज दोनों के लिये ही अहितकर होती है । चोरी, डकैती व्यभिचार, छल, कपट के प्रेरक अशुभ संकल्प ही होते हैं, इनसे मनुष्य का जीवन दूषित और दुःखमय बनता है । समीपवर्ती व्यक्ति भी दुःख पाते हैं। अशुभ–विचारों की अशुभ प्रतिक्रिया को ही ध्यान में रखते हुये शास्त्रकार ने लिखा है :–

''यत् प्रज्ञनमुत चेतो धृतिश्च, यज्ज्योतिरन्तरमृतं प्रजासु ।
यस्मान्नऋते किंचन कर्म क्रियते, तन्मेमनः शिव संकल्पमस्तु ।।''

"अर्थात् जिस मन से अनुभव, चिन्तन तथा धैर्य धारण किया जाता है, जो इन्द्रियों में एक तरह की ज्योति है, वह मेरा मन शुभ संकल्प वाला हो।"

समार

ये 1947 का नहीं.... आज का भारत है

भारत की जेलों पर ब्रिटेन की टिप्पणी उसकी संकुचित सोच को दिखाती है

जब कर्ज़ लेना था तो देश अच्छा.....अब माल्या को देश बुरा लग रहा

भारतीय बैंकों और यहां के नागरिकों के खून पसीने की गाढ़ी कमाई को चूना लगाकर इंग्लैंड में डकार मार कारोबारी विजय माल्या के भारत को प्रत्यर्पण को लेकर इंग्लैंड कुछ ज़्यादा ही हावभाव दिखा कर भारत से जेल की स्थिति पर स्पष्टीकरण मांग रहा है । ऐसा कर ब्रिटेन ने अपनी संकुचित एवं पराधीन सोच का प्रदर्शन किया है । इंग्लैंड भूल गया कि यह दुस्साहस से कम नहीं कि बैरक नंबर 12 की क्या स्थिति है, इस पर भारत से सवाल–जवाब करें । जब विजय माल्या को भारत में बैंकों से अपने ऐशोआराम को पूरा करने के लिए कर्ज़ लेना था तो भारत अच्छा लग रहा था, अब डकार लेने के बाद भारत की व्यवस्था पर भरोसा नहीं !!! हालांकि, भारत को इंग्लैंड की अदालत के उन फरमानों का कोई अधिक अंतर नहीं पड़ता कि विजय माल्या को जिस जेल में रखा जाना हैं, उस जेल की दरो–दीवार का विवरण प्रस्तुत करें । लेकिन विजय माल्या को किसी भी सूरत में भारत लाने का संकल्प उनकी अदालत के फरमान पर स्वीकृति देता हैं ।

इंग्लैंड ने विजय माल्या की अर्जी पर सुनवाई को इसलिए टाल दिया क्योंकि उन्हें भारत की जेलों की स्थिति बद्तर लगती है और इसलिए ही आज अंग्रेज मुंबई की आर्थर रोड़ जेल के बैरक नंबर 12 जंहा कि विजय माल्या को रखा जाना है ...का विवरण मांग रही है । उन्हें यह बताना होगा कि जेल का आकार कितना हैं, जेल के रोशनदान से पर्याप्त धूप–हवा आती है, अन्य सुविधाऐं हैं कि नहीं ? इतना ही नहीं ब्रिटेन तो भारत की समस्त जेलों और उसकी व्यवस्था पर भी संदेह करता है । ब्रितानिया हुकुमत की प्रधानमंत्री एवं कंजर्वेटिव पार्टी की नेता थेरेसा ने भी ब्यान दिया था कि भारत की जेलें रुस की जेलों से भी ख़राब स्थिति में हैं । यहां हम ब्रिटेन की वर्तमान में जेलों की दशा और पराधीनता में भारत की जेलों की पड़ताल कर लेते हैं ।

इंग्लैंड भूल गया कि जिन जेलों की बात वो कर रहा हैं उनकी दयनीय और भयावक तस्वीर उनके समय में सोच के भी परे हैं । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्पष्ट कह चुके हैं कि ये वही जेलें हैं जिनमें अंग्रेजों ने भारत की महान विभूतियों को न केवल रखा अपितु यातनाऐं भी दी । देश में एक ही उदाहरण के साथ इस बात को समझने का प्रयास करते हैं । स्वतंत्रता आंदोलन में या कह लो कि इन्हीं अंग्रेजों के गुलामी के दौर में जिसे भी कालापानी की सजा होती थी, उसे अघोषित मृत्युदंड ही माना जाता था । इसी कालापानी का इतिहास रौंगटे खड़े करने वाला है । यहां कालापानी जेल की यातनाओं को पढ़ना नहीं, महसूस करना आज की पीढ़ी के लिए बेहद ज़रुरी हैं । क्योंकि इसी जेल में वीर सावरकर और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों व क्रांतिकारियों को भी यातनाऐं दी गई थी ।

कालापानी जेल की संरचना इस प्रकार से की गई थी कि उसके चारों ओर समुद्र का पानी ही पानी है । इससे क़ैदी के भागने की रत्ति भर भी गुंजाईश नहीं रह जाती थी । 5x8 की काल कोठरी में क़ैदी को रखा जाता था जहां किसी भी प्रकार का रोशनदान नहीं होता था । अन्य कोई सुविधा तो दूर की बात हैं । नंगे फर्श पर सुलाया जाता था । पीने के लिए पानी भी कम दिया जाता था । कोल्हु में बैल के स्थान पर क़ैदी को ही उपयोग में लाया जाता था । क़ैदी को 365 दिनों यानि एक वर्ष में एक ही पत्र लिखने की अनुमति होती थी जो कि वो अपने परिवार को लिख सकता था । साथ ही, एक पत्र ही उसे जेल में एक वर्ष में मिलता था । कालापानी को आज भी लोग मृत्यु के समान ही समझते हैं जिसके पीछे यही कारण था कि जिसे कालापानी की सजा हो जाती थी वो जेल में ही मर जाता था । न स्वच्छ व पर्याप्त पीने को पानी, न शुद्ध हवा, न भरपेट भोजन, कमरतोड़ काम करवाना, और बीमारी लग जाने पर न ही दवाई और न अन्य उपचार..... जंज़ीरों में जकड़ा इंसान ऐड़ियां रगड़–रगड़ कर मर जाता था । बीमारी की हालत में दवाईयों पर कोई भी खर्च नहीं किया जाता था एवं बीमार क़ैदियों को दवाई देने पर अंग्रेजों ने स्पष्ट रूप से बैन लगा रखा था जिस कारण एक छोटी सी बीमारी क़ैदियों के लिए भविष्य के लिए जानलेवा हो जाती थी ।

कालापानी में बंदियों से अंग्रेज लॉर्ड अपनी आरामगाह का निर्माण करवाते थे और अनुपयोगी हो जाने पर उसे समुद्र तक में जिदा फैंक कर मार दिया जाता था । इसकी सूचना तक उन बंदियों के घरवालों को देना उचित नहीं समझा जाता था । कालापानी का काला इतिहास अंग्रेजों के अत्याचारों और घोर यातनाओं की कालिख से लिखा गया है ।

ऐसा न होता तो सरदार शहीद भगत सिंह को जेल में अंग्रेजों के अत्याचार और निरंकुश व्यवस्था के ख़िलाफ आंदोलन न करना पड़ता । जेल में खराब भोजन और अन्य मूलभूत चीजों के लिए अंग्रेज जानवरों जैसा बरताव करते थे । सरदार भगत सिंह ने इस व्यवस्था के ख़िलाफ आवाज़ उठाई और घोर यातानाओं के बावजूद अंग्रेजों को झुकना पड़ा । एक सर्वे के अनुसार ब्रिटेन की जेलें भारत की जेलों से कहीं अधिक बद्तर हालत में हैं.....और टिप्पणी हमारी जेलों पर की जा रही है ।

आज हम अपनी स्वतंत्रता की 71 वीं सालगिरह मना रहे हैं और ढेरों चुनौतियों के बावजूद हम विश्व की सबसे तेज उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से एक हैं । ब्रिटेन को यह भी नहीं भूलना चाहिए कि देश को गर्त में डाल कर, लूट–घसूट कर अपने देश को भरने का कार्य ही किया । फिर भी 70 वर्ष का नवजात भारत आज अपनी धाक और चमक पूरे विश्व को दिखाने को आतुर है । भारत में सभी वर्गों के उत्थान और नई ऊर्जा के साथ भारत पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित

कर रहा है । ऐसी स्थिति में हमारी जेलों पर ब्रिटेन की टिप्पणी का स्वागत तो कभी भी नहीं हो सकता है । विजय माल्या और नीरव मोदी के साथ–साथ जो भी हमारे देश की गाढ़ी कमाई को खाकर विदेशों में डकार मार रहे हैं ..... उनका देश के लिए योगदान तो छोड़ो, देश के दुश्मन है ऐसे लोग । और ऐसे ही भगौड़े विजय माल्या की दलील कि भारत में जिस जेल में रखना है, उसमें सुविधाओं की कमी है और वो तथाकथित उस भगौड़े के काबिल नहीं है । जब माल्या को कर्ज़ लेना था और लोगों की खून पसीने की गाढ़ी कमाई का हज़ारों करोड़ लेकर अपने साम्राज्य का विस्तार करना था तो भारत जैसा देश नहीं था । आज वही देश अच्छा नहीं लग रहा है । देश की जनता तो इस बात को समझ भी सकती है परन्तु ब्रिटेन की अदालत द्वारा बैरक नं0 12 का विडियो मंगवाना और हमारी जेलों पर टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है ।

देश बदल रहा है और हम सभी पराधीनता के दंश से उबर कर आसमान की बुलंदी पर पहुंचने को आतुर है । विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक क्षेत्र, शिक्षा, तकनीक, युवा एवं महिला सशक्तिकरण आदि में हमारा राष्ट्र तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है । विश्व में हमारी साख बढ़ी हैं जिसे देश की आंतरिक व्यवस्था में भी संभालने और इसे गति देने की आवश्यकता है । देश की अस्मिता और मान–सम्मान के लिए हम सभी एकजुट होकर ही बाहरी ताक़त से लड़ सकते हैं । आज़ादी की 71 वीं वर्षगांठ पर हम एक स्वच्छ, भ्रष्टाचारमुक्त, पारदर्शी, न्यायपूर्ण, विकसित भारत का सपना पूरा करने के लिए कृतसंकल्प है .....चमन में हमेशा रंग–ओ–बू से बात बनती है, तुम ही तुम हो तो क्या तुम हो, और हम ही हम हैं तो क्या हम हैं.....

हेम राज चौहान
सहायक संपादक, द रीव टाइम्स
Chauhan.hemraj09@gmail.com
9418404334

आओ आज़ादी का जश्न मनायें

आओ आज़ादी का जश्न मनायें
क्योंकि कल चौराहे पर
एक नक़ाबपोश ने
लड़की के चेहरे पर तेज़ाब डाला
जनाक्रोश में वो पिस जाता
पर पुलिस ने बचा डाला ।।

आओ गणतंत्र का गुणगान करे
क्योंकि कल ही एक हड़ताल में
देश की रीढ़ युवा नौजवान शक्ति ने
सड़कों पर उतर कर हड़ताल में
सैंकडों गाड़ियों को मुखाग्नि देकर
चौराहा ही बना दिया शमशान ।।

आओ रक्षाबंधन का पर्व मनाये
क्योंकि कल ही एक बहन का
सुहाग उसके भाई ने उजाड़ा
गुनाह प्रेम–प्रसंग का था
जात–बिरादरी की हेकड़ी में
पानी बन गया खूं जो था गाढ़ा ।।

आओ नारी सशक्तिकरण पर इतरायें
क्योंकि कल ही एक चलती बस में
दरिंदों ने महिला की इज्ज़त को
सरेआम तार–तार किया
पुलिस की नाक़ामी
कानून का अंधेरा
प्रार्थी को गुनहगार,
दरिंदों को बाहर किया ।।

आओ बाल दिवस का उत्सव मनायें
क्योंकि कल ही पांच साल की गुड़िया
भेड़ियों के झुंड में अनायास
भयाकांत नोची गयी
छोटू के हाथ से ढारे पर
प्लेट टूट गयी
उसकी चमड़ी तक
सरमायेदारों ने खरोच ली ।।

आओ बुजुर्ग दिवस का महागान करे
क्योंकि कल ही वृद्ध आश्रम में
रौनक बढ़ गयी जब
एक और वृद्ध जोड़ा
संख्या में जुड़ गया
करोड़पति बेटे के पास
मां–बाप के लिये कौड़ी नहीं
सड़क पर फैंक इसलिये
हैलिकॉपटर में उड़ गया ।।

आओ चुनावों का महापर्व मनाये
क्योंकि कल ही पशुओं का चारा
कुछ भूखे नेताओं ने
जी भर मन मुताबिक खा लिया
कोयले की कालिख में मुंह काला किया
फिर थोड़ा सा मक्खन लगाकर
आम आदमी का वोट पा लिया ।।

हेम राज चौहान

कर्तव्य की कसौटी पर आज़ादी के मायने

स्वतंत्रता के मायने उदंडता या दूसरों की आज़ादी में दख़ल से नहीं समझी जा सकती है । इसके मायने अनुशासन, अधिकार से पहले कर्तव्यों का निर्वहन और एक सभ्य व शालीन नागरिक बनने जैसा है । आज हमें किसी की परतंत्रता में सांस लेने की आवश्यकता नहीं है और न ही देश की सुरक्षा के लिए बंदूक उठाकर सीमाओं पर खड़े रहने की आवश्यकता है । ये कार्य हमारे जांबाज़ सैनिक भंलिभांति और तत्परता के साथ कर रहे हैं । आम नागरिकों को तो स्वतंत्रता के मायने इस देश को स्वच्छ, संपन्न बनाने और विकसित भारत की नींव रखने तक सीमित है । आओ इस स्वतंत्रता दिवस पर संकल्प लें कि :

- हम गंदगी नहीं करेंगे और देश को सुन्दर, स्वच्छ बनाने में अपना सहयोग देंगे ।
- राष्ट्रीय संपत्ति को अपनी संपत्ति मानकर किसी भी प्रकार की तोड़फोड़ नहीं करेंगे और न ही नुकसान पहुंचाऐंगे ।
- धर्म, जाति, संप्रदाय, के नाम पर एक दूसरे को नहीं बांटेंगे और सद्भावना, स्नेह, भाईचारे के साथ मिलकर रहेंगें
- पर्यावरण के संरक्षण में ही मानव जीवन का संरक्षण समाहित हैं, इसलिए हम हर त्यौहार, उत्सव, कार्यक्रम और आयोजनों को पौधारोपण के साथ ही मनाने का संकल्प करते हैं ।
- पानी की बूंद–बूंद को अमृत मानकर इसके संरक्षण और महत्व को समझेंगे । पानी के प्राकृतिक स्रोतों को संरक्षित करने के लिए कृतसंकल्प रहेंगे ।
- **यत्र नारी पुज्यतें रम्मते तत्र देवता** इसको चरितार्थ करते हुए नारी शक्ति को सम्मान एवं रक्षा करने में तत्पर रहेंगे
- बुजुर्ग हमारे देश की सबसे बड़ी संपदा है.....इसलिए बुजुर्गों के प्रति सदैव सम्मान और सेवाभाव रखेंगे ।
- अपनी ऊर्जा को राष्ट्रहित और जनसेवा में समर्पित करेंगें ।
- राष्ट्र की एकता और अखण्डता के लिए तन–मन–धन से समर्पित रहेंगे ।

ये संकल्प ही स्वतंत्रता सेनानियों को सच्ची श्रद्धांजली होगी .....हेम

सचिन की टीम ने नालागढ़ के दभोटा में खेल मैदान के लिए दस लाख दिए

द रीव टाइम्स ब्यूरो

महानतम क्रिकेटर सचिन तेंदलुकर की प्रो कब्बड्डी टीम तमिल थलाइवा टीम ने नालागढ़ के दभोटा में खेल के लिए 10 लाख रूपये दिए। उल्लेखनीय है कि इस टीम के कप्तान हिमाचल के सोलन जिले के दभोटा से संबंध रखने वाले अजय ठाकुर हैं। अजय इंडियन कबड्डी टीम के भी कप्तान हैं।

किन्नर कैलाश

द रीव टाइम्स ब्यूरो

एक अगस्त से 10 दिवसीय किन्नर कैलाश यात्रा शुरू हुई। 2400 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित किन्नर कैलाश जाने के लिए पहले, 14,501 फीट की ऊंचाई पर स्थित लालांति दर्रा पार करना होता है और उसके बाद 17,218 फीट की ऊंचाई पर स्थित चारंग दर्रा पार करना होता है। किन्नर कैलाश पर स्थित शिवलिंग की श्रद्धालु परिक्रमा करते हैं। इस परिक्रमा का प्रारंभ कल्पा और त्रिउंग घाटी से होता है जो पुनः कल्पा से होते हुए सांगला घाटी की ओर मुड़ती है। पारंपरिक रूप से तीर्थयात्री परिक्रमा के लिए सावन के महीने में यात्रा प्रारंभ करते हैं।

पुरातन काल में लिखित सामग्रियों के अनुसार किन्नौर के वासी को किन्नर कहा जाता है। जिसका अर्थ है– आधा किन्नर और आधा ईश्वर है। आम लोगों के लिए निषेध इस क्षेत्र को 1993 में पर्यटकों के लिए खोल दिया गया, जो 19,849 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यहां 79 फूट ऊंचे चट्टान को हिंदू धर्म वाले शिवलिंग मानते हैं, लेकिन यह हिंदू और बौद्ध दोनों के लिए समान रूप से पूजनीय है। दोनों समुदायों के लोगों की इसमें गहरी आस्था है।

मंडी होगा उड़ान दो का मेन डेस्टीनेशन

द रीव टाइम्स ब्यूरो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उड़ान–2 योजना में मंडी शहर हिमाचल का मेन डेस्टीनशन होगा। राज्य में प्रस्तावित उड़ान –2 में शिमला और धर्मशाला से मनाली के लिए शुरू होगी। इन तीनों के लिए उड़ान का केंद्र बिंदु मंडी का कंगनीधार होगा।

उल्लेखनीय है कि उड़ान–1 योजना की शुरूआत भी हिमाचल से ही वर्ष 2017 में पीएम मोदी ने शिमला से ही की थी।

27 अप्रैल 2017 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बहुप्रतीक्षित 'उड़ान' स्कीम के तहत शिमला–दिल्ली मार्ग पर पहली उड़ान को हरी झंडी दिखाई थी। यह योजना पूरी तरह से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना (आरसीएस) पर केंद्रित है और वैश्विक रूप से अपनी तरह की पहली योजना है। उड़ान का अर्थ है– उड़े देश का आम नागरिक। इस योजना की खास बात यह है कि 500 किलोमीटर तक की उड़ानों का किराया 2500 रुपये होगा। क्षेत्रीय रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में हवाई यात्रा नागरिकों तक सुलभ बनाने के लिए 'उड़े देश का आम नागरिक' आरसीएस (क्षेत्रीय सम्पर्क योजना) अक्टूबर, 2016 में लाई गई थी ।

अमेरिका में होगी मसरूर रॉक कट टैंपल की पढ़ाई

यूनिवर्सिटी ऑफ अमेरिका पेनेसेलिविया में हिमाचल के कांगड़ा स्थित मसरूर में बने रॉक कट टैंपल के बारे मे पढ़ाया जाएगा

द रीव टाइम्स ब्यूरो

मसरूर टेंपल हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा के दक्षिण में 15 किमी की दूरी पर एक प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल है।

ये हैं विशेषताएं

–15 शिखर मंदिरों वाली यह संरचना गुफाओं के अंदर स्थित है। यह मंदिर 8 वीं शताब्दी में पत्थर की एक ठोस पहाड़ रूपी चट्टान का प्रयोग करके बनाए गए थे।–इन्हें अजंता–एलोरा ऑफ हिमाचल भी कहा जाता है। मान्यता है कि इस मंदिर का निर्माण पांडवों ने अपने अज्ञातवास के दौरान किया था। यह मंदिर मध्य भारत की नगारा शैली में बना है। मंदिर ब्यास नदी घाटी पर बना है और कहा जाता है कि मंदिरों के सामने झील को पांडवों ने अपनी पत्नी द्रोपदी के लिए बनाया था।

इन मंदिरों को सर्वप्रथम 1913 में एक अंग्रेज एचएल स्टलबर्थ ने खोजा था। इस मंदिर की छत पर शिव प्रतिमा स्थापित है।

प्रो. सिकंदर बने एचपीयू के 26वें कुलपति

द रीव टाइम्स ब्यूरो

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग में कार्यरत आचार्य सिकंदर कुमार ने विश्वविद्यालय के 26वें कुलपति के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया। 26 मई, 2016 को एचपीयू में वीसी का कार्यकाल पूरा हुआ था, तब से यह पद खाली चल रहा था और प्रो. राजेंद्र सिंह चौहान अस्थायी तौर पर कुलपति का पदभार संभाल रहे थे। आचार्य सिकंदर कुमार विश्वविद्यालय में पिछले कई वर्षों से अध्यापन कार्य कर रहे हैं।

अब तक इनकी तीन पुस्तकें सांख्यकी पद्धतियां एवं सूक्ष्म अर्थशास्त्र तथा हिमालयी अर्थशास्त्र प्रकाशित हुई हैं। इनके 31 शोध लेख प्रतिष्ठित प्रकाशनों में प्रकाशित हो चुके हैं। इन्होनें विभाग में एक जर्नल भी प्रकाशित करवाया। वर्ष 2010–12 और वर्ष 2016 से मई 2018 तक हिमाचल अर्थशास्त्र संघ के अध्यक्ष रहे हैं।

आरके सिंह थे पहले कुलपति

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की स्थापना 22 जुलाई, 1970 में प्रदेश के छात्रों को उच्च शिक्षा देने के उद्देश्य से की गई थी। डाक्टर आर के सिंह एचपीयू के पहले कुलपति थे।

कई विदेशी छात्र भी एचपीयू के इतिहास से जुड़े जिसमें 1970 के दशक में एचपीयू के राजनीतिक शास्त्र विभाग के छात्र रह चुके हामिद करजई अफगानिस्तान के राष्ट्रपति भी इसी विश्वविद्यालय के छात्र रहे हैं।

मिल्कफैड ने बाजार में उतारा हिम घी

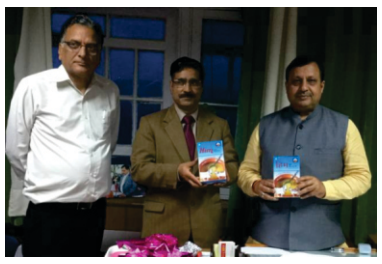

द रीव टाइम्स ब्यूरो

मिल्कफैड ने हिम घी नाम से घी बाजार में उतारा है। पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री वीरेंद्र कंवर ने इस उत्पाद को लॉच किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भविष्य में राष्ट्रीय डेयरी विकासबोर्ड की सहायता से मिल्कफैड को सुदृढ़ किया जाएगा।

हार्न फ्री होंगे शिमला और मनाली

द रीव टाइम्स ब्यूरो

पर्यटन की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण शिमला और मनाली हॉर्न फ्री होंगे। इसके लिए हाल ही में मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने शोर नहीं मोबाइल एप की शुरूआत की। इसके साथ ही उन्होंने हॉर्न नॉट ओके अभियान को भी हरी झंडी दिखाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनावश्यक हॉर्न बजाने से ध्वनि प्रदूशण के साथ ही स्वास्थ्य पर भी बूरा प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में राज्य के दो शहरों में यह अभियान चलाया जा रहा है और जल्द ही दूसरे शहरों पर भी विचार होगा।

आपदा चेतावनी के लिए कॉमन अलर्ट प्रोटोकॉल

द रीव टाइम्स ब्यूरो

राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा राज्य सचिवालय से विकसित कॉमन अलर्ट प्रोटोकॉल नामक एक नई प्रणाली का प्रायोगिक परीक्षण किया गया। यह परीक्षण आपदा तैयारी के लिए प्रारम्भिक चेतावनी व अन्य आपातकालीन चेतावनी संदेशों के प्रसार के उद्देश्य से किया गया।

इस दौरान वर्षा पूर्वानुमान के बारे में विकसित संदेशों के परीक्षण किए गए और तीन जिलों सिरमौर (नाहन), कांगड़ा (धर्मशाला), किन्नौर (रिकांगपिओ) के चयनित क्षेत्रों में भेजे गए। सीएपी मंच के माध्यम से छोटा शिमला (हि.प्र. सचिवालय) में ड्रॉप कवर और नियंत्रण अभ्यास करने का संदेश भी प्रसारित किया गया।

सीएपी को लक्ष्य आधारित प्रारंभिक चेतावनी देने के लिए प्राधिकरण और दूरसंचार विभाग द्वारा विकसित किया गया है।

प्रायोगिक परीक्षण राज्य सचिवालय स्थित राज्य आपात संचालन केन्द्र में सफलतापूर्वक किया गया। प्रायोगिक परीक्षण के दौरान तीन जिलों और सचिवालय के 58 हजार से अधिक रिलायंस, जियो तथा बीएसएनएल के ग्राहकों को अलर्ट प्राप्त हुए।

बल्ह में हिमाचल का पहला अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा

एयरफोर्स का बेस कैंप भी बनेगा साथ

द रीव टाइम्स ब्यूरो

बल्ह घाटी में हवाई अड्डे के साथ वायुसेना का बेस कैंप भी बनेगा। एयरपोर्ट ऑथारिटी ऑफ इडिया ने मई में मंडी में चिन्हित स्थानों का दौरा किया था लेकिन इन स्थानों के मानकों को खरा नहीं पाया। इसके बाद बल्ह में कुम्मी से डुगराईं तक नई साइट पर गौर करने को कहा था। ऐसे में हवाई अड्डे के साथ बेस कैंप बनाने की योजना है। बल्ह में पांच किलोमीटर की पट्टी वाला हवाई अड्डा बनाया जाना प्रस्तावित है और यह हिमाचल में पहला अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा होगा।

ये है मौजूद स्थिति

वर्तमान में प्रदेश में तीन हवाई अड्डे हैं लेकिन यह अंतर्राष्ट्रीय स्तर के नहीं हैं। तीन हवाई अड्डों भुंतर, गगल और जुब्बड़हट्टी में है।

हिमाचल में 'वनों की समृद्धि' प्रोजेक्ट

हिमाचल में वनों की समृद्धि प्रोजेक्ट से वनों को विकसित करने की योजना है। यह योजना वर्ल्ड बैंक की सहायता से चलाई जाएगी। इसी मामले को लेकर 6 अगस्त को वर्ल्ड बैंक की टीम हिमाचल के दौरे पर पहुंची। करीब 7 सौ करोड़ की इस योजना के तहत सतलुज कैचमेंट एरिया में लागू करने की इच्छा वर्ल्ड बैंक पहले ही जता चुका है।

वर्तमान में हिमाचल में तीन तरह के वन पाए जाते हैं। इनमें 3224 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में अधिक घनत्व वाले वन, 6381 वर्ग किलोमीटर पर कम घनत्व वाले 5091 वर्ग किलोमीटर पर बहुत कम घनत्व वाले वन शामिल है। हिमाचल में भारत के कुल वन क्षेत्र का 4.8 फीसदी है जबकि हिमाचल के कुल 27.12. फीसदी वन क्षेत्र के अधीन है।

उत्तरी भारत में हिमाचल पहले नंबर पर

फोरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया की वर्ष 2017 की 15वीं रिपोर्ट के मुताबिक हिमाचल में 2017 में 2015 की रिपोर्ट के मुकाबले फोरेस्ट कवर में 393 वर्ग किलोमीटर यानि 0.71 की वृद्धि दर्ज की गई है।

अब हिमाचल में भी राज्यपाल 'महामहिम' नहीं

औपचारिक अवसरों पर 'महामहिम' की जगह ''राज्यपाल महोदय'' शब्द का इस्तेमाल होगा। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को अभिवादन स्वरूप 'महामहिम' नहीं कहा जाएगा। राजभवन से जारी अधिसूचना में राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने खुद इस शब्द का इस्तेमाल बंद करने को कहा है। राजभवन से जारी आदेश के अनुसार अब राज्यपाल को संबोधित करते समय अभिवादन के रूप में ''महामहिम'' शब्द का प्रचलन नहीं किया जाएगा। राज्यपाल के सचिव डॉ. अरूण शर्मा की ओर से जारी एक बयान में कहा है कि औपचारिक अवसरों के दौरान 'हिस एक्सीलेंसी' और उसके हिन्दी पर्याय 'महामहिम' शब्द के उपयोग को समाप्त किया जाए तथा उनके स्थान पर "राज्यपाल महोदय" शब्दों का उपयोग किया जाएगा। हिन्दी में सरकारी टिप्पणियों में "राज्यपाल जी" का उपयोग किया जाएगा।

पांच दिव्यांगों ने पास की नेट परीक्षा

द रीव टाइम्स ब्यूरो

प्रदेश विश्वविद्यालय के सात दिव्यांग होनहारों ने सीबीएसई यूजीसी नेट पास इनमें उदीयमान गायिका एवं राज्य चुनाव विभाग की यूथ आइकॉन मुस्कान भी शामिल हैं। छात्रों में चिड़गांव की मुस्कान (संगीत), अनुज कुमार (अर्थशास्त्र), सिरमौर के विनोद शर्मा एवं जसवीर सिंह लुबाना (राजनीति विज्ञान) और कुल्लू के अजय कुमार (इतिहास) है। शारीरिक दिव्यांग सतीश कुमार ठाकुर (मंडी) और प्रियंका ठाकुर ने भी नेट उत्तीर्ण किया है।

सुजानपुर में निकला बाबा बालकनाथ का धुना

सुजानपुर के सलूही गांव में बाबा बालकनाथ का धुना मिला है। इससे पहले भी यहां पर शिव और अन्य कई मुर्तियां भी खुदाई के दौरान मिला है।

प्रदेश में स्थापित होंगे 22 नेचर पार्क

शिमला के ग्लेन में मुख्यमंत्री ने किया शिलान्यास

प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर 22 नेचर पार्क विकसित किए जाएंगे। इसकी शुरूआत शिमला के ग्लेन से की गई। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने समरहिल के साथ कुछ दूरी पर स्थित पर्यटन स्थल ग्लेन में नेचर पार्क का उद्घाटन किया। इस पार्क पर 98 लाख रूपये खर्च किए जाएंगे।

स्पेशल स्क्वायड करेगा निर्माण कार्यो की गुणवत्ता जांच

राज्य में लोक निर्माण विभाग, सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य, विद्युत, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, पर्यटन विभाग व शहरी विकास जैसे प्रमुख विभागों की तरफ से किए जा रहे कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित बनाने के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय में गुणवत्ता जांच दस्ते की स्थापना की जाएगी। इसके प्रमुख मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव संजय कुंडू होंगे।

गुणवत्ता स्क्वायड एक स्वतंत्र तृतीय पार्टी होगी, जिसे राज्य सरकार की तरफ से निजी परामर्शदाताओं के माध्यम से रखा जाएगा और इसे जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा। यह दस्ता राज्य में विभिन्न विभागों की तरफ से क्रियान्वित किए जा रहे कार्यों का आकस्मिक गुणवत्ता निरीक्षण करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने यह निर्णय बजट भाषण 2018–19 में दिए गए आश्वासनों के अनुरूप लिया है।

दस्ता राज्य में कार्यान्वित की जा रहीं विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करेगा और विभिन्न कार्यों की खराब गुणवत्ता की शिकायतों को कम करने में भी मदद करेगा। तीसरे दल की तरफ से निरीक्षण का यह तंत्र अन्य संरचनाओं के अलावा सड़कों तथा पुलों की गुणवत्ता भी सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि स्क्वायड निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण करेगा।

मंत्रिमंडल के फैसले

बहाव सिंचाई योजना के लिए भी 174 करोड़ मंजूर, 9580 किसानों को मिलेगा फायदा

द रीव टाइम्स ब्यूरो

224 करोड़ की 'सौर सिचांई योजना'

मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में राज्य में 224 करोड़ रुपए की 'सौर सिचांई योजना' को कार्यान्वित करने का निर्णय लिया गया। योजना के अंतर्गत लघु एवं सीमांत किसानों को निजी तौर पर 90 प्रतिशत वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी और मध्यम एवं बड़े किसानों को 80 प्रतिशत उपदान प्रदान किया जाएगा। इसी प्रकार लघु एवं सीमांत श्रेणी के किसानों/किसान विकास संघ/कृषक विकास संघ/किसानों की पंजीकृत संस्था को 100 प्रतिशत वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। योजना के अंतर्गत 5850 कृषि सौर पंपिग सैट किसानों को उपलब्ध करवाएं जाएंगे।

174.50 करोड की बहाव सिंचाई योजना

मंत्रिमंडल ने मुख्यमंत्री के बजट आश्वासन के अनुरूप 174.50 करोड़ रुपए की बहाव सिंचाई योजना शुरू करने को मंजूरी प्रदान की। कृषि विभाग द्वारा कार्यान्वित की जाने वाली इस योजना के अंतर्गत 7152.30 हैक्टेयर क्षेत्र को सुनिश्चित सिंचाई के अंतर्गत लाकर राज्य के 9580 से अधिक किसानों को लाभान्वित किया जाएगा। मंत्रिमंडल ने किसानों को खेती के मशीनीकरण के लिए राज्य में 20 करोड़ रुपए का राज्य कृषि यांत्रिकीकरण कार्यक्रम शुरू करने का भी निर्णय लिया। इस योजना के अंतर्गत लघु एवं सीमांत किसानों, महिला, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति से संबंधित पात्र लाभार्थियों को छोटे ट्रैक्टर, पावर टिल्लर्ज, विडर्ज तथा अन्य आवश्यकता आधारित/अनुमोदित मशीनरी खरीदने के लिए 50 प्रतिशत उपदान प्रदान किया जाएगा।

विद्यार्थी बनेंगे वनों के मित्र

बैठक में विद्यार्थियों को वनों के महत्त्व तथा पर्यावरण संरक्षण में उनकी भूमिका के बारे में शिक्षित तथा जागरूक करने के लिए 'विद्यार्थी वन मित्र योजना' शुरू करने का निर्णय लिया गया। योजना का उद्देश्य प्रकृति के संरक्षण की दिशा में लगाव की भावना उत्पन्न करना है। योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता के साथ पौधारोपण करके वन आवरण में वृद्धि करना भी है। मंत्रिमंडल ने विभिन्न विभागों/निगमों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए गृह सुरक्षा तथा नागरिक सुरक्षा विभाग में मानदेय आधार पर गृह रक्षा वालंटियर चालकों के 103 रिक्त पद भरने को अपनी मंजूरी प्रदान की। बैठक में पुलिस विभाग में सीधी भर्ती के माध्यम से उप निरीक्षकों (कार्यकारी पुलिस) के 41 पद भरने को सहमति प्रदान की गई।

प्रदेश से बाहर ही होगी थर्मोकोल कटलरी की बिक्री

बैठक में राज्य में निर्मित की जा रही थर्मोकोल कटलरी को राज्य के बाहर बिक्री करने की स्वीकृति प्रदान की गई, क्योंकि राज्य में थर्मोकोल कटलरी पर पूर्ण प्रतिबंध है।

चंबा के सलूनी में अग्निशमन पोस्ट

मंत्रिमंडल ने चंबा जिला के सलूणी में आवश्यक पदों के सृजन सहित नई अग्निशमन पोस्ट खोलने की स्वीकृति प्रदान की। बैठक में कुल्लू जिला के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पतलीकूहल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्तरोन्नत करने तथा इस केंद्र के संचालन के लिए विभिन्न श्रेणियों के सात पदों के सृजन को मंजूरी प्रदान की गई।

14 नर्सिंग कॉलेज और खुलेंगे

मंत्रिमंडल ने नर्सिंग पाठ्यक्रमों का संचालन करने के लिए राज्य के 14 निजी नर्सिंग संस्थानों को अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करने की स्वीकृति प्रदान की। मंत्रिमंडल ने सूचना एवं जन संपर्क विभाग में सीधी भर्ती के माध्यम से अनुबंध आधार पर जूनियर कैमरामैन के 11 पदों के सृजन तथा इन्हें भरने और सहायक लोक संपर्क अधिकारी के पांच रिक्त पदों को भरने का निर्णय लिया।

हिमाचल मंत्रिमंडल के अन्य निर्णय

- गृह रक्षा वालंटियर चालकों के भरे जाएंगे 103 पद
- पुलिस उप निरीक्षकों के 41 पद भरने को भी स्वीकृति
- चंबा जिला के सलूणी में खुलेगी अग्निशमन पोस्ट
- नर्सिंग सिलेब्स संचालन को 14 निजी संस्थानों को एनओसी
- डीपीआर में 11 कैमरामैन, पांच एपीआरओ के पद सृजित
- कृषि विभाग में 17 जेई आईपीएच में 11

अब हिंदी में आएगी किसानों के लिए पुस्तकें

राज्यपाल की अधिकारियों को दो टूक

किसानों से उनकी भाषा में करें बात

द रीव टाइम्स ब्यूरो

कृषि विभाग के अधिकारियों को अंदाजा भी नहीं होगा कि जिस किताब का विमोचन वो राज्यपाल से करवाने जा रहे हैं उसी किताब पर उनकी अच्छी खासी क्लास लग जाएगी। राज्य अतिथि गृह पीटरहॉफ शिमला में शून्य लागत प्राकृतिक खेती पर आयोजित राज्यस्तरीय सम्मेलन में राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने जैसे ही कृषि विभाग की विजन–2022 पुस्तिका का विमोचन किया और इसे खोलकर देखा तो अपनी नाराजगी कुछ यूं जाहिर की, 'आपने खेती करनी नहीं... जिन्होंने खेती करनी है उन्हें समझ नहीं आएगा जो आपने किताब में लिखा है। खेती पर किताब छाप रहे हो तो कम से कम उस भाषा में लिखो, जिसे किसान जानते हैं। अगर किसानों को अंग्रेजी आती तो वे आपकी जगह होते।'

इसलिए खफा हुए राज्यपाल

राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर व अन्य अधिकारियों ने कृषि विभाग की विजन–2022 पुस्तिका का विमोचन किया । सम्मेलन के दौरान पीटरहॉफ का हॉल मंत्रियों, अधिकारियों व किसानों से भरा था। स्टेज पर राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, कृषि मंत्री रामलाल मार्कंडेय व पद्मश्री सुभाष पालेकर थे। उस दौरान जीरो बजट खेती से किसानों की आय दोगुना करने के लिए कृषि विभाग द्वारा तैयार पुस्तिका 'विजन–2022' को विमोचन के लिए लाया गया। राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने पुस्तिका का विमोचन किया। राज्यपाल ने जैसे ही पुस्तिका खोली तो उसे अंग्रेजी में देख अधिकारियों की क्लास लगा दी। उन्होंने कहा कि क्या यह पुस्तिका किसानों के लिए है? उन्होंने पुस्तिका को मेज पर पटक दिया। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को इसके लिए लताड़ भी लगाई ।

अब हिंदी में आएंगी किसानों के लिए पुस्तकें

राज्यपाल आचार्य देवव्रत व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों से संबंधित पुस्तकों को हिंदी में प्रकाशित किया जाए। ऐसा होने पर सभी किसानों को उसका लाभ मिलेगा।

शीत मरुस्थल में तितलियों की 38 प्रजातियों की हुई खोज

द रीव टाइम्स ब्यूरो

प्रदेश के शीत मरुस्थल कहे जाने वाली स्पीति घाटी सहित चंद्रताल झील में तितलियों की 38 प्रजातियां खोजी गई हैं। इन 38 प्रजातियों में से 13 प्रजातियां संरक्षित (शेड्यूल्ड) श्रेणी की हैं और कुछ दुर्लभ प्रजातियां भी शामिल हैं।

जानकारी के मुताबिक भारतीय प्राणी सर्वेक्षण विभाग के सोलन स्थित हाई अल्टीच्यूड रीजनल सेंटर (उच्च ऊंचाई क्षेत्रीय केंद्र) द्वारा किए गए स्पीति वैली सर्वे रिपोर्ट में हुआ है। इस सर्वे में तितलियों सहित 12 विभिन्न जीव समूहों की 211 प्रजातियां की गणना भी वैज्ञानिकों ने की है। भारतीय प्राणी सर्वेक्षण विभाग के सोलन स्थित हाई अल्टीच्यूड रीजनल सेंटर के वैज्ञानिकों ने प्रदेश के लाहुल–स्पीति जिला के स्पीति घाटी में करीब दो वर्षों तक यह सर्वे किया। 3050 मीटर से लेकर 4831 मीटर तक की ऊंचाई वाले क्षेत्रों में स्पीति वैली सहित चंद्रताल लेक में विभिन्न जीवों की प्रजातियों (इंवर्टीब्रेट एंड वर्टीब्रेट) को रिकार्ड करने के लिए सघन अभियान चलाया गया।

वैज्ञानिकों ने इस सर्वे में कुल 211 प्रजातियां विभिन्न 12 जीव समूहों के अंतर्गत रिकार्ड की।

57 साल पहले डूब गया था बिलासपुर का पुराना शहर

बीते 9 अगस्त को बिलासपुर के नए शहर ने स्थापना के 57 साल पूरे कर लिए। पुराने ऐतिहासिक शहर के नौ अगस्त, 1961 को जल समाधि लेने के बाद झील किनारे नए शहर का निर्माण होने के लिए भी इसी दिन को याद किया गया था।

नौ अगस्त, 1961 को बढ़ा जलस्तर

बिलासपुर की गोविंदसागर झील में कहलूर रियासत का रंग महल व नया महल ही नहीं डूबे, बल्कि उनसे भी पुराने महल शिखर शैली के 99 मंदिर, स्कूल, कालेज, पंचरुखी नालयां का नौण, दंडयूरी, बांदलिया, गोहर बाजार, सिक्खों का मुड में गुरुथान, गोपालजी मंदिर और कचहरी परिसर भी डूबा। नौ अगस्त, 1961 को पहली बार भाखड़ा बांध का जलस्तर बढ़ा, तो बिलासपुर का पुराना शहर डूब गया।

हिमाचल को एनडीआरएफ बटालियन

द रीव टाइम्स ब्यूरो

हिमाचल प्रदेश की भौगोलिक एवं आपदा संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की एक बटालियन केंद्रीय मंत्रिमण्डल ने स्वीकृत किया है। इस निर्णय से राज्य में आपदा प्रबन्धन को मजबूत करने कि लिए बल मिलेगा तथा आपदा की स्थिति में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल कम समय में आपदा ग्रस्त क्षेत्र में तैनात की जा सकेगी।

इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की स्थापना से स्थानीय लोगों को परोक्ष रूप से रोज़गार के अवसर भी सृजित होंगे।

उल्लेखनीय है कि हिमाचल सरकार कई वर्षों से भारत सरकार के साथ राज्य में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की स्थापना के लिए प्रयासरत थी। जुलाई 2016 में भारत सरकार ने राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, जाचपुर (नूरपुर) में जो राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल भटिंडा की एक टुकडी है, को स्थापित किया था। लेकिन प्रदेश की भौगोलिक एवं आपदा संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने प्रदेश में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की एक बटालियन स्थापित करने को मंजूरी प्रदान की है।

हिमाचल सार

प्रिय पाठकों, द रीव टाइम्स को आप सभी का भरपूर सहयोग मिल रहा है। इस समाचार पत्र को और अधिक ज्ञानवर्धक बनाने और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगात्मक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। आप सभी पाठकों से मिले सुझावों के आधार पर इस अंक से हिमाचल की समसामयिक घटनाओं के आधार पर प्रश्न–उत्तर श्रृखंला शुरू की जा रही है जो आने वाली परीक्षाओं के लिए काफी उपयोगी रहेगी।

1	हाल ही में सचिन की प्रो कबड्डी टीम तमिल थलाइवा ने हिमाचल के किस खेल मैदान का दौरा किया ?	1 नालागढ़ के दभोटा में
2	इस टीम के कप्तान कौन हैं?	2 अजय ठाकुर
3	अजय ठाकुर का संबंध किस गांव से है?	3 हिमाचल में सोलन जिले के दभोटा से
4	भारतीय कबड्डी टीम के कप्तान कौन है?	4 अजय ठाकुर
5	किन्नर कैलाश की ऊंचाई कितनी है?	5 24000 फीट
6	किन्नर कैलाश यात्रा को प्रतिबंध के बाद कब दोबारा आम लोगों के लिए खोला गया?	6 1993
7	हिंदी माह के अनुसार किन्नर कैलाश यात्रा कौन से माह में शुरू होती है?	7 श्रावण मास में
8	लालांति दर्रा किस जिले में है और इसकी ऊंचाई कितनी है?	8 किन्नौर में, 14,501 फीट
9	चारंग दर्रा किस जिले में है और इसकी ऊंचाई कितनी है?	9 किन्नौर में
10	कल्पा और त्रियुंग घाटी किस जिले में है?	10 17,218 फीट
11	हैलीपोर्ट कहां बन रहा है?	11 किन्नौर में। यंही से किन्नर कैलाश की परिक्रमा होती है।
12	हिमाचल में पहला अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा कहां बनेगा ?	12 मंडी के कंगलीधार में
13	मसरूर रॉक कट टैंपल कहां है और इसका निर्माण कब हुआ था ?	13 कांगड़ा में, मंदिर का निर्माण 8वीं शताब्दी में हुआ था।
14	हिमाचल के अजंता–एलोरा के नाम से प्रसिद्ध मसरूर मंदिर की खोज का श्रेय किसे जाता है?	14 मंदिर की खोज 1913 में एक अंग्रेज एचएल स्टलबर्थ ने खोजा।
15	मसरूर मंदिर किस नदी के किनारे स्थित है?	15 ब्यास नदी पर।
16	प्रदेश का पहला अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा कहां पर बनाया जा रहा है?	16 मंडी के बल्ह में।
17	हिमाचल में हाल ही में कितने दिव्यांगों ने नेट परीक्षा पास की ?	17 सात, इनमें चुनाव आयोग की यूथ आइकॉन मुस्कान भी शामिल है।
18	हाल ही में प्रदेश के किस स्थान पर बाबाबालक नाथ और अन्य देवी देवताओं से संबंधित कुछ मुर्तियां मिली है?	18 सुजानपुर के सलूही गांव में।
19	हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय का नया कुलपति किसे बनाया गया है ?	19 प्रो सिंकदर कुमार, वह 26वें कुलपति हैं।
20	हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय कब अस्तित्व में आया और इसके पहले कुलपति कौन थे ?	20 22 जुलाई 1970 में, डाक्टर आर के सिंह।
21	उड़े देश का आम नागरिक सेवा की शुरूआत कब और कहां से हुई ?	21 27 अप्रैल 2017 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिमला से की शुरू।
22	प्रदेश में कितने नेचर पार्क बनने प्रस्तावित है और किस जिले से इस अभियान की की शुरूआत की गई ?	22 प्रदेश में 22 नेचर पार्क बनेंगे। इस अभियान के तहत हाल ही में नेचर पार्क का शिलान्यास शिमला के पर्यटन स्थल ग्लेन में किया गया।
23	हिम घी किस फैडरेशन का उत्पाद है ?	23 मिल्कफैड का।
24	हार्न नॉट ओके अभियान किन जिलों में चलाया जा रहा है ?	24 शिमला और मनाली में।
25	हाल ही में किस उद्देश्य से स्पेशल स्क्वायड बनाया गया है ?	25 विभिन्न विभाग द्वारा किए जाने वाले निर्माण कार्यों की गुणवत्ता जांच के लिए।
26	उड़ान दो योजना कहां के लिए प्रस्तावित है ?	26 शिमला और धर्मशाला से मनाली के लिए।

अनुच्छेद 35-ए पर सुप्रीम कोर्ट में 27 अगस्त को होगी अगली सुनवाई

द रीव टाइम्स ब्यूरो

सर्वोच्च न्यायालय में अनुच्छेद 35– ए को चुनौती देने वाली जनहित पर सुनवाई टली, अगली सुनवाई 27 अगस्त को होगी।

सर्वोच्च न्यायालय में अनुच्छेद 35–ए को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई टल गई है। बताया जा रहा है कि तीन जजों की बेंच में से एक जज छुट्टी पर थे, जिस कारण सुनवाई सोमवार को नहीं हो सकी। तीन जजों की बेंच में जस्टिस चंद्रचूड़ भी शामिल हैं, जो कि छुट्टी पर हैं। अब मामले की अगली सुनवाई 27 अगस्त को होगी।

अनुच्छेद 35–ए को पहले की तरह कुछ समय के लिए स्थगित किया जाता है या नहीं। इस पर पूरे देश की निगाहें टिकी हुई हैं। अनुच्छेद के हटने की आशंका को देखकर कश्मीर में बने तनाव के माहौल बीच सोमवार को मामले की सुनवाई नहीं हुई। हालांकि ये तनाव फिलहाल खत्म होता नजर नहीं आ रहा है। बता दें कि अनुच्छेद 35–ए के तहत जम्मू–कश्मीर राज्य को विशेष शक्तियां मिली हुई हैं।

कोर्ट में क्या हुआ?

सोमवार को अनुच्छेद 35–ए पर सुनवाई टल जाने के कारण अब अगली सुनवाई में ही यह तय हो सकेगा कि इस मसले की सुनवाई संविधान पीठ करेगी या नहीं। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्र ने याचिकाकर्ता से यह सवाल पूछा है कि क्या यह मसला संविधान पीठ जाना चाहिए या नहीं। सीजेआई ने कहा कि हमें यह तय करने की जरूरत है कि क्या इस मामले को पांच जजों की बेंच के पास भेजें या नहीं। इसे अब तीन जजों की कमेटी तय करेगी। दरअसल, संविधान पीठ की सिफारिश के लिए तीन जज चाहिए, लेकिन सोमवार को अदालत में दो जज ही मौजूद थे।

जस्टिस चंद्रचूड़ अभी छुट्टी पर थे, इस कारण यह फैसला नहीं हो सका। धारा 35–ए के खिलाफ सुनवाई को सुप्रीम ने सोमवार को 27 अगस्त तक स्थगित कर दिया गया। लेकिन इस याचिका के खिलाफ अलगाववादियों द्वारा आयोजित दो दिवसीय बंद दूसरे दिन भी पूरी तरह प्रभावी नजर आया। इस बीच पुलिस ने धारा 35–ए और धारा 370 के संरक्षण को यकीनी बनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र सैन्य पर्यवेक्षक कार्यालय में ज्ञापन देने जा रहे कश्मीर इकोनामिक एलांयस के मार्च को बलपूर्वक नाकाम बना दिया।

गौरतलब है कि जम्मू कश्मीर के स्थानीय नागरिकों को परिभाषित करने व उनके लिए विशेष सुविधाओं का प्रावधान करने वाली भारतीय संविधान की धारा 35–ए के खिलाफ दायर याचिका को रद करने के लिए अलगाववादियों के साझा संगठन ज्वाइंट रेजिस्टेंस लीडरशिप (जेआरएल) ने दो दिवसीय (पांच–छह अगस्त) कश्मीर बंद का आहवान कर रखा है। बंद को कश्मीर के सभी व्यापारिक, सामाजिक संगठनों और ट्रेड यूनियनों ने भी समर्थन दिया है। हालांकि नेकां और पीडीपी ने बंद का खुलकर समर्थन नहीं किया है,लेकिन परोक्ष रूप से यह संगठन भी इस मुद्दे पर बंद के हक में हैं।

कश्मीर में हालात चिंताजनक अलगाववादी नजरबंद

अलगाववादियों द्वारा इस सिलसिले मे आयोजित धरना–प्रदर्शनों को रोकने के लिए प्रशासन ने अलगाववादी हुर्रियत चेयरमैन मीरवाईज मौलवी उमर फारुक, कटटरपंथी सईद अली शाह गिलानी, पीपुल्स पोलिटीकल पार्टी के चेयरमैन हिलाल अहमद वार, तहरीक–ए–हुर्रियत कश्मीर के प्रमुख मोहम्मद अशरफ सहराई समेत सभी प्रमुख अलगाववादी नेताओं को उनके घरों में ही नजरबंद कर दिया था। जबकि जम्मू–कश्मीर लिबरेशन फ्रंट के चेयरमैन यासीन मलिक नजरबंदी से बचने के लिए अपने घर पर पुलिस के पहुंचने से इस बीच पूरी वादी में बंद का असर नजर आया। सभी दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। सड़कों पर वाहनों की आवाजाही भी नाममात्र ही रही। ग्रीष्मकालीन राजधानी के डाऊन–टाऊन में कई जगह निषेधाज्ञा को सख्ती से लागू किया गया था। दक्षिण कश्मीर के शोपियां, अनंतनाग, पहलगाम और कुलगाम में भी कई जगह प्रशासन ने हालात को काबू में रखने के लिए धारा 144 को लागू किया गया।

कश्मीर इकोनामिक एलांयस के बैनर तले जमा हुए कश्मीर के विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों और कार्यकत्ताओं ने धारा 35–ए व धारा–370 के संरक्षण के हक में नारेबाजी करते हुए संयुक्त राष्ट्र के कार्यालय की तरफ मार्च किया। यह लोग जम्मू– कश्मीर की विशिष्ट पहचान और विशिष्ट अधिकारों के संरक्षण के लिए भारत सरकार पर दबाव बनाने और कश्मीरियों में जनमत संग्रह कराने को यकीनी बनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र के कश्मीर तैनात अधिकारियों को एक ज्ञापन भेंट करना चाहते थे। लेकिन पुलिस ने रास्ते में ही इन लोगों को रोक लिया। जब यह लोग नारेबाजी करते हुए जबरन आगे जाने लगे तो पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करते हुए इनके मार्च को नाकाम बना दिया।

इस मुद्दे पर होने वाले प्रदर्शनों के बहाने आतंकी संगठन किसी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकते हैं। उसका जिम्मा सुरक्षा एजेंसियों के माथे मढ़ने की फिराक में बैठे हैं। एक अन्य खुफिया एजेंसी के अलर्ट के मुताबिक, राज्य पुलिस में भी इस मामले को लेकर तनाव की स्थिति नजर आ रही है। सूत्रों ने बताया कि राज्य प्रशासन ने सुरक्षा का कड़ा बंदोबस्त करते हुए सभी सुरक्षा एजेंसियो को अलर्ट रहने के लिए कहा है।

हल्का वायु प्रदूषण भी हृदय के लिए नुकसानदायक

द रीव टाइम्स ब्यूरो

सेहत के लिए निम्न स्तर का वायु प्रदूषण भी नुकसानदायक हो सकता है। एक नए अध्ययन में आगाह किया गया है कि ऐसे माहौल में लगातार रहने से हृदय में बदलाव आ सकता है। यह बदलाव वैसा ही हो सकता है जैसा कि हार्ट फेल होने की प्रारंभिक अवस्था में होता है। ब्रिटेन की क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने यह निष्कर्ष करीब चार हजार लोगों पर किए अध्ययन के आधार पर निकाला है।

इन प्रतिभागियों से उनकी जीवनशैली, हेल्थ रिकार्ड और उनके निवास के बारे में जानकारी एकत्र की गई थी। इनके हृदय का आकार, वजन और कार्यक्षमता का पता लगाने के लिए हार्ट एमआरआइ (मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग) जांच की गई।

इसमें शोरगुल और व्यस्त सड़कों के आसपास रहने वाले लोगों का नाइट्रोजन डाईआक्साइड या पीएम 2.5 (वायु प्रदूषण के सूक्ष्म कण) से सीधा संबंध पाया गया। प्रमुख शोधकर्ता नाय आंग ने कहा, 'हमें निम्न स्तर के वायु प्रदूषण में भी हृदय में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिला।'

अनियमित दिनचर्या और खानपान में पोषण की कमी के कारण दिल की बीमारियां बढ़ रही हैं। हार्ट अटैक, हाइपरटेंशन, दिल की धड़कन का असामान्य होने जैसी कई समस्यायें हो रही हैं जिनका सीधा संबंध दिल से है। इसके अलावा दिल के लिए प्रदूषण भी बहुत खतरनाक है, अगर आप अधिक समय तक

किशोरों को आक्रामक बना सकता है वायु प्रदूषण

एनजीटी ने कहा- स्कूलों से होने वाले प्रदूषण को रोके सरकार

प्रदूषण में अपना वक्त बिताते हैं तो आप अपने दिल को कमजोर बनाते हैं।

राज्यसभा उपसभापति चुनाव: एनडीए के हरिवंश नारायण विजयी, पीएम मोदी ने दी बधाई

द रीव टाइम्स ब्यूरो

एनडीए की नरेंद्र मोदी सरकार राज्यसभा में जीत गई है। राज्यसभा में उप–सभापति पद का चुनाव एनडीए के हरिवंश नारायण ने जीत लिया । पीएम मोदी ने बधाई दी । उन्होंने कहा कि हरिवंश जी कलम के धनी हैं और वह पूर्व पीएम चंद्रशेखर के चहेते रहे हैं। जहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की तरफ से जद(यू) के राज्यसभा सांसद हरिवंश नारायण सिंह उम्मीदवार थे, वहीं विपक्ष ने कांग्रेस के सांसद बीके हरिप्रसाद को मैदान में उतारा था। राजनीति के जानकार मान रहे थे कि हरिवंश नारायण ही जीतेंगे । वोटिंग से पहले दोनों ही उम्मीदवारों ने अपनी जीत का दावा किया था । वहीं बीजू जनता दल ने हरिवंश सिंह को अपना समर्थन देने का ऐलान किया है । जिसकी वजह से मोदी सरकार का पलड़ा काफी मजबूत नजर आ रहा था । इसी बीच कांग्रेस के उम्मीदवार ने अपनी जीत का दावा करते हुए कहा था कि विपक्ष एकजुट है और हमारे पास पर्याप्त आंकड़े मौजूद हैं।

एक तरह से देखा जाए तो कांग्रेस को चारों खाने चित्त करके एनडीए परेशानी में डाले हुए हैं । अविश्वास प्रस्ताव का धड़ाम से गिरना क्या कम था कि अब राज्यसभा में उपसभापति के चुनाव में भी हार का सामना करना पड़ा । 2019

लखनऊ अधिवेशन 1916 में पड़ी थी गांधी के महात्मा बनने की नींव

द रीव टाइम्स ब्यूरो

यह अधिवेशन 26 से 30 दिसंबर के बीच अंबिका चरण मजूमदार की अध्यक्षता में हुआ था। अधिवेशन में चम्पारण के लोगों की बापू से पहली मुलाकात हुई थी।

25 दिसंबर 1916 से पहले मोहनदास करमचंद गांधी को हर कोई बैरिस्टर कहकर संबोधित करता था, लेकिन राजधानी लखनऊ में हुए काग्रेस के 31वें अधिवेशन में गांधी जी के बैरिस्टर से महात्मा बनने की नींव पड़ी थी। यह अधिवेशन 26 से 30 दिसंबर के बीच अंबिका चरण मजूमदार की अध्यक्षता में हुआ था। अधिवेशन में चम्पारण के लोगों की बापू से पहली मुलाकात हुई थी। जिसके बाद वह किसानों को उनका अधिकार दिलाने चम्पारण गए।

इसी दौरान गांधी जी ने देश के दीनहीन लोगों को देखा जिनके पास पहनने के लिए वस्त्र तक नहीं थे। इसी के बाद उन्होंने बैरिस्टर की पोशाक त्यागकर एक धोती पहनने का संकल्प लिया और उनके बैरिस्टर से महात्मा बनने की नींव पड़ी।

महात्मा गांधी ने 'नील के दाग' शीर्षक से लिखे अपने लेख में इसका उल्लेख भी किया था कि जब मैं लखनऊ काग्रेस (वर्ष 1916) में गया, तो वहा एक किसान राजकुमार शुक्ल 'वकील बाबू आपको सब हाल बताएंगे' वाक्य कहता जाता और मुझे चम्पारण आने का निमंत्रण देता जा रहा था। वकील बाबू से मतलब था, चम्पारण (बिहार) के वकील ब्रजकिशोर बाबू से। राजकुमार और ब्रजकिशोर दोनों मेरे तम्बू में आए और चम्पारण के किसानों का दर्द बया किया। मैंने उन्हें चम्पारण आने का आश्वासन दिया। फिर जब मैं लखनऊ से कानपुर गया तो वहां भी राजकुमार मौजूद थे। बाद में आश्रम पहुंचा तो वहां भी वह साथ–साथ थे। मैंने उनसे कहा मुझे कलकत्ता जाना है, आप वहा आकर मुझे चम्पारण ले चलना।

कलकत्ता में भूपेन बाबू के यहां मेरे पहुंचने से पहले ही राजकुमार शुक्ला ने वहां डेरा डाल दिया था। 1917 में हम दोनों कलकत्ता से चम्पारण रवाना हुए। चम्पारण राजा जनक की भूमि है। जिस तरह चम्पारण में आम के वन हैं, उसी तरह नील के खेत थे। चम्पारण के किसान अपनी ही जमीन के 3/20 भाग में नील की खेती उसके असल मालिकों के लिए करने को कानून से बंधे हुए थे।

किसानों के खिलाफ मुकदमे चल रहे थे। उनकी दुर्दशा देख गांधी जी ने अपनी पुरानी वेशभूषा त्याग किसानों की तरह सफेद धोती धारण कर उनके समान जीवन जिया। चम्पारण में रहकर उन्होंने लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी। इस घटना के बाद से ही बैरिस्टर गांधी देशवासियों के लिए महात्मा बन गए।

देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की बापू से पहली मुलाकात लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर हुई थी। इस मुलाकात में पंडित जी बापू के विचारों से काफी प्रभावित हुए।

गांधी जी 26 दिसंबर 1916 को पहली बार काग्रेस के अधिवेशन में लखनऊ आए थे। अधिवेशन में मोती लाल नेहरू, जवाहर लाल नेहरू और सैयद महमूद ने लोगों को संबोधित किया था। वह पाच दिन शहर में थे।

छत्तीसगढ़ : पहली बार भारी बारिश में जंगल में उतरी फोर्स, 15 नक्सली ढेर

द रीव टाइम्स ब्यूरो

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों से मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। सुरक्षा जवानों ने 15 नक्सलियों को मार गिराया है।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों से मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। सुरक्षा जवानों ने 15 नक्सलियों को मार गिराया है, जबकि 16 हथियार भी बरामद किए हैं। यह मुठभेड़ नक्सल प्रभावित सुकमा जिले के गोलापल्ली थाना क्षेत्र के जंगलों में हुई। फिलहाल सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके के घेर कर छानबीन शुरू कर दी है।

एक और ऑपरेशन चल रहा है

एंटी–नक्सल ऑपरेशन के स्पेशल डीजी ने बताया, '15 नक्सलियों को ढेर किया गया। इसके अलावा एक महिला नक्सली के साथ 5 लाख रुपये का इनामी नक्सली भी गिरफ्तार किया गया। हमें शिविर में 20–25 लोगों के होने की जानकारी थी। सुकमा के आंतरिक क्षेत्र में एक और ऑपरेशन चल रहा है।'

सुकमा में भारी बरसात में पहली बार पुलिस और सुरक्षाबलों की टीम नक्सलियों के खिलाफ जंगल में मोर्चे पर उतरी। यहां जंगलों में सुबह हुई मुठभेड़ में पुलिस और सुरक्षाबलों ने 14 नक्सलियों को मार गिराया। एसपी अभिषेक मीणा ने घटना की पुष्टि की है। बताया जा रहा है कि मौके पर करीब 200 नक्सली मौजूद थे।

जानकारी के मुताबिक गोलापल्ली थाना क्षेत्र से जवान सर्चिंग पर निकले थे। इसी दौरान नक्सलियों से उनका सामना हो गया। दोनों तरफ से तकरीबन एक घंटे तक गोलीबारी चलती रही। इसके बाद नक्सलियों की ओर से फायरिंग बंद हो गई। जवानों को मोर्चे पर भारी पड़ता देख नक्सली वहां से भाग खड़े हुए। घटना में करीब 14 नक्सली मारे गए।

मौसम विभाग का अनुमानः अगले दो महीने में होगी खूब बारिश, किसानों के होंगे 'अच्छे दिन'

द रीव टाइम्स ब्यूरो

दक्षिण–पश्चिमी मानसून के मौसम में दूसरी दीर्घावधि की भविष्यवाणी में भारतीय मौसम विभाग ने कहा है कि अगस्त और सितंबर में मानसून की बारिश सामान्य रहेगी। अगले दो महीनों में पर्याप्त बरसात जारी रहेगी इसलिए खरीफ के मौसम में कृषि की अच्छी उपज की उम्मीदें हैं।

करीब एक सौ चालीस लाख करोड़ रुपये की भारतीय अर्थव्यवस्था मूलतः कृषि आधारित है जो कि मानसून की बारिश पर ही आश्रित है। देश की आधी से अधिक आबादी कृषि कार्यो से ही जीविकोपार्जन करती है। भारत पहले ही कपास और दलहन का सबसे बड़ा उत्पादक देश है।

वहीं गन्ने और धान की खेती में भारत का दूसरा स्थान है। लिहाजा, भरपूर मानसूनी बारिश से खरीफ की फसलें अच्छी होने की उम्मीद है। कृषि सहयोग और किसान कल्याण विभाग के अनुसार किसानों ने ग्रीष्मकालीन फसलें 7.38 करोड़ हेक्टेयर में बोई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय किसानों की आय वर्ष 2022 तक दोगुनी करने का आश्वासन दिया है।

17 दिन पहले ही देशभर में छा गया मानसून, राहत के साथ आफत भी बनी बारिश

भारतीय मौसम विभाग (आइएमडी) के अनुसार जुलाई के अंत तक के मौसम को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि बिहार, झारखंड और पूर्वोत्तर के राज्यों को छोड़कर समूचे देश में अच्छी बारिश हुई है। अगस्त 2018 में बरसात एलपीए (लांग पीरियड एवरेज) का 96 फीसद (+/–9 फीसद) हो सकती है।

जून से सितंबर तक चलने वाले मानसून सीजन के लिए देश भर में गुणात्मक बरसात इसके दूसरे चरण यानी अगस्त और सितंबर में एलपीए का 95 फीसद होने की संभावना है। इसमें +/– की आदर्श त्रुटि 8 फीसद की हो सकती है। मानसूनी बरसात इस दफा एलपीए का 96–104 प्रतिशत हो सकती है। 90–96 फीसद की बारिश सामान्य से कम मानी जाती है। हालांकि आइएमडी के अतिरिक्त महानिदेशक एम. मोहपात्रा ने कहा कि अगस्त और सितंबर में सामान्य बारिश 94–100 फीसद

महिलाओं के लिए ब्रेस्ट कैंसर से ज्यादा घातक साबित हो रही यह बीमारी

द रीव टाइम्स ब्यूरो

जर्नल कैंसर रिसर्च में प्रकाशित एक रिसर्च के अनुसार, फेफड़े के कैंसर की मृत्यु दर 2030 में सबसे ज्यादा यूरोप और ओशनिया में होगी।

कैंसर एक ऐसी बीमारी है, जिसका पूरी तरह से इलाज अब भी नहीं मिल पाया है। शरीर के अलग–अलग हिस्सों में होने वाला कैंसर अक्सर जानलेवा साबित होता है। महिलाओं की बात करें तो ब्रेस्ट कैंसर एक आम बात है। अब तक माना भी जाता रहा है कि महिलाओं में कैंसर से होने वाली मौतों में ज्यादातर की वजह ब्रेस्ट कैंसर होता है। लेकिन हाल में एक रिसर्च आयी है, जो इस धारणा को ध्वस्त करती है।

इस रिसर्च के अनुसार ब्रेस्ट कैंसर की बजाए लंग कैंसर से ज्यादा महिलाओं की मौत होती है। रिसर्च में यह बात सामने आयी है कि महिलाओं में फेफड़े के कैंसर की मृत्यु दर 2015 से 2030 के बीच 43 फीसद तक बढ़ने की आशंका है। यह आंकड़ा 52 देशों के आंकड़ों के विश्लेषण में सामने आया है।

जर्नल कैंसर रिसर्च में प्रकाशित इस रिसर्च के अनुसार, फेफड़े के कैंसर की मृत्यु दर 2030 में सबसे ज्यादा यूरोप और ओशनिया में होगी। यही नहीं 2030 में फेफड़ों के कैंसर की मृत्यु दर सबसे कम अमेरिका और एशिया में अनुमानित है। स्पेन की इंटरनेशनल डी कैटालुन्या युनिवर्सिटी (यूआईसी बार्सिलोना) में सहायक प्रोफेसर जोस मार्टिनेज–सांचेज का कहना है, 'हमने वैश्विक स्तर पर स्तन कैंसर (ब्रेस्ट कैंसर) की मृत्यु दर को कम करने में बड़ी प्रगति की है, लेकिन महिलाओं में फेफड़े के कैंसर की मृत्यु दर दुनियाभर में बढ़ रही है।'

मार्टिनेज सांचेज का कहना है कि अगर हम जनसंख्या में धूम्रपान के व्यवहार को कम करने के उपायों का क्रियान्वयन नहीं करते हैं तो भविष्य में फेफड़े के कैंसर की मृत्यु दर दुनियाभर में तेजी से बढ़ेगी।

इस रिसर्च के लिए शोधकर्ताओं ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मृत्युदर डेटाबेस से महिलाओं के ब्रेस्ट कैंसर और लंग कैंसर की मृत्युदर का विश्लेषण किया है। रिसर्च में कहा गया है कि इसके बाद प्रत्येक देश की महिलाओं के लिए लंग व ब्रेस्ट कैंसर की मृत्युदर की गणना की गई है।

सबसे अधिक डिप्रेशन में रहते हैं तीन लाख तक कमाने वाले

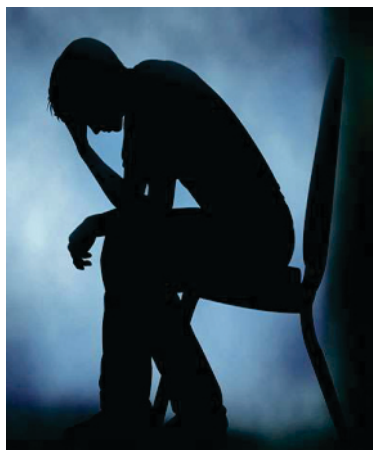

द रीव टाइम्स ब्यूरो

तनाव के कारणों पर देशभर के आठ शहरों में कराए गए सर्वे में चौकाने वाली बातें सामने आई हैं। आगरा में रिलेशनशिप तो दिल्ली में पैसों की किल्लत है मुख्य वजह। इसी तरह कानपुर में व्यापार में हानि से तनाव में रहते हैं सबसे अधिक लोग जबकि वाराणसी, हिसार, पटना और रांची के लोगों ने परिजनों की देखभाल तनाव की मुख्य वजह सामने आई।

यह रिसर्च दिल्ली फार्मास्यूटिकल साइंस रिसर्च यूनिवर्सिटी की ओर से हाल ही में कराया गया था। यूनिवर्सिटी की ओर से इस रिसर्च के तहत वेदालाइफ ने आगरा, दिल्ली, कानपुर, चंडीगढ़, हिसार, पटना, रांची और वाराणसी में लोगों के बीच जाकर तनाव के कारणों को जाना। वेदालाइफ के निदेशक डॉ. प्रणव प्रकाश के अनुसार रिसर्च में सामने आया कि जैसे–जैसे लोगों की शैक्षिक योग्यता का स्तर बढ़ता गया, उनके तनाव में भी वृद्धि होती गई।

10वीं पास की तुलना में पोस्ट ग्रेजुएट लोग तीन गुना तक अधिक डिप्रेशन के शिकार पाए गए। आगरा और चंडीगढ़ में तनाव की मुख्य वजह रिलेशनशिप रही, जबकि आर्थिक तंगी दूसरे और ऑफिस के काम का तनाव तीसरे स्थान पर रहा। आगरा में यह सर्वे 600 लोगों के बीच किया गया। इनमें से 134 ने रिश्तों को लेकर तनाव अहम कारण बताया जबकि 112 ने तनाव के पीछे आर्थिक तंगी और 91 ने कामकाजी कारण बताए।

आठ घंटे से कम सोने से हो सकता है इस बीमारी का खतरा

सर्वे में सामने आया कि एक से तीन लाख रुपये वार्षिक आय वाले सबसे अधिक तनाव में रहते हैं। वहीं तीन से पांच लाख तक कमाने वाले इससे कुछ कम तनाव लेते हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि एक लाख से कम कमाने वाले लोगों में तनाव कम पाया गया। वाराणसी, हिसार, पटना और रांची के लोगों के बीच सर्वे में आधुनिक समाज का कड़वा सच भी सामने आया। यहां तनाव की मुख्य वजह परिजनों की देखभाल को बताया गया। कानपुर में 400 लोगों के बीच किए गए सर्वे में व्यापार में हानि को लेकर सर्वाधिक चिंताग्रस्त पाए गए।

अब चांद पर धूम मचाने को तैयार भारत, चांद की सतह पर उतारेगा रोवर

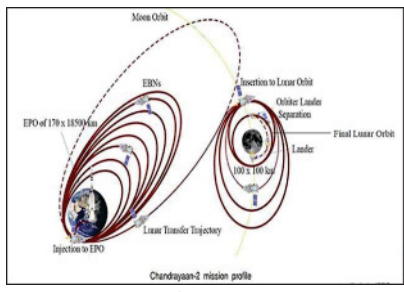

द रीव टाइम्स ब्यूरो

चंद्रयान प्रथम के कामयाब प्रक्षेपण के बाद इसरो चंद्रयान द्वितीय को भेजने की तैयारी में जुटा है। इस अभियान में चांद की सतह पर रोवर उतार कर देश अंतरिक्ष विज्ञान में परचम लहराएगा। चंद्रयान–2 का प्रक्षेपण इसी साल अक्टूबर में किया जाना था, लेकिन किन्हीं कारणों से इसे दिसंबर 2018 तक के लिए टाल दिया गया है। अब ये प्रक्षेपण 2019 में ही मुमकिन हो पाएगा। इस कारण इजरायल को चांद तक पहुंचने का मौका भारत से पहले मिल सकता है। दरअसल, इस साल के अंत में इजरायल की एक कंपनी चांद पर अपना मिशन भेजने की तैयारी में है।

क्या है अभियान

मानव रहित मिशन के तहत चंद्रयान द्वितीय नामक उपग्रह को चांद की कक्षा में स्थापित करना एवं चांद की सतह पर रोवर उतारना। जीएसएलवी एमके–3 से इसे अंतरिक्ष भेजा जाएगा। अपने छह पहियों के साथ 20 किग्रा का रोवर सौर ऊर्जा से चलेगा। एक साल तक काम करने वाला रोवर एक घंटे में 360 मीटर चलने के साथ 150 किमी की दूरी तय करने में सफल हो सकेगा।

लैंडर और चलायमान रोवर को चंद्रमा के मैंजीनस सी और सिंपेलियस एन क्रेटर्स के पास उतारने की योजना है। अगर सबकुछ योजना के अनुसार हुआ तो चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर रोवर उतारने वाला भारत पहला देश बनेगा। रोवर सतह से अलग– अलग जगहों के नमूने लेगा। इन नमूनों के आंकड़ों को कक्षा में स्थापित चंद्रयान द्वितीय उपग्रह द्वारा पृथ्वी पर नियंत्रण कक्ष में भेजा जाएगा। इसके आकलन से आगामी मानव चंद्र अभियानों में सहायता मिलेगी।

12 नवंबर 2007 को रूसी अंतरिक्ष एजेंसी और इसरो के बीच चंद्रयान द्वितीय पर काम करने की सहमति हुई। कक्षा में परिक्रमा करने वाले उपग्रह और रोवर की जिम्मेदारी इसरो पर जबकि रॉस्कोस्मोस (रूसी अंतरिक्ष एजेंसी) पर लैंडर मुहैया कराने की जिम्मेदारी थी। हालांकि रूस के मंगल अभियान फोबोस– ग्रंट के विफल होने पर रूस ने इस परियोजना से हाथ खींच लिए। लिहाजा लांचिंग की तारीख टलती गई। अब भारत अपने बलबूते पूरे अभियान को अंजाम देने जा रहा है।

चंद्रयान–1 और मंगलयान मिशन के बाद चंद्रयान–2 इसरो के लिए एक बहुत बड़ा मिशन है। इसरो से जुड़े अधिकारी ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर बताया, हम कोई भी जोखिम नहीं लेना चाहते हैं।' ऐसे में अब चंद्रयान–2 मिशन को जनवरी में रवाना किया जा सकता है। इस संबंध में इसरो अध्यक्ष के. सिवन से संपर्क नहीं हो पाया है। अप्रैल में उन्होंने सरकार को अक्टूबर–नवंबर में होने वाले प्रक्षेपण को टालने की सूचना दी थी।

डायबिटीज मरीजों के लिए खुशखबरी, अब पेड़ पर लगेंगे शुगर फ्री अमरूद

द रीव टाइम्स ब्यूरो

वैज्ञानिकों का दावा है कि एक ही पेड़ पर शुगर फ्री व मीठे अमरूद लगाए जा सकते हैं। शुगर फ्री अमरूद का वजन सामान्य अमरूद से ज्यादा होता है।

डायबिटीज के मरीज अब बेफिक्र होकर अमरूद का लुत्फ उठा सकते हैं। वैज्ञानिकों ने विशेष प्रकार के थाई अमरूद के पौधे पर यह प्रयोग किया है। उनका दावा है कि एक ही पेड़ पर शुगर फ्री व मीठे अमरूद लगाए जा सकते हैं। शुगर फ्री अमरूद का वजन सामान्य अमरूद से ज्यादा होता है।

मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में कृषि महाविद्यालय के वैज्ञानिक हरिसिंह ठाकुर ने किसान राजेश बग्गड़ के खेत में विशेष किस्म के लगभग 2500 पौधे लगवाए हैं। वैज्ञानिक ने इसके फल भी शुगर के मरीजों को खिलाए और उनका परीक्षण भी किया। साथ ही अमरूद का स्वाद भी जाना। बेहतर परिणाम मिलने के बाद अब इसे मार्केट में बेचना शुरू कर दिया है।

ऐसे तैयार करते हैं शुगर फ्री अमरूद

ठाकुर ने बताया कि एक पेड़ पर शुगर फ्री व मीठे, दोनों प्रकार के अमरूद लगाने के लिए विशेष प्रक्रिया अपनाई जाती है। जिन अमरूद को शुगर फ्री बनाया है, उसे सूर्य की किरणों

डायबिटीज से लेकर कैंसर तक के रोगों के लिए रामबाण है अमरूद देश में सबसे अच्छी है इसकी किस्म

से बचाकर रखना होता है। इसके लिए सबसे पहले फोम का कवर लगाते हैं। दूसरी चरण में पॉलीथिन लगाते हैं, जिसका मुंह नीचे से कटा होता है। अंत में कागज या कागज के लिफाफे से ढंका जाता है।

इस पूरी प्रक्रिया में एक से डेढ़ माह का समय लगता है। जब ये पक जाते हैं तो इन्हें तोड़कर अलग रख लिया जाता है। इस पर किसी प्रकार का दाग या धब्बा भी नहीं होता। ये सामान्य अमरूद से स्वच्छ और साफ होते हैं, साथ ही इन पर किसी प्रकार के रसायन का प्रयोग भी नहीं किया जाता। ये आकार व वजन में मीठे अमरूद से बड़े होते हैं।

वैज्ञानिक का कहना है कि इसकी किस्म देश में सबसे अच्छी किस्म के रूप में आई है। इसके एक पेड़ पर लगभग 80 किलो तक अमरूद लगते हैं। एक अमरूद का औसत वजन 1.25 किलो होता है। इसकी उपज किसान अपनी मर्जी से कभी भी ले सकता है। साढ़े पांच महीने पहले से इसकी तैयारी शुरू करना होती है। इसके बाद जिस मौसम में चाहे अमरूद लगाया जा सकता है। यह 20 से 22 दिन तक खराब भी नहीं होता है। सामान्य अमरूद तीन से पांच दिन में ही खराब हो जाता है। इस कारण इसके दिल्ली व मुंबई में थोक दाम 185 रुपये और फुटकर में 300 रुपए किलो तक हैं।

राजनीति के द्रविड़ पितामह एम करुणानिधि : अलविदा

तमिलनाडु की राजनीति के एक युग का अंत

तमिलनाडु की राजनीति का आज दूसरा युग समाप्त हो गया । डीएमके नेता एम करुणानिधि का देहांत हो गया । 94 साल के करुणानिधि 28 जुलाई से अस्पताल में भर्ती थे । तमिलनाडु में जयललिता और करुणानिधि का लंबा दौर चला है । 5 दिसंबर 2016 को जयललिता के निधन के बाद तमिलनाडु की राजनीति अनिश्चतता से गुजर रही थी । 5 बार मुख्यमंत्री रहे एम करुणानिधि के निधन ने राज्य की राजनीति का मैदान खुला छोड़ दिया है । जयललिता और करुणानिधि की राजनीति सिर्फ प्रतिस्पर्धा की राजनीति नहीं थी, दोनों ने विचारधारा के स्तर पर कई रेखाएं खीचीं हैं । आज स्क्रीन पर आप भले ही करुणानिधि के उदास और टूटे हुए समर्थकों को देख रहे हैं मगर इस शख्स ने तमिलनाडु का गजब का इतिहास लिखा है । आप जानते है कि डीएमके की स्थापना अन्ना दुरई ने की थी. इस पार्टी में नौजवान नेता के रूप में एम करुणानिधि आए थे । इससे पहले वे पत्रकारिता में थे ।

करुणानिधि फिल्म लिख रहे थे और एम जी आर सुपर स्टार बन रहे थे । इस दोस्ती का एक परिणाम यह हुआ कि एम जी आर कांग्रेस पार्टी छोड़ 1953 में डीएमके में आ गए. अन्ना दुरई और करुणानिधि ने देखा कि एम जी आर की लोकप्रियता उनके राजनीतिक संदेशों को फैलाने में खूब काम आ रही है। लेकिन यह दोस्ती बहुत लंबी नहीं चली। करुणानिधि जब मुख्यमंत्री बने तो एम जी आर ने उनसे कहा कि मुझे स्वास्थ्य मंत्री बना दें, करुणानिधि ने मना कर दिया। कहा कि पहले एक्टिंग छोड़ो फिर मंत्री बनो। इस बात पर अलग–अलग राय है कि एम जी आर क्यों करुणानिधि से अलग हुए मगर यह भी इतिहास का एक शानदार मोड़ है कि एम जी आर उनसे अलग होकर एआईडीएमके बनाते हैं और उनके प्रतिद्वंदी बन जाते हैं। उसके बाद राज्य और भारत की राजनीति एक लंबे दौर तक दोनों की सियासी प्रतिस्पर्धा की गवाह बनती है । पहले एम जी आर का निधन हुआ, उसके लंबे समय बाद जे जयललिता का और उसके बाद अब एम करुणानिधि ।

कहानी तो यह भी कि है कि एम जी आर अलग होने के बाद भी करुणानिधि की इतनी इज्जत करते थे कि एक बार उनकी पार्टी के नेता ने उनका आदर से नाम नहीं लिया तो उन्होंने चांटा जड़ दिया और कहा कि करुणानिधि मेरे नेता हैं । मैं खुद उन्हें कलैंगर कहता हूं। तो ये कहानी है जो आज खत्म हो गई । तमिलनाडू के लोग जो इन दो नेताओं के पीछे राजनीतिक प्रतिस्पर्धा करते थे, वो आज कैसा महसूस कर रहे होंगे, यहां दूर से बताना मुश्किल है । दक्षिण की राजनीति के दो महानयकों की विदाई का विश्लेषण सिर्फ रूटीन बातों से नहीं हो सकता है । यूपीए सरकार में पार्टनर रहे। इन नेताओं की खूबी यह है कि कई बार चुनाव जीता है, कई बार हारा है ।

इनके बीच खुद को कहने वाली नेशनल पार्टी कभी जगह नहीं बना सकी। कारवां पत्रिका के संपादक विनोद के होजे ने अप्रैल 2011 में करुणानिधि पर रोजक लेख लिखा है, जिसका नाम है 'दि लास्ट ईयर' । इसमें इस बात का जिक्र है कि 1957 और 62 में जब डीएमके हार गई तब अन्नादुरई ने सोचा कि बगैर पैसे के सिर्फ विचारधारा से जीत नहीं मिलेगी । तब कोषाध्यक्ष के रूप मे डीएमके ने कहा कि वे दस लाख जमा कर देंगे। किसी ने यकीन नहीं किया। करुणानिधि ने दस लाख से ज्यादा चंदा जमा कर दिया । एक रैली में अन्नादुरई ने उन्हें श्रीमान ग्यारह लाख की उपाधि दी थी ।

कब तक आएगी 5G की हाई स्पीड इंटरनेट सेवा

द रीव टाइम्स ब्यूरो

हमारी दुनिया में 5G दस्तक देने वाला है । अगले साल की शुरुआत तक कई देशों में हाई स्पीड इंटरनेट सेवा की शुरुआत की जा सकती है । इन देशों का दावा है कि इस सेवा के आ जाने के बाद इंटरनेट की स्पीड दस से बीस गुना तक बढ़ जाएगी ।

इसके आने के बाद क्या हमारे जीवन में कोई बदलाव आएगा? क्या हम लोगों को फिर से नया फोन खरीदना होगा, जैसे 3G और 4G के समय खरीदना पड़ा था ?

आखिर 5G है क्या?

इसे मोबाइल इंटरनेट की पांचवीं पीढ़ी माना जा रहा है, जिसकी स्पीड मौजूदा इंटरनेट स्पीड से कहीं अधिक होगी, जिससे बड़े डेटा को आसानी से डाउनलोड और अपलोड किया जा सकेगा ।

इसकी पहुंच वर्तमान मोबाइल इंटरनेट से कहीं अधिक और बेहतर होगी। यह तकनीक पूरी तरह से रेडियो स्पेक्ट्रम के बेहतर इस्तेमाल का उदाहरण होगी और इससे एक साथ कई डिवाइस को इंटरनेट से जोड़ा जा सकेगा ।

यह काम कैसे करेगा?

कई नई तकनीकें इस्तेमाल की जाएंगी लेकिन अभी तक 5जी के सभी प्रोटोकॉल तय नहीं किए गए हैं ।

यह हाई फ्रीक्वेंसी बैंड पर काम करेगा, 3.5GHz से 26GHz या उससे भी ज्यादा पर. इस फ्रीक्वेंसी बैंड में वेव लेंथ छोटे होते हैं. लेकिन परेशानी यह है कि छोटे वेव लेंथ को

75 साल के बुजुर्ग की उगाई ककड़ी बना सकती है विश्व रिकॉर्ड

द रीव टाइम्स ब्यूरो

ब्रिटेन के डर्बी में रहने वाले रघबीर सिंह संघेरा कहते हैं कि उनकी प्रार्थनाओं के कारण उनके खेत में उगी ककड़ी इतनी बड़ी हो गई है कि वो नया विश्व रिकॉर्ड बना सकती है ।

साल 1991 में ब्रिटेन आने से पहले रघबीर सिंह संघेरा भारत में रहते थे और खेती किसानी का काम करते थे । उन्होंने अपने ग्रीनहाउस में ककड़ी की खेती की है जिसमें से एक की लंबाई 51 इंच यानी 129.54 सेंटीमीटर हो गई है । इस ककड़ी की प्रजाति के बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं मिली है. संघेरा का कहना है कि ककड़ी अभी भी बढ़ती जा रही है ।

विश्व का सबसे लंबी ककड़ी का गिनीज रिकॉर्ड साल 2011 में वेल्स में उगी एक ककड़ी के नाम है जो 42.13 इंच यानी 105 सेंटीमीटर लंबी थी।

हिरोशिमा पर परमाणु बम हमले के 73 साल पूरे

द रीव टाइम्स ब्यूरो

जापान के शहर हिरोशिमा पर परमाणु बम गिराए जाने के 73 वर्ष पूरे होने पर आज सुबह एक घंटी बजाकर उस दिन को याद किया गया जब विश्व का पहला परमाणु हमला हुआ था. साथ ही शहर के मेयर ने आगाह किया कि विश्व भर में बढ़ता राष्ट्रवाद शांति के लिए खतरा बन चुका है। हिरोशिमा के पीस मेमोरियल पार्क के ऊपर आसमान उसी तरह साफ था जैसे छह अगस्त,1945 को था जब अमेरिकी बी–29 बमवर्षक ने बंदरगाह वाले इस शहर में सैन्य अड्डों को निशाना बनाते हुए घातक परमाणु बम गिराया था।

इस हमले में 1,40,000 लोग मारे गए थे। वार्षिक समारोह के लिए ग्राउंड जीरो के पास इस पार्क में खड़े होकर हिरोशिमा के मेयर कजुमी मात्सुई ने अपने वार्षिक संबोधन में एक ऐसे विश्व का आह्वान किया जो परमाणु रहित हो और बढ़ते राष्ट्रवाद के खतरे को लेकर भी आगाह किया। किसी खास देश का नाम लिए बगैर उन्होंने चेताया कि, "कुछ देश स्पष्ट तौर पर स्व–केंद्रित राष्ट्रवाद को अभिव्यक्त कर रहे हैं और अपने परमाणु जखीरे का आधुनिकीकरण कर रहे हैं"। उन्होंने कहा," वे फिर से वही तनाव पैदा कर रहे हैं जो शीतयुद्ध के खत्म होने के बाद शान्त हो गए थे"।

ऑस्ट्रेलिया: भयंकर सूखे की हैरान कर देने वाली तस्वीरें

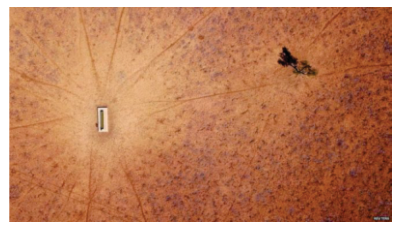

द रीव टाइम्स ब्यूरो

पूर्वी ऑस्ट्रेलिया के कई हिस्सों में सूखा पड़ रहा है । ये वहां इतिहास का अबतक का सबसे भयंकर सूखा है. इसकी सबसे ज़्यादा मार किसानों पर पड़ी है । रॉयटर्स के फोटोग्राफर डेविड ग्रे ने इस सूखी धरती की तस्वीरें अपने कैमरे में कैद की । आसमां से ली गई इस त्रासदी की कुछ तस्वीरें बेहद अद्भुत नजर आईं । इस खेत के मालिक ने बताया कि 2010 के बाद से यहां बारिश न के बराबर हुई है ।

किसानों को अपने पालतू जानवरों के लिए भी खाना जुटाना होता है. इससे उनके खर्चे और बढ़ जाते हैं । ऑस्ट्रेलिया के लोगों का पेट भरने वाले एक चौथाई कृषि उत्पाद न्यू साउथ वेल्स से आते हैं. वहां पड़े इस सूखे ने पूरे कृषि उद्योग पर असर डाला है ।

दुनिया के सबसे ऊंचे गांव का रिकार्ड लिए हुए इस गांव की सैर रहेगी कुछ अलग और खास

द रीव टाइम्स ब्यूरो

इंडिया में पहाड़ों, बीच और रेगिस्तानों के अलावा भी कई सारी ऐसी जगहें हैं जहां की खूबसूरती और इतिहास को जानना यादगार एक्सपीरियंस साबित होगा। हिमाचल में स्पीति ऐसी ही खूबसूरत जगहों में शामिल है जिसकी दीवानगी लेह–लद्दाख से कम नहीं। और यहीं बसता है एक छोटा सा गांव कौमिक। तो अगर आप स्पीति घूमने जा रहे हैं तो बेहतर होगा कि कौमिक गांव घूमने के लिए भी समय निकालकर जाएं। समुद्र तल से लगभग 15,027 फीट की ऊंचाई पर बसा यह दुनिया का सबसे ऊंचा गांव है।

गांव की खूबसूरती

कौमिक गांव का आकार एक बड़े कटोरे जैसा है। गांव दो भागों में बंटा नजर आता है। एक भाग में आपको बिल्कुल छोटे आसपास सटे हुए घर देखने को मिलेंगे और दूसरे भाग में थोड़े बड़े घर। गांव के मुख्य द्वार पर गोंपा मोनेस्ट्री है जिसके बारे में लोगों का कहना है कि ये लगभग 500 साल पुरानी है। दिन में दो बार मोनेस्ट्री में प्रार्थना सभा होती है और इस दौरान औरतें को अंदर जाने की इजाजत नहीं होती। बहुत ही कलरफुल इस मोनेस्ट्री के अंदर लामा (मोनेस्ट्री के मॉन्क) रहते हैं।

कब जाएं- वैसे तो यहां का मौसम हमेशा ही ठंडा रहता है लेकिन फिर भी मई से सितंबर के बीच की प्लानिंग करके आप यहां की चीजों को एक्सप्लोर करने के साथ ही उसे एन्जॉय भी कर सकते हैं। पैकिंग करते समय स्लीपिंग बैग और गर्म कपड़े रखना बिल्कुल भी न भूलें।

कहां ठहरें- मॉनेस्ट्री के अंदर हॉस्टल और होमस्टे की व्यवस्था होती है जहां एक रात का खर्च 200 रूपए से भी कम होता है।

कहां घूमें– Komic lundup chhemo गुफा, पुराना साक्यापा मॉनेस्ट्री और Lee Gyip जाकर आप इस जगह की खूबसूरती को और करीब से देख सकते हैं।

विश्व के सबसे ऊंचे गांव कौमिक में मिशन रीव के पंचायत फेसिलिटेटर सेवाऐं दे रहें हैं । लाहौल स्पीति की लांगचा पंचायत में मिशन रीव की सेवाऐं उपलब्ध हो रही हैं

कैसे जाएं- काजा शहर से कौमिक जाने के लिए प्राइवेट टैक्सी आसानी से मिल जाती है। पहाड़ी रास्ता होने की वजह से लगभग 45 मिनट का समय लगता है। इसके अलावा हफ्ते में सिर्फ दो दिन मंगलवार और शनिवार को बसें भी चलती हैं जो लगभग 90 मिनट में आपको इस गांव पहुंचा देती हैं। रास्ते में आपको कई सारे खूबसूरत नजारे देखने को मिलते हैं।

महिला ने पहना हिजाब, तो लगा 10 हजार का जुर्माना

द रीव टाइम्स ब्यूरो

डेनमार्क में सार्वजनिक स्थलों पर चेहरा ढंकने वाले नकाब या हिजाब पर एक अगस्त से प्रतिबंध के बाद पहली बार 28 वर्षीय एक महिला पर इस कानून का उल्लंघन करने के आरोप में जुर्माना लगाया गया है। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी मिली है। पुलिस ड्यूटी अधिकारी डेविड बोर्केर्सन ने रितजाऊ न्यूज एजेंसी को बताया कि पुलिस को होरशोल्म के शॉपिंग सेंटर में बुलाया गया था।

यहां कल एक महिला का नकाब दूसरी महिला ने फाड़ने की कोशिश की, जिसके बाद उनके बीच झगड़ा हो गया। बोर्केर्सन ने कहा, 'झगड़े के दौरान महिला का नकाब उतर गया था लेकिन जब तक हम पहुंचे, उसने दोबारा नकाब पहन लिया था।' पुलिस ने नकाब पहने महिला की तस्वीर ली और शॉपिंग सेंटर से सिक्योरिटी कैमरा फुटेज निकाला। इसके बाद नकाब पहने हुई महिला पर 1,000 क्रॉनर (करीब 10 हजार

ड्रोन हमले में बाल-बाल बचे वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो

द रीव टाइम्स ब्यूरो

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के कल एक कार्यक्रम के दौरान हमला हुआ जिसमें वह बाल–बाल बच गए। मादुरो कल राजधानी कराकस में नेशनल गार्ड के 81 वर्ष पूरे होने पर मनाए जा रहे समारोह में भाषण दे रहे थे, जब उनके पास कुछ विस्फोटक आ गिरा था। इसके बाद उन्होंने भाषण बीच में ही रोक दिया और कराकस सेना राष्ट्रपति को तुरंत वहां से सुरक्षित स्थान पर ले गयी। सरकार ने कहा कि इस पूरी घटना में सात सैनिक घायल हुए हैं। निकोलस मादुरो ने घटना के बाद सरकारी चैनल पर कहा, "यह हमला मेरी हत्या करने के लिए किया गया था, उन्होंने आज मेरी हत्या करने की कोशिश की।"

उन्होंने कहा, "एक उड़ती हुई चीज में मेरे सामने विस्फोट हो गया।" राष्ट्रपति ने कहा कि हमले में कुछ को गिरफ्तार कर लिया गया है और जांच जारी है। मादुरो ने इस हमले के लिए पड़ोसी देश कोलंबिया और अमेरिका के अज्ञात "वित्तदाताओं" को जिम्मेदार ठहराया। वहीं उनके कई अधिकारियों ने हमले के लिए वेनेजुएला के विपक्षी खेमे को जिम्मेदार ठहराया है।

करांची स्थित भगवान शिव के मंदिर में हिंदू बच्चों को पढ़ा रहे मुस्लिम शिक्षक

द रीव टाइम्स ब्यूरो

पाकिस्तान के करांची में स्थित है एक शिव मंदिर। पाकिस्तान में किसी मंदिर का होना अपने आप में बहुत बड़ी बात है, परंतु चर्चा अगर उससे भी बड़ी हो तो क्या कहने। दरअसल, इस स्कूल में शिक्षक जब 'अस्सलामुअलैकुम' कहती हैं तो उन्हें जोर से जवाब मिलता है 'जय श्री राम'। पढ़ने वाले बच्चे हैं हिंदू और पढ़ाने वाली शिक्षिका हैं 'अनम आगा'।

सुबह स्कूल पहुंचने पर वह अपना हिजाब सही करते हुए कहती हैं कि जब वह बच्चों से हाथ मिलाकर अस्सलामुअलैकुम कहती हैं तो बच्चे उन्हें जोर से जवाब देते हैं 'जय श्री राम'। यह सिर्फ एक दिन की नहीं बल्कि हर सुबह की दिनचर्या है। मंदिर के पुजारी रूप चंद कहते हैं कि मंदिर में सबका स्वागत होता है और हम तो मानवता की सेवा करते हैं। वह कहते हैं कि यहां आप अपने अलग धर्म के बावजूद प्रवेश कर सकते हैं क्योंकि यहां कोई प्रतिबंध नहीं है।

श्रीलंका जाने वाले भारतीय टूरिस्टों को अब नहीं पड़ेगी वीजा की जरूरत

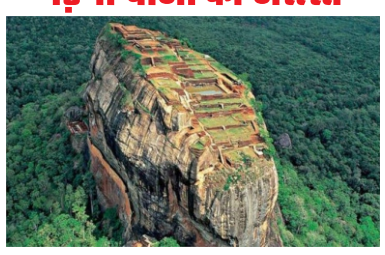

द रीव टाइम्स ब्यूरो

अक्सर हर भारतीय के मन में श्रीलंका जाने की लालसा रहती है। वजह यह है कि वह वहां जाकर उस अशोक वाटिका को देखना चाहता है, जहां रावण ने माता सीता को हरण करने के बाद रखा था। इसके साथ ही, भारतीयों के मन में उन तमाम स्थानों को देखने की लालसा रहती है, जो माता सीता और मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीरामचंद्र जी से जुड़ा हुआ है, लेकिन उनके सामने इस बात की दिक्कतें पेश आती रही हैं कि उन्हें श्रीलंका जाने के लिए वीजा लेना अहम हो जाता था। अब शायद लंका जाने वाले भारतीयों को इस झंझट का सामना नहीं करना पड़ेगा और वे बेझिझक बिना वीजा के ही श्रीलंका का भ्रमण कर सकते हैं। श्रीलंका भ्रमण की चाहत रखने वाले भारतीय पर्यटकों का सफर जल्द और आसान हो सकता है। उन्हें वहां घूमने के लिए वीजा के बिना जाने की अनुमति मिल सकती है। श्रीलंका के पर्यटन मंत्री जॉन अमारतुंगा ने कहा कि उनकी सरकार भारत और चीन जैसे देशों के पर्यटकों को बिना वीजा प्रवेश देने की अनुमति पर विचार कर रही है।

रूस के मिलिटरी स्कूल में ट्रेनिंग लेंगे पाक के सैनिक, भारत के लिए टेंशन?

द रीव टाइम्स ब्यूरो

पाकिस्तान और रूस ने एक ऐसा समझौता किया है जिससे भारत की चिंता बढ़ सकती है। दोनों देशों के बीच हुए समझौते के मुताबिक, पाकिस्तानी सैनिकों को रूस के मिलिटरी इंस्टिट्यूट्स में ट्रेनिंग दी जाएगी। दोनों देशों ने रक्षा क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए यह समझौता किया है। बता दें कि रूस भारत का सदाबहार दोस्त माना जाता रहा है लेकिन बीते कुछ सालों में पाकिस्तान से मॉस्को की नजदीकी बढ़ती गई है।

ट्रंप ने ईरान पर फिर लगाया प्रतिबंध, कहा-नये परमाणु समझौते पर विचार करने को तैयार

द रीव टाइम्स ब्यूरो

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर नये सिरे से प्रतिबंध लगा दिये हैं। ईरान से ये प्रतिबंध 2015 के परमाणु करार के बाद हटाये गये थे। हालांकि, ट्रंप ने साथ ही यह भी कहा है कि वह ईरान के साथ नए परमाणु समझौते पर विचार को तैयार हैं। इस साल मई में ट्रंप ने ईरान के परमाणु समझौते से बाहर निकलने की घोषणा की थी। ईरान पर प्रतिबंध फिर से लागू होने के बाद भारत जैसे देशों पर खासा प्रभाव पड़ेगा। ईरान के साथ भारत के परंपरागत और ऐतिहासिक व्यापारिक रिश्ते हैं।

इंडोनेशिया भूकंप: तबाह हो गए गांव के गांव, मृतकों की संख्या 131, डेढ़ लाख से अधिक बेघर

द रीव टाइम्स ब्यूरो

माताराम (एजेंसी)। इंडोनेशिया के लंबोक द्वीप पर रविवार को आए जानलेवा भूकंप के चलते करीब 156,000 से अधिक लोग बेघर हो गए हैं। 6.9 की तीव्रता वाले भूकंप ने अब तक कम से कम 131 लोगों की जान ले ली। शेल्टर्स में रह रहे लोगों को भोजन, दवाई और पानी की कमी से जूझना पड़ रहा है। अधिकारियों ने बुधवार को ये सारी जानकारी देते हुए बताया।

प्रभावितों की संख्या डेढ़ लाख से पार

प्रभावित लोगों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। हजारों घर तबाह हो चुके हैं और लोगों को सुरक्षित जगह पर पहुंचाया जा रहा है। 70,000 से बढ़कर इनकी संख्या अब डेढ़ लाख से भी अधिक हो गई है।

दुनिया भर में 41 नामों पर लगा प्रतिबंध

पाबंदी: सऊदी अरब समेत खाड़ी देशों में विरोधाभासी नाम रखने की इजाजत नहीं

द रीव टाइम्स ब्यूरो

दुनिया के कई देशों ने व्यक्ति के नाम रखने को लेकर नियम बना रखे हैं। इसके तहत कुछ नामों को प्रतिबंधित कर दिया गया है। मां–बाप अपने बच्चों का नामकरण इन प्रतिबंधित नामों के आधार पर नहीं कर सकते हैं। नाम संबंधी प्रतिबंधों में लिंग, धर्म, संस्कृति, वैश्विक राजनयिक संबंध, उपभोक्ता बाजार वगैरह के प्रति उस देश के शासन की सोच भी उजागर होती है। नाम प्रतिबंध करने वाले देशों में सऊदी अरब, पुर्तगाल, जर्मनी, डेनमार्क, जॉर्डन, फ्रांस, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, आइसलैंड और नार्वे जैसे देश शामिल हैं। सऊदी अरब सहित कुछ देशों ने भी करीब 41 नामों पर प्रतिबंध लगा रखा है। सऊदी अरब सरकार का मानना है कि ये नाम साम्राज्य के धर्म और संस्कृति के विरोधाभासी हैं। अब अभिभावक अपने बच्चों को नाम लिंडा, एलिस, बिनयामिन (अरबी में बेंजामिन) नहीं रख सकेंगे।

इन नामों पर है प्रतिबंध

पुर्तगाल में वाइकिंग और जिमी, सऊदी अरब में एलिस, माया व अब्दुल और नासिर, जर्मनी एवं डेनमार्क में एइलर, एशले, ओसामा बिन लादेन, जॉर्डन और मॉर्गन, फ्रांस में प्रिंस विलियम, डेनमार्क में अनुस, स्वीडन में एल्विस व मेटालिका, मेक्सिको में रैंबो एवं बैटमैन, स्विट्जरलैंड में जुडास व लूसियर, आइसलैंड में हैररिएट और नार्वे में हैंनसेन आदि के नामों पर प्रतिबंध है।

द रीव टाइम्स
आपकी आवाज़ ही है
हमारी आवाज़

द रीव टाइम्स
संस्थापक: डॉ. एल.सी. शर्मा, द रीव टाइम्स पब्लिकेशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक श्री प्रदीप कुमार जरेट द्वारा एसोसिएट प्रैस सायबू निवास समीप सेक्टर -2 , बस स्टैंड मिडल मार्केट न्यू शिमला-9, हि.प्र. से प्रकाशित एवं मुद्रित
प्रधान सम्पादक: डा. एल.सी. शर्मा,
प्रबन्ध सम्पादक: आनन्द नायर
फोन न. 0177 2640761,
मेल: editor@themissionriev.com
RNI Reference No. 1328500

भारतीय पुरुष हॉकी टीम विश्व रैंकिंग में पांचवें क्रम पर

द रीव टाइम्स ब्यूरो

चौंपियंस ट्रॉफी में रजत पदक जीतने का फायदा भारतीय पुरुष हॉकी टीम को ताजा विश्व हॉकी रैंकिंग में मिला। भारतीय टीम अब एक स्थान की छलांग के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच गई।

नीदरलैंड्स में पिछले महीने चौंपियंस ट्रॉफी फाइनल में भारत को फाइनल में पेनल्टी शूटआउट में ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। भारत मंगलवार को जारी अंतरराष्ट्रीय हॉकी रैंकिंग में एक पायदान की छलांग के साथ पांचवें क्रम पर पहुंचा, उसने जर्मनी को पीछे छोड़ा । जर्मनी अब छठे स्थान पर खिसक गया । इस बदलाव को छोड़कर टॉप 10 की सूची में कोई फर्क नहीं आया है। इंडोनेशिया में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारी में जुटी भारतीय टीम का मनोबल इस बदलाव से अवश्य बढ़ेगा । आस्ट्रेलिया की टीम शीर्ष पर बरकरार है। दूसरे स्थान पर अर्जेंटीना, तीसरे स्थान पर बेल्जियम और नीदरलैंड्स चौथे स्थान पर बना हुआ है। इसके अलावा, इंग्लैंड सातवें, स्पेन आठवें, न्यूजीलैंड नौवें और आयरलैंड 10वें स्थान पर बरकरार है। सितम्बर में हॉकी सुपर सीरीज के समापन के बाद विश्व रैंकिंग में बदलाव होगा।

लीथियम की प्रचुरता वाला सबसे बड़ा तारा मिला

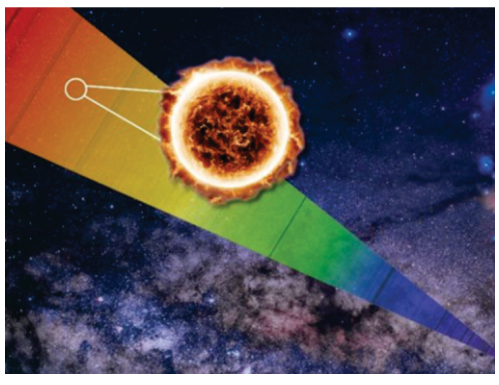

द रीव टाइम्स ब्यूरो

चीन के वैज्ञानिकों ने लीथियम की प्रचुरता वाला अब तक का सबसे बड़ा तारा खोजा है। सूर्य से डेढ़ गुना भारी इस तारे पर सामान्य से तीन हजार गुना अधिक लीथियम मौजूद है। इसकी खोज के बाद ब्रह्मांड की उत्पत्ति और विकास से जुड़े कई रहस्यों से पर्दा उठने की संभावना है। वैज्ञानिकों के अनुसार, ब्रह्मांड के विस्तार से जुड़े बिग बैंग घटनाक्रम में हाइड्रोजन और हीलियम के साथ लीथियम गैस भी संश्लेषित हुई थी। पिछले तीन दशकों में लीथियम की प्रचुरता वाले कुछ ही खगोलीय पिंड मिले हैं। इसी के चलते लीथियम का अध्ययन करना खगोलविदों के लिए चुनौतीपूर्ण रहा है। नए तारे की खोज इस दिशा में बड़ी सफलता साबित हो सकती है।

गैलेक्टिक डिस्क की उत्तर दिशा में स्थित इस तारे को द लार्ज स्काई एरिया मल्टी–ऑब्जेक्ट फाइबर स्पेक्ट्रोस्कोपिक टेलीस्कोप से खोज गया। चाइनीज एकेडमी ऑफ साइंसेज एंड नेशनल ऑब्जरवेटरीज ऑफ चीन (एनएओसी) के मुताबिक यह पृथ्वी से 4,500 प्रकाश वर्ष दूर है। एनएओसी से जुड़े प्रोफेसर जेएचएओ गैंग का कहना है कि इस खोज के बाद यह पता लगाना आसान हो जाएगा कि कुछ खगोलीय पिंड में लीथियम की इतनी प्रचुरता क्यों होती है? फिलहाल वैज्ञानिक इस नए तारे की अन्य विशेषताओं का पता लगाने में जुटे हैं।

जिम्बाब्वे चुनाव में मनांगाग्वा विजयी, विपक्ष ने लगाया धांधली का आरोप

द रीव टाइम्स ब्यूरो

जिम्बाब्वे के राष्ट्रपति एमर्सन मनांगाग्वा ने देश के ऐतिहासिक चुनावों में मामूली अंतर से जीत दर्ज की है । चुनाव परिणाम के बाद धांधली के आरोप लगने की आशंका के बीच संभावित प्रदर्शनों को रोकने के लिए सुरक्षाबल सड़कों पर गश्त लगा रहे हैं । मनांगाग्वा पूर्व राष्ट्रपति रॉबर्ट मुगाबे के सहयोगी रहे हैं। जिम्बाब्वे चुनाव आयोग ने बताया कि मनांगाग्वा ने विपक्षी पार्टी एमडीसी के नेल्सन चमिसा के 44.3 फीसदी मतों के मुकाबले 50.8 फीसदी मतों से जीत दर्ज की। आयोग की अध्यक्ष प्रिसिला चिगुम्बा ने कहा, ''जेएएनयू–पीएफ पार्टी के मनांगाग्वा एमर्सन दाम्बुदजो को जिम्बाब्वे गणतंत्र का निर्वाचित राष्ट्रपति घोषित किया जाता है।''

अब मोमो चैलेंज बना 'मौत का सौदागर', ऐसे बनाता है बच्चों को शिकार

द रीव टाइम्स ब्यूरो

अगर आप के बच्चे व्हाट्सएप और सोशल मीडिया पर ज्यादा समय दे रहे हैं तो सावधान हो जाएं। इन दिनों सोशल साइट्स पर ब्लू व्हेल गेम चौलेंज के बाद मौत का सौदागर मोमो चौलेंज सामने आया है। मोमो चैलेंज व्हाट्सएप मैसेज के जरिए वायरल हो रहा है। दावा किया जा रहा है कि मोमो जापान से संबंधित है और इस चैलेंज के लिए डरावनी तस्वीर का इस्तेमाल किया जा रहा है । यह चौलेंज खतरों से भरा है। चौलेंज पूरा न करने पर मोमो (एक फिक्शनल कैरेक्टर) डांटती है और कड़ी सजा देने की धमकी भी देती है।

इसके चलते यूजर डर जाता है और मोमो के निर्देश मानने के लिए मजूबर हो जाता है । मोमो की बात में आकर यूजर डिप्रेशन का भी शिकार हो जाता है। इसके अधिकतर यूजर्स नौजवान और बच्चे हैं । मोमो चैलेंज़ गेम के जरिए अपराधी बच्चों और युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रहे हैं।निजी जानकारी चुराने के बाद वह परिजनों को धमकी देता है। इसका इस्तेमाल वह फिरौती मांगने के लिए भी करते हैं। इस गेम के जरिए बच्चों को डिप्रेशन कर वह आत्महत्या की ओर ढकेलते हैं।

मोमो चैलेंज में सबसे पहले यूजर्स को अनजान नंबर दिया जाता है जिसे सेव कर हैलो–हाय करने का चैलेंज दिया जाता है। फिर उस अनजान नंबर पर बात करने का चैलेंज दिया जाता है। इसके बाद जो नंबर सेव होता है, उससे यूजर को डरावनी तस्वीरें और वीडियो क्लिप्स मैसेज किए जाने लगते हैं। यूजर को इस दौरान कुछ काम भी दिए जाते हैं जिसको पूरा न करने स्थिति में उसे धमकी दी जाती है।

धमकी से डरकर यूजर आत्महत्या कर लेता है। अगर बच्चे सोशल मीडिया, खासतौर से व्हाट्सऐप और फेसबुक पर ज्यादा समय दे रहे हैं तो उन पर नजर रखें। उनकी आदतों पर ध्यान दें और किसी भी तरह का, जैसे गुमसुम रहना, खाना छोड़ने सरीखे बदलाव हों तो किसी विशेषज्ञ से संपर्क करें।

पॉपकॉर्न की ऊर्जा से चलेगा नया रोबोट

द रीव टाइम्स ब्यूरो

वैज्ञानिकों ने आकार में बहुत छोटा एक ऐसा रोबोट बनाया है जो पॉपकॉर्न की ऊर्जा से चलेगा। पॉपकॉर्न के दाने गर्म करने पर करीब 10 गुना तक बढ़ सकते हैं। इन दानों के बड़े होने में जो बल लगता है उसी का इस्तेमाल इस रोबोट को चलाने में किया जाएगा। इससे रोबोट बनाने का खर्च काफी कम हो जाएगा। वैज्ञानिकों की इस सफलता के बाद ऐसे छोटे उपकरण बनाने का रास्ता खुल गया है जो लचीले होते हैं और फैल सकते हैं।

अमेरिका की कार्नेल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर एच पीटर्सन ने कहा, ''साधारण रोबोट के फेल होने की संभावना भी कम होती है। हम लंबे समय से ऐसा रोबोट बनाना चाहते थे जो कम खर्च में बने और ज्यादा काम आ सके। इसलिए रोबोट को ऊर्जा देने के लिए पहली बार पॉपकॉर्न का इस्तेमाल किया गया। यह आसानी से उपलब्ध भी है और प्राकृतिक तरीके से गल सकता है। पॉपकॉर्न के इन दानों के फैलने के दौरान जो बल उत्पन्न होता है, उससे कूदने वाले छोटे रोबोट को ऊर्जा मिल सकती है ।

पॉपकॉर्न खाया जा सकता है इसलिए इससे बने उपकरण को चिकित्सकीय प्रक्रिया के दौरान शरीर में भी प्रवेश कराया जा सकता है। एक बार बढ़ जाने पर पॉपकॉर्न के दाने दोबारा छोटे नहीं हो सकते। इसी वजह से इनसे बने उपकरण का केवल एक बार ही उपयोग किया जा सकता है।

पाक को झटका, दाउद के गुर्गे 'मुन्ना झिंगड़ा' को भारत लाने का रास्ता साफ

द रीव टाइम्स ब्यूरो

भारत की पाकिस्तान पर बड़ी कूटनीतिक जीत हुई है। थाईलैंड की एक आपराधिक अदालत ने दाऊद इब्राहिम के गुर्गे मुन्ना झिंगड़ा को लेकर आदेश दिया है कि वो पाकिस्तानी नहीं बल्कि भारत का नागरिक है। इसके बाद उसे भारत लाने का रास्ता साफ हो गया है।इसके बाद थाईलैंड में पाकिस्तानी मिशन दो बार और उसे क्षमादान दिलाने में सफल रहा। इसके बाद 2016 में मुन्ना की सजा घटकर 18 साल हो गई।

कोर्ट में सुनवाई के दौरान हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला, जब फैसला आते ही झिंगड़ा का व्यवहार आक्रामक हो गया और वो जज को ही गालियां देने लगा।

वहीं पाकिस्तानी दूतावास के अफसरों का व्यवहार भी काफी आक्रामक रहा ।अदालत ने बुधवार को सुनवाई के दौरान कहा कि, सैयद मुदस्सर हुसैन उर्फ मुन्ना झिंगड़ा भारतीय नागरिक है। ये कहते हुए अदालत ने उसे स्वदेश भेजने का आदेश दिया।

मुन्ना झिंगड़ा फर्जी पाकिस्तानी पासपोर्ट के सहारे बैंकॉक पहुंचा था। जहां वो दाऊद के सबसे बड़े दुश्मन छोटा राजन की हत्या की कोशिश के मामले में साल 2000 से जेल में बंद है। झिंगड़ा का पिता मुदस्सर नुसैन का भी 1993 के मुंबई धमाकों से नाम जुड़ा है। ऐसा कहा जाता है कि उसके संबंध आईएसआई से भी थे। इसी वजह से पाकिस्तान कूटनीतिक जरियों से भी उसकी सजा कम कराने की कोशिशों में जुटा हुआ था। इसी का नतीजा था कि पाकिस्तानी दूतावास दो बार उसे शाही क्षमादान दिलाने में कामयाब रहा और उसकी सजा घटकर 34 साल हो गई।

इस फैसले के खिलाफ अपील करने के लिए पाकिस्तान के पास तीस दिन की मोहलत है। ऐसा नहीं करने पर भारत 90 दिन के भीतर दाऊद के इस गुर्गे को वतन ला सकेगा ।

अदालत का फैसला भारत के लिए राहत की खबर है। दरअसल, झिंगड़ा की नागरिकता को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच काफी लंबे समय से विवाद है। एक तरफ भारत मुन्ना झिंगड़ा को अपना नागरिक बताता रहा है। तो दूसरी तरफ पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान उसे मोहम्मद सलीम बताते हुए अपना नागरिक होने का दावा करता रहा है।

सौर ऊर्जा पर भारत के प्रयासों की संयुक्त राष्ट्र ने की प्रशंसा

द रीव टाइम्स ब्यूरो

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के पर्यावरण प्रमुख ने सौर ऊर्जा के जरिये अपनी ऊर्जा जरूरतें पूरी करने के भारत के प्रयासों की प्रशंसा की है। उन्होंने भारत के उन कदमों की भी सराहना की है जिनमें प्लास्टिक के इस्तेमाल पर अंकुश लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के कार्यकारी निदेशक एरिक सोलहम ने इसके साथ ही कहा कि दुनिया के देशों को धरती को बचाने के लिए और प्रयास करने की जरूरत है। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा, ''मानव इतिहास में 2017 ऐसा पहला साल रहा है जिस वर्ष दुनियाभर में तेल, गैस और कोयले की तुलना में सौर ऊर्जा से ज्यादा बिजली पैदा की गई। सौर ऊर्जा के आधार पर भारत के दक्षिणी राज्यों की अर्थव्यवस्था दुनिया में तेजी से उभर रही है। 2015 में केरल का कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पूरी तरह से सौर ऊर्जा से संचालित दुनिया का पहला हवाईअड्डा बना। कोयले के मुकाबले सौर ऊर्जा क्षेत्र में पांच गुना ज्यादा नौकरियां हैं।'' प्लास्टिक पर अंकुश लगाने के भारत के प्रयासों का जिक्र करते हुए एरिक ने कहा कि इस देश ने साल 2022 तक पूरी तरह प्लास्टिक का उपयोग बंद करने का वादा किया है। यूरोपीय संघ ने भी प्लास्टिक उपयोग का एक ऐसा नया तरीका अपनाने का एलान किया है जो पर्यावरण के ज्यादा अनुकूल और सुरक्षित होगा।

घबराहट में भी दिखना है अगर कॉन्फिडेंस से भरपूर तो यह 8 सटीक टिप्स हैं आपके लिए

सफल लोग आत्मविश्वास इन 8 तरीकों से दिखाते हैं, तब जब अंदर से दिल धड़क रहा हो..

द रीव टाइम्स ब्यूरो

आत्मविश्वास ही सफलता की पहली सीढ़ी है। रिसर्च से साबित हो चुका है कि जो लोग आत्मविश्वास से भरे नजर आते हैं उनकी चौतरफा तारीफ होती है। उन्हें ऊंचा औहदा भी दिया जाता है और ये प्रभावशाली बने रहते हैं। कुछ ऐसे क्षण होते हैं जब आपका आत्मविश्वास हिला हुआ होता है। कभी स्टेज पर बोलने का मौका, किसी नए व्यक्ति से बातचीत और किसी मीटिंग का हिस्सा बनना हो तो अक्सर हम घबराते हैं। अक्सर अगर आप भी ऐसी ही घबराहट का शिकार होते हैं और चाहते हैं कि सामने वाले को आपकी इस स्थिति का पता न चले, आपको देखकर लगे कि आप कॉन्फिडेंट हैं तो यह 8 बेहतरीन टिप्स बहुत काम के हैं...

1. आंख से आंख मिलाएं : जब आप किसी से

बात करें तो उनकी नजरों में देखें। आई कॉटेंक्ट बनाएं। आसपास या मोबाइल में न देखें। अगर आप उन पर ध्यान देंगे तो उन्हें लगेगा आप उन्हें महत्व दे रहे हैं। आपको उनसे सम्मान मिलेगा। आगे बढ़ना ही मनुष्य के जन्म की नियति है तो हम क्यों पीछे लौटें...

2. हाथ ऐसे मिलाएं जैसे आपको उनसे मिलकर खुशी हुई है : आप हाथ मिलाने के लिए पहले ही हाथ आगे कर दें जब मौका किसी से पहली मुलाकात का हो या कोई पुराना मित्र हो। ठीक से मिलाया गया हाथ दिखाता है कि आप उनसे मिलकर खुश हैं और आपका पूरा ध्यान उन पर ही है।

3. टचिंग बिहेवियर : कभी कभी सामने वाले से आपकी नजदीकी है तो आप यह भी कर सकते हैं कि अपनी घबराहट को कम करने के लिए हल्का सा उन्हें स्पर्श करें। आप जब किसी व्यक्ति से हाथ मिलाने के दौरान कंधे पर हल्का सा थोड़ी देर के लिए हाथ रखते हैं तो आपका टच बयां करता है कि आप दोनों करीब हैं। इससे घबराहट दूर करने में मदद मिलती है। पूर्व अमेरिकी प्रेसिडेंट ओबामा का यही अंदाज है।

4. सीधे खड़े हों, किसी व्यक्ति या सामान के सहारे खड़े नजर न आएं : अगर आप दर्शकों के सामने या किसी एक व्यक्ति के सामने भी खडे हैं तो किसी चीज का सहारा लेकर खड़े न रहें। पोडियम, दीवार या टेबल कहीं भी झुके न दिखें। आप सीधे खड़े दिखने से अलर्ट और एक्टिव नजर आएंगे।

5. जमीन पर दोनों पैर टिका कर रखें : जब पब्लिकली या किसी एक व्यक्ति से अपनी बात कहने का मौका है तो अपने दोनों पैर जमीन पर रखें। पैर क्रॉस रखना या एक पैर पर वजन, बार बार शरीर का वजन पैरों पर बदलना, पैर हिलाना आपको नर्वस और डरा हुआ दिखाते हैं।

6. अपने हाथों से अपनी जगह बढ़ाएं : आप जितना अधिक स्पेस लेते हैं, उतना अधिक आप कॉफिडेंट नजर आते हैं। अपनी बांहों को पूरा फैलाने से न कतराएं। अपने हाथों का इस्तेमाल भी बोलते समय खुद को एक्सप्रेस करने में करें। मीटिंग में टेबल पर हाथों से जगह लें। हिलेरी क्लिंटन इन तकनीकों का इस्तेमाल बड़ी खूबसूरती से करती हैं।

7. अपने हाथों को अपनी शील्ड न बनाएं : कई लोग बिना जाने ही अपनी बांहों को क्रॉस कर लेते हैं। अपने सीने पर बांहों आपस में बांध लेते हैं। इस तरह आप अपने शरीर के कुछ हिस्सों को छुपा रहे हैं जो कि निशान है कि आप नर्वस हैं। इससे ऐसा भी लग सकता है कि आप लोगों के साथ मिक्स नहीं हो पा रहे।

8. मीटिंग में टेबल के करीब वाली कुर्सी पर जाकर बैठें : अक्सर ऐसा देखा जाता है कि कुछ लोग मीटिंग टेबल से दूर पडी या दीवार के सहार रखी हुई कुर्सी पर जाकर बैठ जाते हैं। अगर आपको मीटिंग में बुलाया गया है तो आप टेबल पर जगह लें। यह मौका है जब आप एक्टिविली मीटिंग का हिस्सा बनेंगे और डिस्कशन में अपनी बात रख पाएंगे।

Advertorial

मिशन रीव में 'रीव को-ऑर्डिनेटर' के पदों की भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित हैं

सम्पूर्ण भर्ती प्रक्रिया कंप्यूटरीकृत होगी, जो अधिकतम पारदर्शिता को सुनिश्चित करेगी। मिशन रीव - जहां आप को मिलेगा अपने घर के पास ही काम/ रोज़गार के साधन। आप अपने परिवार और दोस्तों के साथ रहते हुए अपने गाँव के उत्थान के लिए काम करेंगे। अगर आप मे है समाज सेवा, अपने गाँव को सशक्त, स्वाबलमबी , सुविधा सम्पन्न बनाने का जूनून और बेहतर रोजगार को अपनाने की चाहत तो आइये जुड़िये अनोखे और अद्वितीय मिशन रीव से।

अनिवार्य योग्यताएं :

किसी भी विषय मे स्नातक अथवा 10+2 के बाद डिप्लोमा धारक
बेसिक कंप्यूटर ऑपरेशन का ज्ञान, एम.एस. एक्सेल तथा एम.एस. वर्ड
ई-मेल और इंटरनेट का ज्ञान
लोगों को एकत्रित करने की (Community Mobilization)
क्षमता, सेल्स तथा मार्केटिंग करने की क्षमता

क्या कार्य करना होगा-:

स्वास्थ्य डिविजन

सेवाएँ	कार्यकलाप	लक्ष्य (टार्गेट)
स्वास्थ्य स्लेट कैंप	अपनी पंचायत मे 2 स्वास्थ्य कैंप आयोजित करना	60 लोग प्रति माह
मोबाईल लैब	अपनी पंचायत मे 1 कैंप आयोजित करना	50 लोग प्रति माह
जनौषधि वितरण	अपनी पंचायत के मरीजों को मिशन रीव के जनौषधि केन्द्रों से जोड़ कर घरद्वार पर जन औषधि की सस्ती दवाईयाँ उपलब्ध करवाना	150 परिवार प्रतिमाह
टेलीमेडिसिन	अपनी पंचायत के मरीजों को टेलीमेडिसिन से जोड़ कर इलाज करवाना	150 परिवार प्रतिमाह

जैविक खेती डिविजन

सेवाएँ	कार्यकलाप	लक्ष्य (टार्गेट)
जैविक खाद	अपनी पंचायत के लोगों को रीव जैविक खाद बनाने के लिए सहायता एवं प्रेरित करना।	15 टन प्रतिमाह
जैविक अपशिष्ट अपघटक	अपनी पंचायत के लोगों को बायो डिकम्पोजर बनाने के लिए सहायता एवं प्रेरित करना।	1000 लीटर प्रतिमाह
मिट्टी की जांच	अपनी पंचायत के लोगों को मिट्टी की जांच करवाने के लिए सहायता देना एवं प्रेरित करना।	150 किसान परिवार
दुधारू पशु कैटल फीड सप्लिमेंट	अपनी पंचायत के लोगों को दुधारू पशुओं को कैटल फीड सप्लिमेंट देने में सहायता एवं प्रेरित करना।	150 किसान परिवार
मशरूम खेती	अपनी पंचायत के लोगों को मशरूम की खेती करने के लिए सहायता देना एवं प्रेरित करना।	50 किसान परिवार
सूक्ष्म योजना	सम्पूर्ण कृषि तकनीक आधारित नियोजनः बीज, मृदा जांच, कृषि उपकरण, आधुनिक तकनीक से कृषि में सहयोग व सहायता उपलब्ध करवाना।	100 किसान परिवार

मैम्बरशिप सेवाएं

सेवाएँ	कार्यकलाप	लक्ष्य (टार्गेट)
मैम्बरशिप	अपनी पंचायत मे मैम्बरशिप लेने के लिए लोगों को प्रेरित एवं पंजीकरण करना	5 लोग प्रति माह
आवश्यकता आकलन (Need Assessment)	मैम्बरशिप ले चुके लोगों की ज़रूरतों का आकलन एवं पंजीकरण करना	5 लोग प्रतिमाह
सेवा शैड्यूल बनाना	मैम्बरशिप ले चुके लोगों की ज़रूरतों का आकलन एवं पंजीकरण कर सेवा शैड्यूल बनाना	5 लोग प्रतिमाह
सर्विस डिलिवरी	पंजीकृत शैड्यूल की गई सेवाओं को मेम्बर तक पहुंचाना	5 लोग प्रतिमाह

मुद्रण एवं प्रकाशन

सेवाएँ	कार्यकलाप	लक्ष्य (टार्गेट)
द रीव टाइम्स वितरण	अपनी पंचायत के लोगों तक द रीव टाइम्स पहुंचाना	150 परिवार प्रतिमाह
रिपोर्टिंग	अपनी पंचायत से जुड़ी हुई घटनाओं एवं समाचारों को एकत्रित कर रीव टाइम्स मे प्रकाशन के लिए भेजना	2 समाचार/लेख प्रतिमाह
विज्ञापन	रीव टाइम्स के लिए विभिन्न संस्थानों से विज्ञापन लेना	1 विज्ञापन प्रतिमाह

संपत्ति प्रबंधन

सेवाएँ	कार्यकलाप	लक्ष्य (टार्गेट)
जमीन जायदाद संबंधी कार्य	भविष्य मे सूचित किया जाएगा	

उद्यमिता व्यवसाय प्रबंधन डिविजन

सेवाएँ	कार्यकलाप	लक्ष्य (टार्गेट)
उद्यमिता विकास	अपनी पंचायत के लोगों को उद्यमिता के लिए प्रेरित करना एवं सम्पूर्ण सहयोग सहायता देना, नए उद्यमियों को अपना कारोबार शुरू करने के लिए प्रेरित करना तथा समस्त औपचारिकताओं जैसेः लॉन दिलवाना, साधन–संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करना, आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करना तथा कारोबार को स्थायित्व प्रदान करने में सहयोग करना	एक उद्यमी को प्रतिमाह सेवा

ग्रामीण उत्पाद क्रय- विक्रय डिविजन

सेवाएँ	कार्यकलाप	लक्ष्य (टार्गेट)
ग्रामीण उत्पादों/वस्तुओं का क्रय–विक्रय	अपनी पंचायत मे क्रय विक्रय योग्य विशेष वस्तुओं की आवश्यकता का आकलन कर क्रय विक्रय के लिए प्रयास करना।	भविष्य मे सूचित किया जाएगा

शिक्षा एवं प्रशिक्षण डिविजन

सेवाएँ	कार्यकलाप	लक्ष्य (टार्गेट)
शिक्षित समाज का विकास	अपनी पंचायत के लोगों को शिक्षा एवं प्रशिक्षण के लिए प्रेरित करना एवं मिशन रीव की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाना	भविष्य मे सूचित किया जाएगा

ऑनलाइन आवेदन के लिए लिंक एवं पोर्टल 1 सितम्बर से खुलेगा। आवेदन करने के बाद आवेदक को लॉगइन आईडी तथा पासवर्ड दिया जाएगा उसके पश्चात 3 दिन के भीतर ही आवेदक को "ऑनलाइन भर्ती प्रक्रिया" पूर्ण करनी होगी। संबन्धित जानकारी एवं आवेदन करने के लिए www.missionriev.in पर लगातार ब्राऊज़ करते रहें।

ऑनलाइन कंप्यूटरीकृत भर्ती प्रक्रिया

विज्ञापन	रीव टाइम्स, सोशल मीडिया, दैनिक समाचारपत्रों के माध्यम से
कंप्युटर के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन	आवेदन संबंधी दिशा निर्देश → IIRD मिशन रीव के बारे मे संक्षिप्त परिचय विडियो एवं बुनियादी जानकारी
रेफरेंस चेक	आवेदक को 3 गणमान्य व्यक्तियों ने नाम देने होंगे जो आवेदक का अनुमोदन कर सकें
प्रलेखन/ Documentation	आवेदक को अपने शिक्षा एवं कार्यानुभव के सभी दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड करने होंगे
लिखित परीक्षा/ Written Test	वेब केमरा युक्त कमप्यूटर पर ऑनलाइन MCQ संबन्धित एवं व्याख्यात्मक लिखित परीक्षा देनी होगी
दृश्य–श्रव्य साक्षात्कार का पहला पड़ाव Audio Visual (Interview)	ऑनलाइन साक्षात्कार होगा जहां कुछ प्रश्नों के उत्तर देने होंगे
मिशन रीव मे कार्य तथा सेवाओं को देने बारे गहन समझ के लिए/ In depth understanding of Role	ई लर्निंग आधार पर ऑनलाइन अध्ययन सामग्री वीडियो–ओडियो तथा टेक्स्ट अध्ययन
आवेदक के अपने कार्य संबंधी समझ का आकलन Assessment on role understanding विडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर आधारित ऑनलाइन इंटरव्यू का अंतिम पड़ाव/ Video Conferencing by HOD/ Senior Person	ऑनलाइन इंटरव्यू के अंतिम पड़ाव मे मिशन हैड क्वार्टर से सीधे विडियो कॉन्फ्रेंसिंग होगी जहां किसी उच्च अधिकारी अथवा अधिकारियों के पेनल से साक्षात्कार होगा जिसमे कार्य को समझने संबंधी क्षमता का ऑनलाइन आकलन होगा
नियुक्ति प्रस्ताव/Offer Letter	नियुक्ति प्रस्ताव पत्र लेने के लिए अभ्यर्थी को मिशन हैड ऑफिस बुलाया जाएगा जहां 1 घंटे का आरंभिक परिचय व जानकारी दी जाएगी
NSDC से प्रमाणित 30 दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम	ऑनलाइन भर्ती प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के पश्चात 30 दिन के व्यवहारिक प्रशिक्षण के दौरान NSDC से प्रमाणित प्रशिक्षण दिया जाएगा जिसके लिए प्रशिक्षु को 8000/– रुपए फीस देनी होगी।

NSDC से प्रमाणित 30 दिन के प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के पश्चात अभ्यर्थी को फील्ड मे नियुक्ति दी जाएगी जहां सम्पूर्ण किए गए कार्यों तथा कंप्यूटरीकृत उपस्थितियों (हाजरियों) को ध्यान मे रखते हुए अधिकतम रुपये 10,000 प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। इसके इलावा टी.ए., डी.ए. तथा वार्षिक इन्सेंटिव का भी प्रावधान होगा।

प्रशिक्षण एवं नियुक्ति शैड्यूल

प्रशिक्षण आरंभ	प्रशिक्षण समापन	प्रशिक्षण आंकलन	नियुक्ति
6/9/2018	5/10/2018	6/10/2018	8/10/2018
8/9/2018	7/10/2018	8/10/2018	10/10/2018
10/9/2018	9/10/2018	10/10/2018	12/10/2018
12/9/2018	11/10/2018	12/10/2018	14/10/2018

क्रमशः

अपनी पंचायत के लोगों के लिए विभिन्न प्रकार की सेवाएँ उपलब्ध करवाने के लिए उत्तरदायित्वः

- स्वास्थ्य सुविधाएं, सरकारी सेवाओं और सुविधाओं को प्राप्त करने में सहायता।
- जैविक खेती, कृषि संबंधी, मिट्टी जांच संबंधी हर सुविधा को हासिल करने में सहायता।
- पशु पालन में जैविक दुग्ध–वर्धक पशु स्वास्थ्य–वर्धक फीड सपलीमेंट उपलब्ध करवाने में सहायता।
- Mission RIEV द्वारा दी जा रही सुविधाओं तथा सेवाओं की जानकारी घर तक पहुंचा कर सेवाओं को लेने के लिए सदस्यता पंजीकरण करवाने के लिए प्रेरित करना।
- मिशन रीव द्वारा संचालित परियोजनाओं, कार्यक्रमों और ग्रामीण लोगों की जरूरतों को ध्यान मे रखते हुए सेवाओं को देना।
- ग्राम पंचायत स्तर के अधिकारियों तथा महिला मण्डल, युवक मण्डल जैसे सामुदायिक समूहों के साथ एक गतिशील संपर्क एवं संवाद स्थापित करना।
- राजस्व उत्पादन के लिए लोगों / सदस्यों को सेवाएं प्रदान करके मिशन को सफल बनाने के लिए योजना तैयार करना।
- ग्राम पंचायत मे मिशन के लिए आवश्यक राजस्व उत्पन्न करके मिशन को अधिक व्यवहार्य, लाभदायक, प्रभाव–उन्मुख और स्वावलंबी बनाना।
- मिशन रीव के HQ के अधिकारियों के साथ विभिन्न प्रकार के संवादों का आदान–प्रदान रपटों तथा सूचनाओं का रख–रखाव एवं साझा करना।
- पंचायत स्तर पर सम्पन्न की गईं दैनिक गतिविधियों को समय पर पूरा कर उच्च अधिकारियों को आवधिक रिपोर्ट जमा करना।

IIRD हम जानते हैं गाँव को बेहतर

रोजगार के लिए आवेदन तथा रिक्तियों संबंधी जानकारी लेने के लिए निम्नलिखित फोन नम्बर तथा ईमेल पर संपर्क करें :–
0177– 2640761, 2844073 surender@iirdshimla.org info@iirdshimla.org hr@iirdshimla.org